{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 19 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 204
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स - 78,493.54
निफ्टी - 24,353.55
सोना - 1,55,780
चांदी - 2,75,000
डॉलर - 92.60

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

ट्रैवलर सड़क से उतरी; 9 की मौत

वलपर्ई। तमिलनाडु के वलपर्ई में सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तब हुआ, जब टेम्पो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर हेयरपिन मोड़ से फिसलकर खाई में गिर गया। पुलिस के मुताबिक, गाड़ी केरलम के पेरिंथलमन्ना से आए 13 पर्यटकों को लेकर वलपर्ई से लौट रहा था। 13वें हेयरपिन मोड़ पर संतुलन बिगड़ा और वाहन फिसलकर 9वें हेयरपिन मोड़ तक गिर गया हादसे में 1 पुरुष और 8 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को रेस्क्यू कर एंबुलेंस से पोलाची के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जब किसी ऊंचे पहाड़ पर चढ़ना होता है, तो सीधी सड़क बनाना मुमकिन नहीं होता । इसलिए, ऊंचाई पर धीरे-धीरे चढ़ने के लिए सड़क को सांप की तरह घुमावदार बनाया जाता है। जहां सड़क एकदम से मुड़कर वापस उसी दिशा के समानांतर हो जाती है, उसे ही हेयरपिन मोड़ कहते हैं।

पुणे में एयरफोर्स के विमान की हार्ड लैंडिंग

पुणे। पुणे एयरपोर्ट का रनवे शुक्रवार देर रात एक आईएएफ विमान की हार्ड लैंडिंग के बाद अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। इस घटना के कारण एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन 8 घंटे तक प्रभावित रहा। भारतीय वायुसेना ने खुद इसकी जानकारी दी। विमान की लैंडिंग के दौरान हुई घटना के बाद, सुरक्षा कारणों से रनवे को तुरंत बंद करना पड़ा। विमान का क्रू सुरक्षित है। किसी भी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 7.30 बजे के बाद नॉर्मल हो सका। एयरपोर्ट डायरेक्टर के मुताबिक 5 एयरलाइंस की 91 फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ी थीं। कैंसिल होने वाली फ्लाइट्स में इंडिगो की 65, एअर इंडिया की 6, स्पाइसजेट की 5, अकासा एयर की 5, एअर इंडिया एक्सप्रेस की 10 फ्लाइट्स शामिल थीं। एयरपोर्ट डायरेक्टर के मुताबिक मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है।

महाराष्ट्र में रिक्शा-टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा है कि 1 मई 2026 से, यानी महाराष्ट्र दिवस से राज्य में सभी लाइसेंस प्राप्त ऑटोरिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य कर दिया जाएगा। इसके तहत चालकों को मराठी पढ़ना, लिखना और बोलना आना चाहिए। अगर कोई चालक इस भाषा में बुनियादी दक्षता नहीं दिखा पाता, तो उसके लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से पूरे राज्य में एक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें चालकों की मराठी भाषा की जांच की जाएगी।

महिला आरक्षण बिल पर देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा..

स्वार्थी राजनीति का नुकसान नारी को उठाना पड़ा

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक के गिरने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने अपने स्वार्थ के चलते इस महत्वपूर्ण विधेयक को पारित नहीं होने दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बिल के गिरने से उन्हें गहरा दुख हुआ है और देश की नारी शक्ति इस पूरी घटना को देख रही है। उनके मुताबिक, यह केवल एक विधेयक का मुद्दा नहीं था, बल्कि महिलाओं के सपनों और उनकी उन्नति से जुड़ा विषय था।

महिला आरक्षण से जुड़े 131वें संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी। सदन में कुल 528 वोट पड़े, जिनमें से 298 वोट इसके पक्ष में आए। जबकि इसे पास होने के लिए 352 वोटों की जरूरत थी। इस तरह 54 वोटों की कमी के कारण विधेयक पारित नहीं हो सका।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब यह विधेयक गिरा, उस समय कुछ विपक्षी दलों के सांसद तालियां बजा रहे थे। उन्होंने इसे महिलाओं के आत्मसम्मान पर चोट बताते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि नारी गरिमा के खिलाफ व्यवहार था। ने देश की सभी महिलाओं से क्षमा याचना करते हुए कहा कि सरकार ने पूरी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। उन्होंने यह भी कहा कि जब दलगत राजनीति, देशहित से ऊपर आ जाती है, तो उसका नुकसान पूरे समाज को उठाना पड़ता है।

राष्ट्र के नाम संबोधन

> "आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया है। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया। हमारे भरसक प्रयास के बावजूद हम सफल नहीं हो पाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन नहीं हो पाया। मैं इसके लिए सभी माताओं बहनों का क्षमाप्रार्थी हूं।
>
> - नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मोदी ने कहा, कल संसद में महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधन का जिन दलों ने विरोध किया, उनसे मैं कहूंगा ये लोग नारी शक्ति को गारंटेड ले रहे हैं। वो भूल रहे है कि 21वीं सदी की नारी हर घटना पर नजर रख रही है। इसीलिए महिला आरक्षण बिल को रोकना का जो पाप किया है, इसकी सजा जरूर मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा, हमारे लिए देशहित सर्वोपरि है। लेकिन जब कुछ लोगों के लिए दलहित सबकुछ हो जाता है। दलहित देशहित से बड़ा हो जाता है तो नारी शक्ति को देशहित को इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। इस बार भी यहीं हुआ। कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल और समाजवादी जैसी पार्टियों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि, नारी शक्ति वंदन संशोधन किसी से कुछ छीनने का नहीं था, नारी शक्ति वंदन संशोधन हर किसी को कुछ न कुछ देने का था। ये 40 साल से लटके हुए नारी के हक को 2029 के लोकसभा चुनाव से उसका हक देने का संशोधन था। पीएम मोदी ने कहा- इसके पास होने से सभी राज्यों की सीटें बढ़ती, लेकिन उन्होंने झूठ फैलाकर उन राज्यों के लोगों के साथ धोखा किया। टीएमसी, डीएमके और सपा सभी ने जनता से खासकर महिलाओं के साथ धोखा किया। सपा ने लोहिया जी के सभी आदर्शों को पैरों तले रौंद दिया, ये यूपी की महिलाएं कभी नहीं भूलेंगी।

राहुल गांधी के निवास तक सीएम रेखा के नेतृत्व में एनडीए महिला सांसदों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पारित नहीं हो पाने के विरोध में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजधानी में प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी के आवास की ओर मार्च निकाला। इस मार्च में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कई महिला सांसद शामिल रहीं। विपक्ष का विरोध कर रही महिला सांसदों व प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला जलाया और अपना विरोध दर्ज कराया। इस बीच स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हस्तक्षेप किया और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान हल्का तनाव भी देखने को मिला। प्रदर्शन के बीच पुलिस ने कार्रवाई करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री आर खड्से, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और सांसद कमलजीत सेहरवाल को हिरासत में ले लिया। हालांकि बाद में स्थिति सामान्य करने के प्रयास जारी रहे। दरअसल, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया था, लेकिन इसे पारित नहीं कराया जा सका।

राहुल गांधी का हमला...

संसद में तमिलनाडु की आवाज दबाना चाहती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि परिसीमन से जुड़े हालिया संसदीय कदम का उद्देश्य संसद में तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को कम करना है। तिरुवल्लूर जिले के पोन्नेरी में जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने इस कदम को दक्षिणी राज्यों को प्रभावित करने वाली व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बताया। क्षेत्रीय चिंताओं का जिक्र कर उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा राज्य की पहचान को निशाना बनने में जुटे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि स्वाभाविक रूप से, वर्षों से मेरा तमिलनाडु के लोगों के साथ रिश्ता रहा है। मेरा जन्म तमिलनाडु में नहीं हुआ है, और मेरा परिवार भी तमिलनाडु से नहीं है, फिर भी मैं खुद को तमिलनाडु का ही मानता हूँ। आरएसएस और भाजपा तमिलनाडु, तमिल भाषा और तमिल संस्कृति को खत्म करने में जुटे हैं। मुझे आश्चर्य होता है कि इन लोगों की हिम्मत कैसे हुई तमिलनाडु की तमिल भाषा और संस्कृति पर हमला करने की।

शुक्रवार को संसद में हुए घटनाक्रम पर राहुल गांधी ने दावा किया कि इस विधेयक के पीछे एक गुप्त उद्देश्य छिपा है। उन्होंने कहा कि कल संसद में उन्होंने एक नया विधेयक पेश किया। उन्होंने इस बिल को महिला विधेयक बताया, लेकिन वह बिल 2023 में ही पारित हो चुका था। लेकिन उस विधेयक के पीछे छिपा एजेंडा परिसीमन करना था। इसका मकसद भारत की संसद में तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व को कम करना और दक्षिणी तथा छोटे राज्यों को कमजोर करना था।

उन्होंने कहा कि भारत राज्यों का संघ है, जहाँ प्रत्येक राज्य को समान स्थान मिलना चाहिए। संघ में प्रत्येक राज्य की आवाज होनी चाहिए और उस अपनी भाषा बोलने और अपनी परंपरा की रक्षा करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। भाजपा के शासन के तरीके की आलोचना कर उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री एक राष्ट्र, एक नेता, एक भाषा, एक जनता की बात करते हैं, तब वे भारत के संविधान पर हमला कर रहे होते हैं।

चुनाव से पहले इंडिया ब्लॉक को बढ़ावा देकर राहुल गांधी ने कहा कि गठबंधन केंद्रीकृत नियंत्रण के किसी भी प्रयास का विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस दिल्ली से तमिलनाडु को नियंत्रित करना चाहते हैं। हम ऐसा कभी नहीं होने देने वाले है।

राहुल गांधी के खिलाफ नहीं दर्ज होगी एफआईआर

हाई कोर्ट ने रोका अपना ही आदेश

प्रयागराज। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दोहरी नागरिकता मामले में एफआईआर नहीं दर्ज होगी। बीते दिन इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर आदेश दर्ज करने का आदेश दिया था, जिस पर उसने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने माना कि राहुल गांधी को बिना नोटिस जारी किए एफआईआर का आदेश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की है।

दरअसल, कर्नाटक में रहने वाले एस. विग्नेश शिशिर ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत गंभीर आरोप लगाए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने याचिका को संज्ञान में लेते हुए शुक्रवार को राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। इस दौरान जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने कहा था कि एफआईआर दर्ज करके मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को परखा

हालांकि शनिवार को आदेश टाइप होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फिर से फैसले को जांचा और परखा। उन्होंने पाया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साल-2014 में एक निर्णय में कहा था कि एफआईआर दर्ज करने की मांग वाले प्रार्थना पत्रों के खारिज होने पर पुनरीक्षण याचिका ही पोषणीय है। ऐसे मामलों में प्रस्तावित आरोपी को नोटिस भेजना जरूरी है। इसको देखते हुए कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। जिसके बाद कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के अपने ही आदेश को रोक दिया।

तीन राज्यों से 4 संदिग्ध गिरफ्तार, बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

-खिलौना कार में आईईडी फिट करने की तैयारी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र, ओडिशा और बिहार से चार संदिग्धों को गिरफ्तार कर एक संभावित आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास से आईईडी और उससे जुड़ा विस्फोटक सामान बरामद हुआ है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोसाइब अहमद, मोहम्मद हम्माद, मोहम्मद सोहेल और शेख इमरान के रूप में हुई है। इनमें दो आरोपी महाराष्ट्र, जबकि एक-एक ओडिशा और बिहार से हैं। जांच में सामने आया कि इनमें से दो आरोपी एक रिमोट कंट्रोल खिलौना कार में आईईडी फिट करने की तैयारी कर रहे थे, जिससे भीड़भाड़ वाले इलाकों में हमला किया जा सके।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि शेख इमरान दिसंबर 2025 में दिल्ली आया था और रेड फोर्ट व इंडिया गेट जैसे प्रमुख स्थानों की रेकी कर चुका था। एजेंसियों के मुताबिक आरोपियों ने अयोध्या के राम मंदिर, संसद भवन और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की योजना पर भी चर्चा की थी। पुलिस के अनुसार आरोपी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय थे। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए जिहाद और हथियारों से जुड़ी सामग्री साझा की जाती थी और नए युवाओं को जोड़ने की कोशिश की जा रही थी। एक आरोपी द्वारा रेड फोर्ट की एडिटेड तस्वीर साझा कर उसमें काला झंडा दिखाना भी सामने आया है, जिससे लोगों को भड़काने का प्रयास किया गया।

जांच में यह भी पता चला कि मोसाइब अहमद पहले खाड़ी देशों में ऑटो इलेक्ट्रीशियन के रूप में काम कर चुका है और उसी तकनीकी जानकारी का उपयोग आईईडी बनाने में कर रहा था। वहीं अन्य आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार और फंड जुटाने में लगे थे। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस साजिश के पीछे और कौन लोग शामिल हैं।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री अरोड़ा के घर व अन्य ठिकानों पर 26 घंटे से ईडी की कार्यवाही जारी

चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के घर और व्यापारिक ठिकानों पर ईडी की छापेमारी शुक्रवार सुबह से जारी है, जिसे करीब 26 घंटे हो चुके हैं। जानकारी के मुताबिक यह छापेमारी जिला लुधियाना, जालंधर, गुरुग्राम और चंडीगढ़ समेत कुल 13 ठिकानों पर की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक लुधियाना के गुरदेव नगर स्थित मंत्री के घर के बाहर केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात हैं, जबकि ईडी के अधिकारी अंदर जांच कर रहे हैं। इस दौरान घर में किसी भी तरह की आवाजाही पर रोक है। छापेमारी में कई अहम दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप और डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली स्थित सरकारी आवास, निजी घर, कंपनी के दफ्तरों और करीबियों के ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है।

सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती...5 हथियारबंद बदमाश 15 करोड़ का सोना ले भागे

सिंगरौली । मध्यप्रदेश के सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती का मामला सामने आया है। सिंगरौली के बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में शुक्रवार दोपहर 5 हथियारबंद बदमाश घुसे। फायरिंग कर करीब 9-10 किलो सोना और 20 लाख कैश लेकर फरार हो गए। सोने की कीमत करीब 15 करोड़ आंकी गई है।

जानकारी के मुताबिक, लूटा गया सोना ग्राहकों का था, जिसे बैंक ने गिरवी रखकर लोन जारी किया था। सोना एक ही लॉकर में रखा गया था, इसी लॉकर को बदमाशों ने निशाना बनाया। आरोपी पिट्ठू बैग के साथ एक बड़ा कपड़े का थैला लेकर आए थे। उसी थैले में सारा माल भरकर फरार हो गए।

चश्मदीद ने बताया कि जब वह अपनी पत्नी के साथ बैंक में काम करा रहे थे, तभी अचानक दो हथियारबंद बदमाश अंदर दाखिल हुए। उन्होंने तुरंत बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इसके कुछ ही मिनटों बाद तीन और हथियारबंद साथी अंदर पहुंचे। पूरे बैंक को अपने कब्जे में ले लिया। बदमाशों ने वहां मौजूद ग्राहकों और कर्मचारियों पर बंदूक तान दी, जिससे बैंक परिसर में चीख-पुकार मच गई।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव, फायरिंग के बीच दो भारतीय जहाज लौटे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया के रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य में शनिवार को हालात अचानक तनावपूर्ण हो गए। इस्लामिक रेवुलेशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा एक टैंकर पर की गई फायरिंग के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई, जिसका असर भारतीय जहाजों पर भी पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकारी सूत्रों ने बताया, कि इस घटना के बाद वहां मौजूद दो भारतीय जहाजों को सुरक्षा कारणों से बीच रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। इनमें से एक भारतीय ध्वज वाला जहाज करीब 20 लाख बैरल तेल लेकर चला था। अचानक उत्पन्न खतरे के चलते जहाजों को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। इस अप्रत्याशित तौर पर हुई घटना के बाद भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए ईरान के राजदूत को तलब किया है। इस दौरान भारत ने अपने जहाजों और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

संसद के दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, इस सत्र में कुल 31 बैठकें हुई

सदन की कार्यवाही 151 घंटे 42 मिनट तक चली, कार्य उत्पादकता 93 फीसदी रही

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके साथ ही संसद का बजट सत्र समाप्त हो गया, जो इस साल 28 जनवरी को शुरू हुआ था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन को बताया कि इस सत्र में कुल 31 बैठकें हुईं और सदन की कार्यवाही 151 घंटे 42 मिनट तक चली। उन्होंने कहा कि इस सत्र में कार्य उत्पादकता 93 फीसदी रहा। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य दलों के प्रमुख नेता सदन में मौजूद थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले यह सत्र दो अप्रैल को संपन्न होना था, लेकिन महिला आरक्षण से संबंधित 'संविधान संशोधन विधेयक 2026' विधेयक और इससे संबंधित दो अन्य विधेयकों पर चर्चा करने और इन्हें पारित कराने के मकसद से सत्र को बढ़ा दिया गया और 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिन की विशेष बैठक बुलाई गई थी। यह संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाया।

विधेयक पर हुए मत विभाजन में इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। विधेयक पर मत विभाजन में 528 सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस विधेयक को पारित करने के लिए 352 सदस्यों के समर्थन की जरुरत थी।

रिपोर्ट के मुताबिक स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि इस सत्र में कुल 12 सरकारी विधेयक पेश किए गए और नौ पारित किए गए। पारित किए गए वित्त विधेयकों में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन संशोधन विधेयक और जन विश्वास संशोधन विधेयक प्रमुख है। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने उच्च सदन के 270वें सत्र को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में कहा कि संसद के तीनों सत्रों में बजट सत्र का विशेष महत्व होता है, क्योंकि यह न केवल सबसे लंबा सत्र होता है, बल्कि देश के विकास की दिशा तय करने में भी सबसे ज्यादा अहम भूमिका निभाता है।

इसके अलावा सदन में सरकार के दो प्रमुख मंत्रालयों के कामकाज पर भी चर्चा हुई। सभापति ने कहा कि सत्र में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर अपनी ओर से वक्तव्य दिए। वहीं, पीमए मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे भारत की ऊर्जा जरूरतों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में सदन को अवगत कराया और इस चुनौती से निपटने के लिए राष्ट्रीय एकजुटता पर जोर दिया।

मोदी मंत्रिमंडल की कैबिनेट बैठक में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मिली गुड न्यूज

सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल ने महंगाई भत्ता (डीए) में 2 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी

नई दिल्ली। मोदी मंत्रिमंडल की कैबिनेट बैठक के बाद सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) में 2 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। महंगाई भत्ता मुद्रास्फीति से जुड़ा हुआ है और साल में दो बार, आमतौर पर जनवरी और जुलाई में, इसमें संशोधन होता है। इसकी गणना औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर होती है, जिसे श्रम मंत्रालय के अधीन श्रम ब्यूरो द्वारा हर महीने जारी किया जाता है।

हालांकि, इस बार घोषणा में देरी हुई। केंद्रीय सरकारी कर्मचारी एवं श्रमिक संघ (सीसीजीईडब्ल्यू) ने चिंता जताकर कहा कि आमतौर पर वृद्धि की घोषणा सितंबर के अंत में होती हैं, और बकाया राशि का भुगतान अक्टूबर की शुरुआत में होता है। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन न करने पर विपक्ष की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने विधेयक का समर्थन न करके गंभीर गलती की है और भविष्य में विपक्षी दलों को इसका राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का रुख महिलाओं के प्रति नकारात्मक मानसिकता को दिखाता है और इस पर बल दिया कि यह संदेश देश के हर गांव तक पहुंचना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विपक्षी दल अब विधेयक का विरोध करने के बाद अपने रुख को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रभावी रूप से देश की महिलाओं को पराजित किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 13,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ संप्रभु समुद्री कोष के गठन को भी मंजूरी दी। इस कोष का उद्देश्य भारतीय ध्वज वाले जहाजों के साथ-साथ भारत से आने-जाने वाले जहाजों के लिए स्थिर और किफायती बीमा कवरेज प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) को 2028 तक विस्तारित करने की मंजूरी दी, जिसमें 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया गया है।

कुछ ना कहना

आज जिले भर में धार्मिक मान्यताओं के साथ मनाया जाएगा अक्षय तृतीया पर्व

मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए घरों सहित मंदिरों में पूजे जाएगे कलश, सुख समृद्धि ऐश्वर्य सहित मनोकामना की मागी जाएगी मन्नते

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

हिन्दू धार्मिक मान्यता के अनुसार वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है। इसी अक्षय तृतीया पर भगवान परसुराम का जन्म हुआ था। अक्षय तृतीया का दिन अन्य दिनो से शुभ व विशेष मूर्हत वाला दिन माना गया है।शायद यही वजह हैं की शादी, ब्याह, ग्रह प्रवेश, सोना चाँदी, जमीन जायजाद खरीदी सहित अन्य ज्यादातर शुभ कार्यों की शुरूआत अक्षय तृतीया के दिन से की जाती है।इस शुभ अवसर पर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में अक्षय तृतीया का पर्व 19 अप्रैल दिन रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जहां पर्व विशेष को लेकर बाजार गुलजार नजर आ रहा है तो वही हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा मन्दिरो और घरो में अक्षय कलश की विशेष पूजा करने के लिए बाजारों से मिट्टी के कलश व अन्य आवश्यक सामग्रियों की खरीदी की जा रही है। बताया जा रहा है कि अक्षय तृतीया पर विशेष पूजा अर्चना कर हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा सामाजिक यश, सौभाग्य, सुख, समृद्धि, स्वस्थ्य जीवन आदि की मंगलकामनाएं की जाएगी।

शुभ दिनों में शुमार है अक्षय तृतीया

हिंदू मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया का दिन सबसे शुभ दिनों में से एक माना जाता है,अक्षय तृतीया एक संस्कृत शब्द है, अक्षय का अर्थ है शाश्वत, सुख, सफलता और आनंद की कभी कम न होने वाली भावना और तृतीया का अर्थ है तीसरा।इस साल अक्षय तृतीया 19 अप्रैल दिन रविवार को मनाया जाएगा। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने से आने वाले भविष्य में सुख-समृद्धि और अधिक धन की प्राप्ति हो सकती है। इसलिए इस दिन ज्यादातर लोग सोने की खरीदारी करते हैं।ऐसा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति भी होती है।शायद यही वजह है कि अक्षय तृतीया पर्व के पावन अवसर को देखते हुए बाजार गुलजार नजर आ रहे है और लोग सोने चांदी के आभूषण सहित विभिन्न सामग्रियों की खरीदी करने की तैयारियों में जुट चुके है। इस पर्व विशेष की तैयारियों को लेकर बाजार में सुबह से लेकर देर शाम तक भारी भीड़ नजर आ रही है।

भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का हुआ था जन्म

पौराणिक कथाओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन त्रेतायुग का आरंभ हुआ था।इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी जी की विशेष पूजा की जाती है। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का जन्म हुआ था।इसलिए इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाया जाता है।कहा जाता है अक्षय तृतीया पर दान करने का विशेष महत्व है।इस दिन दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन के सभी सकंट दूर हो जाते है।

अक्षय तृतीया पर मूर्हत देखने की जरूरत नही पड़ती

बताया जा रहा है कि वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कोई भी शुभ कार्य करने के लिए मूहर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती। अक्षय तृतीया अपने आप में महामुहूर्त माना जाता है। हिंदू धर्म के तीन महामुहूर्तों में माघ शुक्ल पंचमी पर मनाई जाने वाली वसंत पंचमी, कार्तिक शुक्ल एकादशी को होने वाली तुलसी पूजा यानी देवउठनी एकादशी तथा वैशाख शुक्ल तृतीया यानी अक्षय तृतीया पर बिना पंडितों से पूछे कोई भी शुभ संस्कार संपन्न किया जा सकता है।

मांगलिक कार्यो के लिए है शुभ दिन

नगर में अक्षय तृतीया की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। अक्षय तृतीया का दिन सभी शुभ कार्यों के लिए विशेष शुभ माना गया है। इसमें खरीदारी सहित सभी प्रकार के शुभ कार्य करना अत्यंत फलदायी माना गया है। वैसे तो पूरे साल में यह दिन स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है। कहा जाता है कि इसमें किए गए कार्य अक्षय फलदायी होते हैं। ऐसे में इस अक्षय मुहूर्त के दिन ग्रह, नक्षत्रों के कई शुभ योग इसकी शुभता को और बढ़ाएंगे। वार, ग्रह नक्षत्रों के मेल से इस दिन कई शुभ योग बन रहे हैं। ऐसे में यह दिन खरीदारी के लिए भी विशेष शुभ होगा। इस स्वयंसिद्ध मुहूर्त पर कई लोग मांगलिक कार्य भी करेंगे।

आज नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी भगवान परशुराम की जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अक्षय तृतीय भगवान परशुराम जयंती इस वर्ष 19 अप्रैल को मनाई जाएंगी। इस अवसर पर समाज संगठन द्वारा भगवान परशुराम जयंती भव्य रूप से मनाने तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं जहा पर्व विशेष पर विभिन्न आयोजन होंगे।इस संबंध में पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी व महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती आरती शर्मा ने बताया कि 19 अप्रैल को सुबह 9 बजे शहर के गोंदिया रोड स्थित नये श्रीराम मंदिर में भगवान श्री परशुराम जी की पूजा अर्चना कर हवन पूजन किया जाएगा। शाम 5 बजे से भव्य शोभायात्रा नये श्रीराम मंदिर से निकाली जावेगी। जो नगर के प्रमुख मार्गों भ्रमण करते हुये वापस मंदिर में संपन्न होगी।शोभायात्रा में भगवान परशुराम सहित अन्य झाँकियां शामिल रहेगी। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा समाप्ति के बाद भटेरा रोड स्थित एक होटल में महाप्रसादी व स्नेहभोज का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम में पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा के पदाधिकारी व समस्त सदस्यों ने स्वजातीयजनों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

माँ त्रिपुरा मंदिर में भी सर्व ब्राम्हण समाज द्वारा आयोजित किए जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम

उधर सर्व ब्राम्हण समाज द्वारा भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव 19 अप्रैल, रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने सभी सामाजिक बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।जिला सर्व ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष राजेश पाठक एवं जिला महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती संध्या दीक्षित ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि भगवान परशुराम जी हम सभी के आराध्य देव हैं, जिनका जन्मोत्सव हर वर्ष बड़े ही श्रद्धा भाव से मनाया जाता है। इस वर्ष भी आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं।उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल को प्रात: 9 बजे जय स्तंभ चौक स्थित माँ त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां भगवान परशुराम जी की प्रतिमा विराजमान है। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना से होगी, जिसके बाद विधि-विधान में हवन किया जाएगा। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालु भगवान से सुख-समृद्धि और समाज के कल्याण की कामना करेंगे।आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और समरसता का भी प्रतीक है। इसमें समाज के सभी वर्गों—गुरुजन, मातृशक्ति, बहनों, छोटे-बड़े भाइयों एवं समस्त सामाजिक बंधुओं को आमंत्रित किया गया है। सभी से आग्रह किया गया है कि वे अपने परिवार सहित उपस्थित होकर इस पुनीत अवसर का लाभ उठाएं।पूजा एवं हवन के पश्चात महाप्रसाद (भोजन) का भी आयोजन किया गया है, जिसमें सभी श्रद्धालु एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजकों के अनुसार, इस प्रकार के धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समाज को जोड़ने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।अध्यक्ष राजेश पाठक ने बताया कि भगवान परशुराम जी का जीवन हमें धर्म, न्याय और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वहीं, श्रीमती संध्या दीक्षित ने मातृशक्ति से विशेष रूप से कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

थानेगाँव के पास दो बाइकों में भीषण भिड़ंत, एक गंभीर आरोपी चालक फ्रार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत थानेगाँव के समीप एक तेज रफ्तार बाइक के द्वारा ओवरटेक करने के चक्कर में दो दोपहिया वाहनों की आमने सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आई हैं जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला

चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। वहीं घटना के बाद एक वाहन का चालक मौके पर ही अपनी बाइक छोड़कर फ्रार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोथुरना निवासी सेवाराम इडपाचे अपने १० वर्षीय पुत्र आरजू इडपाचे के साथ बाइक पर सवार होकर ग्राम पाथरी स्थित अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। वे अपने साथ गेहूं और चना लेकर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक थानेगाँव के पास नाले के समीप गोलाई मोड़ पर पहुँची तभी वारासिवनी से थानेगाँव की ओर जा रहे एक अन्य बाइक सवार ने लापरवाही पूर्वक ओवरटेक करने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों बाइकों की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में सेवाराम इडपाचे को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय राहगीरों की मदद से उन्हें तुरंत निजी वाहन के द्वारा वारासिवनी सिविल अस्पताल पहुँचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार तो किया लेकिन चोटों की गंभीरता को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार इस घटना में दूसरे घायल का नाम लोकेश शिवहरे २० वर्ष निवासी खैरलांजी बताया जा रहा है।

पुलिस ने वाहन किए जब्त जाँच शुरू

टक्कर मारने वाला चालक घटना के बाद अपनी बाइक मौके पर ही छोड़कर भागने में सफल रहा। हादसे का शिकार हुए वाहनों के नंबर एम पी ५० के जेड २८९२ और एम पी ३८ जेड बी ७८८८ हैं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों वाहनों को जब्त कर थाने पहुँचा दिया है।

शराबबंदी का विरोध कर रही महिलाओं को दी गालियां, फिर फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरबोड़ी में 40 वर्षीय ताराचंद पिता प्रीतम सिंह परते ने अपने घर के कोठे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना 17 अप्रैल की रात्रि 10:30 बजे करीब। घटना के बक्त ताराचंद की पत्नी सुखवंती गांव में ही एक शादी समारोह में गई हुई थी। लामता पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सुख दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ताराचंद और उसकी पत्नी सुखवंती खेती-किसानी करते थे। ताराचंद को शराब पीने की लत थी। ग्राम डोंगरबोड़ी में ग्रामीण महिलाओं ने शराबबंदी को हुई है। 17 अप्रैल की रात नशे में धुत ताराचंद ने शराबबंदी करने वाली महिला समूह को गालियां दीं। इसके बाद अपने घर के सामने बने कोठे की बाली से फांसी लगा ली। जब पत्नी सुखवंती शादी से लौटी तो पति को फांसी पर लटका पाया। तब तक ताराचंद की मौत हो चुकी थी।बताया गया कि ताराचंद अत्यधिक शराब पीता था और नशे में घर का सामान तक बेच देता था। पत्नी सुखवंती के मना करने पर वह मारपीट भी करता था। 37 वर्षीय सुखवंती की रिपोर्ट पर लामता पुलिस मौके पर पहुंची। सहायक उप निरीक्षक ईगल मरकाम ने घटनास्थल की कार्रवाई की। 18 अप्रैल को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शराब के नशे में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है।

प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले होनहार विद्यार्थियों का किया गया सम्मान

प्रदेश की प्रावीण्य सूची में सबसे अधिक बालाघाट जिले के 45 छात्र-छात्राओं ने बनाया है स्थान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल की हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा-2026 का परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल को घोषित किया गया है। बोर्ड परीक्षा की राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में बालाघाट जिले के 45 छात्र-छात्राओं ने अपना स्थान बनाकर बालाघाट जिले को गौरवान्वित किया है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में बालाघाट एकमात्र ऐसा जिला है जिसके सबसे अधिक 45 छात्र-छात्राओं ने प्रावीण्य सूची में स्थान बनाया है। प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले इन होनहार विद्यार्थियों का 18 अप्रैल को कलेक्ट्रेट कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में सभी 45 छात्र-छात्राओं को कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान किया। कार्यक्रम में जिले को गौरवान्वित करने वाले इन छात्र-छात्राओं का हार पहनाकर कर स्वागत किया गया और उनका मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के साथ उनके विद्यालय के शिक्षक एवं अभिभावक भी उपस्थित थे।

कलेक्टर मृणाल मीना ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस सफलता को हासिल करने में छात्र-छात्राओं की मेहनत के साथ उनके शिक्षकों का परिश्रम और माता-पिता का प्रोत्साहन शामिल है। कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार परीक्षा परिणाम के लिए उन्होंने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि वे इस सफलता को आगे की कक्षाओं में भी बरकरार रखेंगे। उनकी इस सफलता से अन्य बच्चों को भी अच्छी पढ़ाई कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि प्रतियोगिता के इस दौर में वे अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल करने के बाद उसे निरंतर बनाए रखना चुनौती पूर्ण कार्य होता है। अथक परिश्रम से ही इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों के अभिभावकों से कहा कि वे बच्चों पर अपेक्षाओं का बोझ ना डालें, बल्कि उन्हें निरंतर अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने इस अवसर पर बताया कि कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा नियमित रूप से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए समीक्षा की जाती रही है और परीक्षा परिणाम बेहतर लाने के निर्देश दिए जाते थे। जिले की शालाओं में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उनके द्वारा तत्परता से प्रयास किए गए हैं। शाला में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की गई। उनके निरंतर मार्गदर्शन में बालाघाट जिले के शिक्षकों ने निरंतर अच्छा काम किया है, जिसके कारण बालाघाट जिले का बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम बहुत अच्छा आया है। उन्होंने बताया कि जो बच्चे इन परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण हो गये हैं उन्हें एकेडमिक मार्गदर्शन देने के लिए टाइम-टेबल बनाया गया है और उनकी 05 मई तक कक्षाएं लगाई जाएंगी।

जिले की बालिकाओं ने लहराया परचम,34 बालिकाए प्रावीण्य सूची में शामिल

कार्यक्रम में उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के प्राचार्य श्री शरद ज्योतिषी ने बताया कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में बालाघाट जिले के कुल 45 छात्र-छात्राओं ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाया है। कक्षा 10 वीं के 37 एवं कक्षा 12 वीं के 08 विद्यार्थी हैं। इसमें 34 बालिकाएं और 11 बालक हैं। बालाघाट जिला मध्यप्रदेश राज्य का सर्वाधिक स्त्री-पुरुष लिंगानुपात वाला जिला है यहां पर 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 1021 है। बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में बालिकाओं की संख्या में भी यह परिलक्षित हो रहा है। बालाघाट जिले का कक्षा 10 वीं का परिणाम 87.19 प्रतिशत और कक्षा 12 वीं का परिणाम 86.67 प्रतिशत रहा है।

हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2026 में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतेरा की कु. अक्षरा घोडेश्वर ने 500 में से 498 अंक लेकर दूसरा स्थान, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसवाडाघाट के शिवम बोपचे ने 497 अंक लेकर तीसरा स्थान, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम की कु. भूमि बिसेने ने 496 अंक लेकर चौथा स्थान, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बल्हारपुर के दिव्यांश चाबके एवं सांदीपनि विद्यालय बालाघाट की नैना तिल्हारे ने 495 अंक लेकर पांचवा स्थान, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर के निश्चय राणा एवं कु. डेजी बिसेने तथा शासकीय हाईस्कूल टेकाडी की कु. निधी पुंड, शासकीय हाई स्कूल सारद सिवनी की कुमारी पल्लवी बांते व सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के रेवांश चौरागडे ने 494 अंक लेकर छटवाँ स्थान प्राप्त किया है।

इसी तरह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेरी की जागृति तिल्हारे, हायर सेकेण्डरी विद्यालय जाम के विनायक ठाकरे, नवीन हाईस्कूल रिसेवाडा के रौनक बागडे, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लेण्डेझरी के पियुष टेभरे, सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के अनंत पंचेश्वर, कु. अंशिका गंगभोज ने 493 अंक लेकर 07वां स्थान, एमसीएस स्कूल बालाघाट की कु. दिशा गौतम, सार्थक पब्लिक स्कूल किरनापुर की कु. विशाखा बापूरे, बालाघाट पब्लिक स्कूल नर्मदा नगर के ललित पारधी, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसवाडाघाट की तनवी नगपुरे ने 492 अंक लेकर आठवां स्थान, एमसीएस स्कूल बालाघाट की कु. शिवांगी पाण्डे, सरस्वती शिशु मंदिर किरनापुर की कु. रागिनी पटले, हायर सेकेण्डरी स्कूल आलेझरी की कु. मनु काटनकर, हाईस्कूल कोसुम्बा के डेविड उचबगले, हाईस्कूल टेकाडी की कु. वाणी सोनी, नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगझरी की कु. पीहू परीमल, उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट की कु. हीना ठाकरे, वीरांगना रानी दुर्गावती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट की कु. यामिनी शरणागत, कु. हिमांशी कुथे ने 491 अंक लेकर 09वां स्थान, केशव इंग्लिश हाईस्कूल वारासिवनी की कु. प्रीत राणा, आईडियल पब्लिक स्कूल वारासिवनी की कु. माही सुलाखे, सांदीपनि स्कूल रजेगांव की कु. स्मृति कावरे, बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल लालबर्रा की कु. अंशु राहेगाडले, कु. माही राहेगाडले, सांदीपनि स्कूल बालाघाट की कु. निशा तिलासे, कु. श्वेता बाटे, कु. देवांशी देशमुख ने 490 अंक लेकर 10वां स्थान प्राप्त किया है।

12वीं हायर सेकेण्डरी परीक्षा में कला समूह से शिवम अवधिया हायर सेकेण्डरी स्कूल बल्हारपुर ने 500 में से 482 तथा गणित समूह की कु. भावना पटले कन्या उच्चतर हायर सेकेण्डरी कटंगी ने 500 में से 485 अंक हासिल कर 08वाँ स्थान, वाणिज्य समूह के आर्य गिरी गोस्वामी नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माटे ने 481 अंक प्राप्त कर 10वाँ, कृषि समूह से स्वाति उइके एवं मृणाली ठवरे हायर सेकेण्डरी झालीवाडा ने 484 अंक प्राप्त कर 05वाँ स्थान, जीव विज्ञान समूह से कु. स्तुति जैन वैदिक कान्वेंट इंग्लिश मीडियम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्रा ने 489 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान एवं इसी स्कूल की कु. आश्विनी पारासे ने 483 अंक प्राप्त कर 09वाँ स्थान, अदिती तिवारी उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट ने 500 में से 482 अंक प्राप्त कर 10वाँ स्थान प्राप्त किया है।

शिक्षिका शकुन नगपुरे की कक्षा के 05 बच्चे प्रावीण्य सूची में शामिल

प्रदेश की कक्षा 10 वीं की प्रावीण्य सूची में बालाघाट जिले के 37 छात्र-छात्राओं ने स्थान बनाया है। इसमें सांदीपनि विद्यालय बालाघाट की कक्षा 10 की कक्षा शिक्षिका श्रीमती शकुन नगपुरे की कक्षा के 05 विद्यार्थी शामिल हैं।इन बच्चों की सफलता में शिक्षिका शकुन नगपुरे का परिश्रम भी शामिल है जो अन्य शिक्षिकों के लिए प्रेरणादायी है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0002/ड-154/2026-27
मौजा बोरी, रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका इन्द्राबाई पति रामप्रसाद कुमरे जाति पारधान, निवासी ग्राम बोरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट, हाल मुकाम बम्हनी बंजर तहसील बम्हनी, जिला मंडला द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बोरी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता रतिराम पिता चन्दर का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 17.03.2014 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बोरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 22.04.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 19.04.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मंयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बालाघाट में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एलपीजी आपूर्ति की कलेक्टर ने की समीक्षा

कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 18 अप्रैल 2026 को कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) एवं एलपीजी

आपूर्ति व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में गैस आपूर्ति से संबंधित व्यवस्थाओं और प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर मृणाल मीना ने बैठक में मेघा गैस लिमिटेड के नोडल अधिकारी को निर्देश दिए कि वे वरिष्ठ स्तर पर समन्वय स्थापित कर शीघ्र आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त करें और जिले में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कार्य शुरू करने की प्रक्रिया को तेज करें। साथ ही उन्होंने सिविल वर्क सहित आगामी कार्यों के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रशासन को अवगत कराने के निर्देश भी दिए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन के लिए जिला स्तरीय निगरानी समिति का गठन 17 फरवरी 2026 को किया जा चुका है। समिति द्वारा समय-समय पर बैठक कर इस योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। बैठक में बताया गया कि बालाघाट जिले में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन के कार्य के लिए मेघा गैस लिमिटेड को नामांकित किया गया है तथा इसके लिए जिला नोडल अधिकारी के रूप में श्री आशुतोष शर्मा अधिकृत हैं। हालांकि, अभी तक जिले में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण कार्य की शुरुआत नहीं हो सकी है। एजेंसी की ओर से बताया गया कि सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन को लेकर वरिष्ठ स्तर से अभी तक आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं, जिसके कारण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। वर्तमान में जिले में नेशनल हाईवे पर स्थित बालाघाट तहसील क्षेत्र में एक सीएनजी फिलिंग स्टेशन संचालित हो रहा है। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी आर के ठाकुर एवं मेघा एजेंसी के नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के नाम पर वसूली का आरोप, राइस मिलर्स ने अधिकारी को घेरकर कलेक्ट्रेट लाया

निरीक्षण के समय बढ़ा विवाद, 20 हजार रुपये मांगने का आरोप, कार्रवाई नहीं होने पर मिलर्स ने दी काम बंद करने की चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी नीरज विश्वकर्मा पर राइस मिलर्स द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप उस समय सामने आए जब नीरज विश्वकर्मा अपने क्षेत्राधिकार की एक राइस मिल में खाद्यान्न का निरीक्षण करने पहुंचे थे। मिलर्स का कहना है कि अधिकारी कार्रवाई के नाम पर उनसे हजारों रुपये की मांग करते हैं। उनका आरोप है कि चाहे मिल में कोई त्रुटि हो या न हो, अधिकारी सीधे पैसों की मांग करते हैं और रकम न देने पर नियमों के विपरीत कार्रवाई की चेतावनी देते हैं। इसी मामले को लेकर 18 अप्रैल को वारासिवनी क्षेत्र में राइस मिलर्स और खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी के बीच विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते यह विवाद तूल पकड़ गया । व्यापारियों ने कथित रूप से पैसे मांगने के विरोध में अधिकारी को पकड़ लिया और पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाते हुए उन्हें कलेक्टर कार्यालय ले आए। हालांकि कलेक्टर के कार्यालय में मौजूद नहीं रहने के कारण उन्होंने इस मामले की शिकायत कलेक्टर सहित संबंधित विभाग से करने की बात कही। इस दौरान कलेक्टर कार्यालय परिसर में व्यापारियों ने विभाग और संबंधित अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी भी की।

जिले में राइस मिलिंग भुगतान को लेकर पहले से चल रहे विवाद के बीच अब एक नया और सनसनीखेज मामला सामने आया है। वारासिवनी क्षेत्र में राइस मिलर्स ने खाद्य एवं औषधि विभाग के एक अधिकारी पर निरीक्षण के नाम पर अवैध वसूली और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि अधिकारी ने मिल की जांच के दौरान 20 हजार रुपये

की मांग की। घटना के बाद आक्रोशित मिलर्स एकजुट हो गए और संबंधित अधिकारी को पकड़कर सीधे कलेक्ट्रेट कार्यालय ले पहुंचे, जहां काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। लालखर्रा के खमरिया स्थित सिद्धि विनायक राइस मिल के संचालक श्रीसन गढ़े ने बताया कि शनिवार को एक व्यक्ति अपने सहयोगी के साथ निजी वाहन से मिल परिसर पहुंचा। उसने खुद को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग का अधिकारी नीरज विश्वकर्मा बताया और मिल का निरीक्षण किया। संचालक के मुताबिक, निरीक्षण के दौरान मिल में कोई बड़ी खामी नहीं मिली, लेकिन बाद में मकड़ी के जाले का हवाला देकर कार्रवाई की बात कही गई और 20 हजार रुपये की मांग रखी गई। संचालक ने जब संबंधित व्यक्ति से उसके पद की पुष्टि के लिए पहचान पत्र और दस्तावेज मांगे, तो वह कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद मामले की सूचना अन्य राइस मिल संचालकों और संगठन को दी गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में मिलर्स मौके पर पहुंचे और उक्त व्यक्ति को अपने साथ कलेक्ट्रेट ले आ गये। कलेक्टर के कार्यालय में मौजूद नहीं रहने के कारण उन्होंने इस मामले की शिकायत कलेक्टर सहित संबंधित विभाग से करने की बात कही। राइस मिलर्स संगठन के पदाधिकारी आनंद ठाकरे, मोनू भगत सहित अन्य ने आरोप लगाया कि यह व्यक्ति क्षेत्र की कई मिलों में निरीक्षण के नाम पर पहुंचता है और छोटी-छोटी कमियों का हवाला देकर 20 हजार या उससे अधिक रकम की मांग करता है। पैसे नहीं देने पर कार्रवाई करने, लाइसेंस निरस्त कराने और कानूनी दबाव बनाने की धमकी दी जाती है। मिलर्स ने यह भी बताया कि जिले की अधिकांश राइस मिलें महिलाओं के नाम पर संचालित हैं। ऐसे में संबंधित अधिकारी महिलाओं पर अनावश्यक दबाव बनाकर उन्हें कार्यस्थल पर उपस्थित रहने और संचालन देखने की बात कहकर डराता-धमकाता है। इस पूरे घटनाक्रम से नाराज मिलर्स ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे राइस मिलिंग का कार्य बंद रखेंगे।

सभी आरोप निराधार हैं-नीरज विश्वकर्मा

खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारी नीरज विश्वकर्मा ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह गलत और निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्राधिकार में नियमानुसार सैंपलिंग और निरीक्षण की कार्रवाई करते हैं। लालबर्रा और परसवाड़ा क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कुछ मिलर्स द्वारा उन पर झूठे आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके साथ एक निजी सहयोगी रहता है, जो केवल सहयोग करता है और किसी भी शासकीय कार्य में हस्तक्षेप नहीं करता।

पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी-परेश उपलव

इस पूरे मामले को लेकर मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी परेश उपलव ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी प्राप्त हो चुकी है। फिलहाल वे जिले से बाहर हैं, लेकिन जल्द ही एक जांच टीम गठित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार

बालाघाट ने नेशनल तक बनाई पहचान

जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता सम्पन्न, 182 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए चयनित किए गए खिलाड़ी,नेशनल कराते प्रतियोगिता के लिए मप्र से गया बालाघाट का नाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इंडियन कराटे संघ, और मप्र स्पोर्ट्स एसोसिएशन के निर्देशन रविवार को नगर के मुलना स्टेडियम कराटे हाल में जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला कारपोरेशन एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के कटंगी, तिरोड़ी, बालाघाट और वारासिवनी क्षेत्र सहित अन्य ब्लाकों से आए करीब 182 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया।जहा उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।बताया गया कि चयनित खिलाड़ियों को 1 से 3 मई तक इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिलेगा।खेल प्रतिभाओं को मंच देने और युवाओं में आत्मविश्वास जगाने के उद्देश्य से आयोजित जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का देर शनिवार देर शाम समापन हुआ। प्रतियोगिता में जिले भर से आए 182 से अधिक बालक-बालिकाओं ने भाग लेकर अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। छोटे-छोटे खिलाड़ियों के जोश, अनुशासन और तकनीकी कौशल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न आयु वर्गों और भार वर्गों में मुकाबले हुए, जिसमें खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए। आयोजन समिति के अनुसार, इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को पहचान देना और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए किया गया है। चयनित खिलाड़ी अब जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

खेलों के प्रति बढ़ रहा रुझान

आयोजकों द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है और वे अनुशासन, आत्मरक्षा और आत्मविश्वास जैसे गुण सीखते हैं। अभिभावकों और कोचों ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।आयोजन के अंत में विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी ऐसे प्रतियोगिताओं का आयोजन कर खिलाड़ियों को और अधिक अवसर प्रदान किए जाएंगे।

नेशनल प्रतियोगिता के लिए गया बालाघाट का नाम

गौरतलब है कि इसके पूर्व आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के 22 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिए किया गया था।जहा मध्यप्रदेश की टीम में शामिल होकर बालाघाट के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और जिले का नाम देशभर में रोशन किया। यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व का विषय है और अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन रही है।आयोजकों द्वारा बताया गया कि इंदौर प्रतियोगिता के बाद देहरादून में नेशनल स्तर की प्रतियोगिता होनी है,जिसमें जिले के खिलाड़ियों का चयन होने की उन्हें पूरी उम्मीद है। साथ ही उन्होंने बताया कि आगामी समय में राष्ट्र स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन होना है उसके लिए मध्य प्रदेश से बालाघाट का नाम गया है, यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो सम्भवतः आगामी राष्ट्र स्तरीय कराटे प्रतियोगिता बालाघाट में खेली जाएगी।

खिलाड़ियों और कोच को किया गया सम्मानित

प्रतियोगिता के पूर्व सुबह 11 उद्घाटन समारोह में जिला अध्यक्ष तपेश असाटी, मुख्य अतिथि के रूप में ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष राजेश पाठक, अधुनी उपाध्याय जिला शिक्षा अधिकारी, युवराज राहंगडाले प्राचार्य सांदीपनी स्कूल, शरद ज्योतिषी प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय, पार्श्वेंद्र पारधी अध्यक्ष जिला बास्केटबॉल संघ, विपिन अग्रवाल जीएसटी अधिकारी, संदीप सौगादे, सौरभ हरिनखेडे डायरेक्टर रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट टाइगर, अभिषेक पांडे डायरेक्टर अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट टाइगर, संरक्षक देवेंद्र सिंह चंदेल, सचिव दिनेश कोरे, कोषाध्यक्ष रूपेंद्र बनकर, सहसचिव रूपल गौतम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।वही समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रमेश रंगलानी पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, श्रीमती मौसम हरिनखेडे सदस्य अल्पसंख्यक आयोग मध्य प्रदेश,और आशीष मिश्रा आदि के द्वारा खिलाड़ियों एवं कोचों को सम्मानित किया गया।

लवजिहाद व धर्मांतरण के विरोध में सड़कों पर उतरे संगठन, काली पुतली चौक पर पुतला दहन

नासिक, अमरावती व बालाघाट के मामलों को लेकर जताया आक्रोश, निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में शनिवार को लव जिहाद और धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर विभिन्न हिंदू संगठनों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। काली पुतली चौक पर आयोजित इस प्रदर्शन में बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद सहित बड़ी संख्या में सनातन धर्मावलंबी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सांकेतिक रूप से पुतला दहन कर अपनी नाराजगी व्यक्त की और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने महाराष्ट्र के नासिक, अमरावती और बालाघाट जिले में सामने आए कथित मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज में असुरक्षा और अविश्वास का वातावरण बना रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इन मामलों पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो इसके दूरगामी परिणाम सामने आ सकते हैं। संगठनों ने प्रशासन से मांग की कि ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। धरना-प्रदर्शन में मौजूद संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में युवतियों को बहला-फुसलाकर या दबाव बनाकर धर्मांतरण कराया जा रहा है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पर रोक लगाने के लिए कठोर कानून बनाने और पहले से बने कानूनों का सख्ती से पालन कराने की मांग भी की गई। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने यह भी कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में विशेष रूप से जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है, ताकि वहां के लोगों को किसी प्रकार के बहकावे और दबाव से बचाया जा सके। साथ ही उन्होंने इन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और प्रशासनिक निगरानी बढ़ाने की मांग रखी। संगठनों के प्रतिनिधियों ने शासकीय एवं सार्वजनिक भूमि पर किए गए अवैध कब्जों का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि ऐसे कब्जों के कारण सामाजिक असंतुलन उत्पन्न होता है, इसलिए प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करते हुए इन्हें हटाना चाहिए। इस अवसर पर विहिप के जिला अध्यक्ष यज्ञेश लालू चावड़ा ने कहा कि नासिक, अमरावती और बालाघाट में सामने आ रही घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने विशेष रूप से नासिक के एक मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी निष्पक्ष और गहन जांच आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से अपेक्षा की कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा न जाए। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एक स्वर में कहा कि समाज में शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों पर सख्त कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय पर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन भी मौके पर मौजूद रहा और पूरे कार्यक्रम पर नजर बनाए रखी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, हालांकि प्रदर्शनकारियों का आक्रोश साफ तौर पर देखने को मिला।

बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग की शराब दुकान के खिलाफ महिलाओं का उग्र आंदोलन, अनिश्चितकालीन धरना किया शुरू

दिन-रात प्रदर्शन, शराब खरीदने वालों को रोका, बोतल तोड़ने की घटना का वीडियो वायरल, स्कूल स्टाफ भी समर्थन में उतरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग स्थित शराब दुकान के विरोध में महिलाओं का आंदोलन अब लगातार उग्र होता जा रहा है। बीते कई दिनों से चल रहा यह विरोध अब अनिश्चितकालीन धरने में बदल चुका है, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं दिन और रात दोनों समय दुकान के सामने डटी हुई हैं। महिलाएं न केवल धरना दे रही हैं, बल्कि वहां आने वाले लोगों को शराब खरीदने से रोक भी रही हैं, जिससे क्षेत्र में कई बार विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। 17 अप्रैल की रात्रि को आंदोलन के दौरान एक घटनाक्रम सामने आया, जिसने पूरे मामले को और तूल दे दिया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने शराब खरीदकर जा रहे एक व्यक्ति को रोका और उसकी बोतल छीनकर तोड़ दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद से इस आंदोलन की चर्चा और बढ़ गई है।

शहर में शराब दुकान के स्थान परिवर्तन को लेकर वार्ड क्रमांक 24, 25 और 33 के सेन चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों में पहले से ही विरोध चल रहा था, जो अब बूढ़ी वार्ड क्रमांक 12 रेलवे क्रॉसिंग तक पहुंच गया है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं घरों से निकलकर दुकान के सामने एकत्रित हो रही हैं। वे कुर्सियां लगाकर धरने पर बैठ रही हैं और हाथों में डंडे लेकर विरोध दर्ज करा रही हैं, साथ ही शराब खरीदने आने वाले लोगों को समझाइश देकर वापस लौटा रही हैं। महिलाओं का कहना है कि रिहायशी क्षेत्र में शराब दुकान संचालित होने से सामाजिक वातावरण खराब हो रहा है। इससे खासकर बच्चों और युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, वहीं महिलाओं को भी असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। इसी कारण वे लंबे समय से दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग कर रही हैं। 18 अप्रैल की सुबह इस आंदोलन को उस समय और बल मिला, जब आसपास संचालित स्कूलों के महिला स्टाफ ने भी खुलकर समर्थन दिया। शिक्षिकाओं और स्कूल प्रबंधन ने कहा कि विद्यालय के समीप शराब दुकान होना अनुचित है और इससे विद्यार्थियों पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द दुकान को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जाए। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही भारती माहूले एवं अन्य महिलाओं ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि 18 अप्रैल से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया है और जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इधर, शराब दुकान के कर्मचारी भी मौके पर मौजूद रहकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। हालांकि लगातार बढ़ते विरोध और रात में भी जारी प्रदर्शन के चलते क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है, लेकिन आंदोलन के बढ़ते स्वरूप को देखते हुए जल्द हस्तक्षेप की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय लोगों की नजर अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है।

आस-पास की खबरें

महिला आरक्षण के नाम पर भाजपा की कूटनीति बेनकाब, 850 सीटों का षड्यंत्र कर महिलाओं को ठगा - मनीष

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पिछड़ा वर्ग कांग्रेस विभाग जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि लोकसभा में गिरे 131 वें संविधान संशोधन बिल ने मोदी सरकार की महिला-विरोधी मानसिकता और चुनावी कूटनीति को उजागर कर दिया है। भाजपा ने 'नारी शक्ति वंदन' का नारा देकर महिलाओं की आंखों में धूल झोंकने

की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस और समूचे विपक्ष ने उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया है। श्री कुशवाहा ने बताया कि भाजपा सरकार ने 33 प्रतिशत आरक्षण को जानबूझकर जनगणना और परिसीमन से जोड़ा है। असल मकसद था लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करना। ये सीधे-सीधे 2029 के चुनाव से पहले देश का चुनावी नक्शा अपने पक्ष में बदलने की कोशिश थी। लेकिन कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी जी ने सदन में साफ कहा कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण से ज्यादा चुनावी नक्शा बदलने की कोशिश है। अगर नीयत साफ होती तो आरक्षण मौजूदा 543 सीटों पर तुरंत लागू किया जा सकता था। साथ ही यह भी बताया कि बिल में शर्त रखी गई कि आरक्षण अगली जनगणना और उसके बाद परिसीमन होने पर ही लागू होगा। संसद में बिल लाकर भी महिलाओं को 2029 या उसके बाद तक इंतजार कराया जाता। ये महिलाओं के साथ धोखा नहीं तो क्या है? कांग्रेस की मांग थी कि आरक्षण तुरंत लागू हो। आगे बताया कि कांग्रेस एवं सभी दलों ने 33 प्रतिशत महिला कोटे के अंदर ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए कोटा में कोटा तय किया जाये। सामाजिक न्याय का तकाजा यही था कि सबसे वंचित बहनों को पहले हक मिले। लेकिन भाजपा ने धर्म के नाम पर आरक्षण न देने का बहाना बनाकर और ओबीसी महिलाओं की बात अनसुनी कर अपनी सामंतवादी सोच दिखा दी है। संविधान संशोधन के लिए 352 वोट चाहिए थे। भाजपा अपने 12 साल के शासन में पहली बार बिल पास कराने लायक समर्थन नहीं जुटा पाई। जब नीयत में खोट हो तो जनता के प्रतिनिधि भी साथ नहीं देते। श्री कुशवाहा ने बताया कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं को उनका हक तुरंत दिलाने के लिए प्रतिबध्द है। कांग्रेस पार्टी मौजूदा 543 सीटों पर बिना किसी शर्त के 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू कराने के पक्ष में हैं। महिलाओं का सशक्तिकरण कांग्रेस के डीएनए में है, राजीव गांधी जी ने पंचायतों में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। अब लोकसभा में भी बिना किसी छल-कपट के आरक्षण लागू करवायेगा।

आज गूंजेगी शहनाई, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 200 जोड़े बंधेंगे परिणय सूत्र में

महाविद्यालय परिसर में आयोजित होगा सामूहिक विवाह सम्मेलन, जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न होगें मांगलिक कार्य

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 19 अप्रैल को जनपद पंचायत लालबर्रा द्वारा एक विशाल सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय महाविद्यालय परिसर में होने वाले इस गरिमामयी आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस सम्मेलन में कुल 200 नवयुगल परिणय सूत्र में बंधकर अपने नये जीवन की शुरूआत करेंगे। जनपद प्रशासन के द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी पुरी कर ली गई है। वही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 11 बजे जनपद पंचायत कार्यालय से डीजे की धुनों के साथ भव्य बारात प्रस्थान करेगी। यह बारात नगर मुख्यालय के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल (महाविद्यालय परिसर) पहुंचेगी। जहां प्रशासन और वधू पक्ष द्वारा बारातियों का आत्मीय स्वागत किया जायेगा तत्पश्चात दोपहर 2 बजे से वैवाहिक रस्में शुरू होंगी और 200 जोड़ों का विवाह संपन्न करवाया जायेगा। उक्त कार्यक्रम सांसद भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता मनोज ग्वालवंशी की अध्यक्षता एवं पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन, पूर्व राज्य मंत्री रामकिशोर कावरे के प्रमुख आतिथ्य में संपन्न होगा।

लक्ष्य सीमित होने से कई आवेदन निरस्त, हितग्राहियों में दिखी नाराजगी

लालबर्रा में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम 19 अप्रैल को संपन्न होना है। इस मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ लेने के लिए लालबर्रा विकासखण्ड सहित अन्य विकासखण्ड के करीब साढे तीन सौ से अधिकयुवक-युवतियों ने विवाह हेतु आवेदन जमा किये थे।लेकिन लक्ष्य से अधिक आवेदन आने के कारण इस वर्ष विकासखण्ड की बेटियों को प्राथमिकता दी गई है। हालांकि, योजना की लोकप्रियता का आलम यह रहा कि 350 से अधिक युवक-युवतियों ने आवेदन किया था, लेकिन शासन द्वारा निर्धारित 200 के लक्ष्य के कारण शेष आवेदकों को सूची से बाहर करना पड़ा। वहीं नाम कटने से निराश हुए कई पात्र हितग्राहियों ने शासन-प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त की है। वहीं उनका कहना है कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना एक महत्त्वाकांक्षी योजना है, लेकिन लक्ष्य कम होने से कई जरूरतमंद परिवार इसके लाभ से वंचित रह गये हैं। शासन को चाहिए कि लक्ष्य बढ़ाकर सभी पात्र आवेदकों को इस योजना का लाभ दिलवाना चाहिए ताकि किसी के साथ भेदभाव न हो।

प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण

जनपद प्रशासन ने आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पंचायत सचिवों और अन्य कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी हैं। भोजन, पंडाल, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए टीमों का गठन किया गया है ताकि नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

200 जोड़ों का होगा विवाह आज - आकाश

निःशक्त सामाजिक न्याय विभाग के ब्लाक समन्वयक आकाश बोकड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 19 अप्रैल को लालबर्रा में सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न होना है, जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है। साथ ही यह भी बताया कि प्रातः 11 बजे जनपद पंचायत कार्यालय से बारात निकलेगी और अतिथियों की उपस्थिति में 200 जोड़ों का विवाह कार्यक्रम संपन्न होगा। श्री बोकड़े ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिवों के माध्यम से जिनका विवाह है उन्हे जानकारी भेज दी गई है और कुछ हितग्राही को फोन के माध्यम से सूचना दी जा रही है।

महाविद्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 18 अप्रैल को विद्यार्थियों में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जागरूकता के लिए निबंध, भाषण एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लोगों में जागरूकता लाने के लिए निबंध, भाषण, स्लोगन सहित अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा जल की महत्ता एवं संरक्षण पर बल दिया गया। जल है, तो कल है एवं भूजल स्तर को बनाये रखने के लिए नल-कूपों की साफ-सफाई एवं उनके रख-रखाव की महत्ती आवश्यकता है। नवीन जल संग्रहण के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया। जिसके बाद महाविद्यालय जागरूकता रैली निकाली गई। इस जागरूकता रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने जनमानस में जनजागरूकता का कार्य किया। ज्ञात हो कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक चलाया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. ह्रषिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता एडे, पीतम मुरते, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

दो तिथियों में परम्परानुसार मनाया जायेगा आखातीज पर्व

हिन्दु धर्मावलंबियों ने की कलशों की खरीदी, कलश का होता है विशेष महत्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हिन्दु धर्मावलंबियों के द्वारा वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला आखातीज पर्व इस वर्ष दो तिथियों में 'अक्षय तृतीया' 19 एवं 20 अप्रैल को नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में परम्परानुसार श्रध्दा भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा। इस वर्ष 19 अप्रैल को परशुराम जयंती है एवं दुसरे दिन अक्षय तृतीया का मुहुर्त दिया गया है। लेकिन जिस दिन परशुराम जयंती मनाई जाती है उसी दिन अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। लेकिन पंडित बाबूलाल चतुर्वेदी के कैलेण्डर में 19 अप्रैल को परशुराम जयंती एवं 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर्व होना बताया गया है। जिसके चलते हिन्दु धर्मालंबी असमंजस्य में है कि अक्षय तृतीया का पर्व किस दिन मनाये। वहीं पंडितों के अनुसार 19 अप्रैल को परशुराम जयंती के साथ ही अक्षय तृतीया पर्व के लिए शुभ मुहुर्त है तो कुछ लोगों का कहना है कि इस वर्ष भी दो तिथियों में अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जायेगा। वहीं अक्षय तृतीया पर्व को मनाने के लिये धर्मावलंबियों के द्वारा प्रतिवर्ष व्यापक तैयारियां करते हुए पर्व के एक दिन पूर्व पूजन कार्य में लगने वाली आवश्यक सामग्रियों की खरीदी की जाती है। जिसमें कलशों (मटके) का विशेष महत्व होता है और मार्केट सहित अन्य मार्गों पर कुम्हारों की मटकों की दुकानें सजी रही जहां पर लोगो ने पहुंचकर जमकर कलश की खरीदी पर्व मनाने के लिये किया है। कुम्हारों ने बताया कि आखातीज पर्व में कलशे का विशेष महत्व होता है, यह परम्परा पुराने जमाने से चली आ रही है। जिसमें माता-पिता को पानी पिलाते थे जबसे कलशों की पूजा करते है। उनके द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पारम्परिक रूप से मिट्टी से निर्मित कलशों का निर्माण किया गया है और मार्केट में भी कलशे की दुकानें लगाई गई है। जिसमें कलशे के साथ एक चुकी, एक परई व एक ढक्कन साथ में दिया जाता है।

शास्त्रों में अक्षय तृतीया को माना गया है स्वयंसिध्द मुहूर्त

पुराणों के अनुसार अंकों में विषम अंकों को विशेष रूप से 3 को अविभाज्य यानी 'अक्षय' माना जाता है इसलिए तिथियों में शुक्ल पक्ष की 'तीज' यानी तृतीया को विशेष महत्व दिया जाता है। वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को समस्त तिथियों से सबसे विशेष स्थान प्राप्त है। पौराणिक मान्यता है कि इस तिथि में आरंभ किये गये कार्यों को कम से कम प्रयास में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिलती है, अध्ययन आरंभ करने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ दिन है। अक्षय तृतीया कुंभ स्नान व दान पुण्य के साथ पितरों की आत्मा की शांति के लिए आराधना का दिन भी माना गया है। शास्त्रों में अक्षय तृतीया को स्वयंसिध्द मुहूर्त माना गया है। अक्षय तृतीया के दिन मांगलिक कार्य जैसे-विवाह, गृहप्रवेश, व्यापार अथवा उद्योग का आरंभ करना अति शुभ फलदायक होता है। सही मायने में अक्षय तृतीया अपने नाम के अनुरूप शुभ फल प्रदान करती है। अक्षय तृतीया पर सूर्य व चंद्रमा अपनी उच्च राशि में रहते हैं। इस तिथि का उन लोगों के लिए विशेष महत्व होता है जिनके विवाह के लिए गृह-नक्षत्र मेल नहीं खाते, इस शुभ तिथि पर सबसे ज्यादा विवाह संपन्न होते हैं।

दो तिथियों में मनाया जायेगा अक्षय तृतीया का पर्व - रंजित

पंडित रंजित शर्मा ने बताया कि 19 अप्रैल को परशुराम जयंती मनाई जायेगी साथ ही जिन हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा नया त्यौहार मनाया जा रहा है। उनके द्वारा 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जायेगा एवं जो पूर्व से मनाते आ रहे है वे लोग 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया का पर्व मनायेगें और अक्षय तृतीया के दिन मांगलिक कार्य जैसे-विवाह, गृहप्रवेश, व्यापार अथवा उद्योग का आरंभ करना अति शुभ फलदायक होता है एवं दो तिथियों में अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जायेगा।

आसमान से बरस रही आग, तपन से लोग बेचैन, शीतल पेय पदार्थों की बढ़ी मांग

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित क्षेत्र में तेज धूप व उमस भरी गर्मी का असर देखा जा रहा है एवं सूर्य की आग उगलती किरणों से लोगों का दोपहर में घर से बाहर निकलना मुश्किल सा हो गया है। वहीं गर्मी से राहत पाने के लिये घरों में चलाये जा रहे कूलर व पंखे भी गर्म हवा फेंक रहे है एवं दोपहर में सड़कें भी सुनसान दिखाई दे रही है। साथ ही एक सप्ताह से भीषण गर्मी से लोग हलाकान है और दोपहर बाद तो लू के लपेटे चलने से लोगों को आवागमन करना बमुश्किल हो गया है। साथ ही धीरे-धीरे गर्मी बढ़ते ही जा रही है। जिसका असर नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाकों में दिखाई देने लगा है और गांव से शहर की ओर आने वाले लोग तेज धुप व उमस भरी गर्मी से बचने के लिए दोपहर के समय छाव की तलाश करते हुए नजर आ रहे हैं और तेज धूप के कारण शीतल पेय पदार्थों की भी मांग बढ़ने लगी है। सूर्य देव की कहर से बचने के लिए क्षेत्र की युवतियां व महिलाएं अपने चेहरों एवं हाथों को स्कार्फ, दस्तानों से पुरी तरह बांधकर निकल रही हैं। साथ ही तेज धूप व उमस भरी गर्मी लगने के साथ ही कुलर, पंखा रिपेयर्स, खस विक्रताओं की दुकानों में भी धीरे-धीरे लोगों की भीड़ बढ़ने के साथ ही उनका व्यापार में उछाल आ गया है। तेज धूप लगने के कारण क्षेत्र में दोपहर 2 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आने लगा है एवं गर्मी से राहत पाने के लिए लोग पंखे, कुलर, एसी चलाना शुरू कर दिये है। साथ ही पंखे, कुलर व एसी की दुकानों में लोगों की भीड़ देखी जा रही है साथ ही पेय पदार्थों की मांग बढ़ने लगी है। तेज धूप व उमस भरी गर्मी में चौक-चौराहों पर फलों के रस, लस्सी, गन्ना रस और कोल्ड्रींग्स सहित अन्य पेयजल पदार्थों का सेवन कर लोग गर्मी से राहत महसुस करने का प्रयास करते हुए नजर आ रहे है। वहीं तेज गर्मी बढ़ते ही बाजारों में चश्मे, टोपी व गमछों की दुकानों में भीड़ बढ़ने लगी है और धुप से बचने के लिए लोग उक्त सामग्री की खरीददारी कर रहे है।

देशी फ्रीज की बढ़ी मांग

गर्मी की दस्तक होने के साथ ही जैसे-जैसे गर्मी अपने शबाब में आते जा रही है। लोग हलाकान होते नजर आ रहे है और गर्मी बढ़ने के साथ ही लोगों की प्यास बुझाने वाली देशी फ्रीज (मिट्टी के घड़े) बाजारों में बिकने आने लगी है और मांग बढ़ने लगी है। कुम्हारों के द्वारा इस वर्ष बड़ी संख्या में देशी फ्रिज मिट्टी के घड़ों का निर्माण कर दुकानें सजा ली गई है जहां से क्षेत्रीयजन खरीदी कर देशी फ्रिज का ठंडा पानी पी रहे है और मिट्टी के घड़ों की कीमत में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बढ़ोत्तरी हुई है।

समर्थ बनवाले ने 96.66 प्रतिशत अंक लेकर प्राप्त किया प्रथम स्थान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित न्यू किड्स क्लाउड इंग्लिश स्कूल के कक्षा युकेजी के छात्र समर्थ बनवाले ने वार्षिक परीक्षा में 480 में से 464 अंक के साथ ही 96.66 प्रतिशत बनाकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल एवं माता-पिता का ना गौरवांवित किया है। उनकी इस उपलब्धि के पीछे उनके माता-पिता श्रीमती ललिता बनवाले एवं हर्ष बनवाले, दादा जी नारायण प्रसाद बनवाले (सेवानिवृत्त सचिव-मुख्य कार्यपालन अधिकारी कृषि उपज मंडी) का विशेष मार्गदर्शन और प्रेरणा रही है। समर्थ बनवाले छोटी पनबिहरी के निवासी है। जो शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रहे हैं। उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का ही परिणाम है कि उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। छात्र समर्थ बनवाले को शुभकामनाएं देने वालों में स्कूल के प्राचार्य टीके तुरकर शिक्षिका पुजा मेडम, पनबिहरी सरपंच वीरेंद्र बनवाले, शषेन्द्र गोयल, छवि नागेश्वर, अनिल ब्रम्हें (पुर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी), गणेश नागेश्वर, संतोष ब्रम्हें, देवेंद्र बनवाले, राहुल गोयल, हेमकुमार सिलारे, सुनील ब्रम्हें, ईश्वरी गोयल, बसंत अजीत, संजु बनवाले सहित अन्य शामिल है।

पोर्टल के ताले में कैद मजदूरों का भुगतान, झालीवाड़ा पंचायत में १० लाख का भुगतान अटका

विकास कार्यों पर लगा तकनीकी ग्रहण, उधारी के भरोसे चल रहे मजदूरों के घर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत झालीवाड़ा में इन दिनों विकास कार्यों पर पोर्टल की तकनीकी खामी का ग्रहण लग गया है। १५वें वित्त आयोग के तहत कराए जा रहे निर्माण कार्यों का भुगतान पिछले काफी समय से अधर में लटका हुआ है। स्थिति इतनी विकराल हो चुकी है कि एक ओर जहां मजदूरों के चूल्हे बुझने की कगार पर हैं, वहीं दूसरी ओर निर्माण सामग्री प्रदाताओं ने पंचायत के चक्कर काटना शुरू कर दिया है। पोर्टल बंद होने की यह समस्या केवल झालीवाड़ा तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास की कई पंचायतों में भी भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह ठप पड़ी है।

मजदूरों में आक्रोश उधारी के भरोसे चल रहा घर

ग्राम पंचायत झालीवाड़ा में १५वें वित्त की राशि से लगभग चार महत्वपूर्ण कार्य पूर्णता की ओर हैं। इन कार्यों में दिन रात पसीना बहाने वाले मजदूरों को अब तक उनकी मजदूरी नसीब नहीं हुई है। वर्तमान में स्थिति यह है कि मजदूरों को अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए साहूकारों और परिचितों से उधारी लेनी पड़ रही है। मजदूरी ना मिलने से ग्रामीणों और मजदूरों के बीच भारी आक्रोश व्याप्त है। मजदूरों का कहना है कि काम पूरा होने के बावजूद पैसों के लिए उन्हें दर.दर भटकना पड़ रहा है।

सामग्री विक्रेताओं का बढ़ रहा दबाव

पंचायत के द्वारा निर्माण कार्य में उपयोग की गई सामग्री जैसे सीमेंट, लोहा, गिट्टी और ईंटों का भुगतान भी पोर्टल बंद होने के कारण नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि सामग्री का करीब १० लाख रुपये का भुगतान अटका हुआ है। इसके चलते दुकान संचालक और सप्लायर आए दिन पंचायत भवन और जनप्रतिनिधियों के पास तगादा कर रहे हैं। जिससे पंचायत के सामने एक असहज स्थिति निर्मित हो गई है।

प्रस्तावित कार्य बाधित समय सीमा पर संकट

भुगतान नही होने का सीधा असर आगामी विकास कार्यों पर भी पड़ रहा है। पंचायत सूत्रों के अनुसार जो कार्य वर्तमान में चल रहे हैं उन्हें तो किसी तरह खींचतान कर पूरा किया जा रहा है। लेकिन पोर्टल की समस्या के कारण कई नए प्रस्तावित कार्य शुरू नहीं हो पा रहे हैं। यदि पोर्टल जल्द शुरू नहीं हुआ तो तय समय सीमा में विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना ग्राम पंचायत के लिए असंभव हो जाएगा।

अधिकारियों की उदासीनता से बड़ी परेशानी

ग्राम पंचायत के द्वारा इस गंभीर समस्या को लेकर जनपद पंचायत, जिला पंचायत और वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायतें भेजी जा चुकी हैं। पंचायत प्रशासन का कहना है कि उनकी ओर से पूरी तत्परता दिखाई जा रही है लेकिन पोर्टल का बंद होना उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं हैं। जिसका खामियाजा सीधे तौर पर गरीब मजदूरों को भुगतना पड़ रहा है।

व्यापक स्तर पर है समस्या

वारासिवनी जनपद की अधिकांश पंचायतों में पोर्टल बंद होने की वजह से वित्तीय लेनदेन पूरी तरह ठप है। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से मांग की है कि प्रशासन इस तकनीकी बाधा को तत्काल दूर करें ताकि अटके हुए भुगतानों का निराकरण हो सके और विकास की गति फिर से पटरी पर लौट सके।

भुगतान नही होने से उधार मांग कर परिवार का संचालन हो रहा है- रूपा सोनेकर

मजदूर रूपा सोनेकर ने बताया कि एक माह से भुगतान नहीं हुआ है खाने.पीने की वस्तु दवा पानी खरीद कर हमें अपना जीवन व्यापन करना पड़ता है। जिसमें भारी समस्या अब उत्पन्न हो गई है एक महीने से हम बहुत ज्यादा परेशान है। रुपए हमें नहीं मिले हैं उधार मांग कर परिवार का संचालन हो रहा है। सरपंच से इसकी शिकायत भी करें है परंतु राशि नहीं आई बताते हैं इसमें ऊपर की समस्या बताई जा रही है।

भुगतान नही होने से लालन पालन करने में परेशानी हो रही है-सुरेंद्र टेंभरे

मजदूर सुरेंद्र टेंभरे ने बताया कि हमारे द्वारा कार्य किया जा रहा है कुछ कार्य पूरे भी हो गए हैं। परंतु भुगतान नहीं आया है इस कारण से हमें तकलीफ है परिवार का तो जैसे तैसे हम पालन पोषण कर रहे हैं। पंचायत पर हम मजदूरों सहित सामान का करीब १० लाख रुपए का बकाया है क्या करें समझ नहीं आ रहा है। काम तो करना पड़ेगा अभी हमारा काम चालू है इसकी कहीं शिकायत तो नहीं करें है परंतु भुगतान के लिए बोला गया है। तो हो जाएगा कहते हैं एक महीने से हम लगातार बोल रहे हैं हमें भी मशीनों और मजदूरों का भुगतान देना है।

भुगतान नही होने से सभी मजदूरों में आक्रोश व्याप्त है-सरोवर देशमुख

सरपंच प्रतिनिधि सरोवर देशमुख ने बताया कि बहुत समस्या है ४ काम पंचायत में पूर्ण हो चुके हैं। उसका करीब १० लाख का भुगतान बकाया है लगातार मजदूर भी हमें शिकायत कर रहे हैं। यह बेचारे मजदूर रोज खरीद कर खाते हैं इन्हें भुगतान की अति आवश्यकता है। इसके लिए मेरे द्वारा जनपद में भी बात रखी गई थी परंतु पोर्टल बंद बताते हैं अब पोर्टल क्यों बंद है पता नहीं। इस संबंध में आसपास की पंचायत में भी पूछताछ की गई तो वहां भी यही समस्या है। यह १५वें वित्त का काम है रुपए नहीं निकल रहे हैं एक माह से स्थिति खराब है। मजदूर उधारी के भरोसे चल रहे हैं लोहा सीमेंट गिट्टी वाले भी परेशान कर रहे हैं। इसके लिए हमारे द्वारा जनपद और जिला पंचायत सहित समस्त अधिकारियों को शिकायत की गई है। परंतु शिकायत पर कोई अमल नहीं हो रहा है जल्द यदि भुगतान हो जाता है तो मजदूरों को राहत मिलेगी। पंचायत में काम प्रारंभ करेंगे इसके लिए हम लगातार प्रयासरत है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी ने न्याय के लिए खटखटाया राष्ट्रपति का दरवाजा, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए गंभीर सवाल

मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में एफआईआर दर्ज नही होने से आक्रोश, पीड़ित ने जताई झूठे केस में फंसाने की आशंका

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरवाड़ा के एक सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता किशोर कुमार पांडे ने प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। ९ अगस्त २०२४ को स्वयं पर हुए जानलेवा हमले के मामले में एफ आईआर दर्ज नही होने से क्षुब्ध होकर पीड़ित ने अब महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मानवाधिकार आयोग सहित तमाम उच्चाधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई हैं। किशोर कुमार पांडे ने बताया की मैं ३१ अक्टूबर २०२२ को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुआ हूँ और वर्तमान में स्वास्थ्य कर्मचारी पेंशनर संघ का जिला अध्यक्ष ,विश्व सनातन वैदिक संघ के जिला अध्यक्ष के रूप में सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रहा हूँ।बीती ९ अगस्त २०२४ को ग्राम उमरवाड़ा में मुझ पर प्राणघातक हमला किया गया। यह हमला महज एक विवाद नहीं बल्कि मेरी हत्या की सोची समझी साजिश थी। इस हमले में वर्तमान सरपंच पूनम प्रवीण पांडे, उनके पति प्रवीण पांडे, मुन्नालाल जैतवार, सुदामा सिरसाम सहित १२ अन्य लोग शामिल थे। घटना वाली रात मैं न्याय की आस में थाना रामपायली पहुँचा पूरी रात थाने में बैठा रहा लेकिन ना तो मेरा मेडिकल कराया गया और ना ही एफआईआर दर्ज की गई। अगले दिन १० अगस्त को वारासिवनी अस्पताल में मेरा उपचार हुआ और ११ अगस्त को पुलिस ने मेरे बयान तो दर्ज किए। लेकिन आज महीनों बीत जाने के बाद भी एफ आईआर दर्ज नहीं की है। मैंने ग्राम पंचायत में हो रही अनियमितताओं के विरुद्ध शिकायत की जिसमें जांच के बाद सरपंच को दोषी पाया गया और उनसे शासकीय राशि वसूली के आदेश भी जारी हुए। इसी रंजिश और चुनावी हार का बदला लेने के लिए मुझ पर ग्राम पंचायत भवन के सामने जानलेवा हमला किया गया। मैंने अपनी व्यथा और न्याय की मांग को लेकर महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मानवाधिकार आयोग सहित तमाम वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र दिया कुछ जगह ५ बार स्मरण पत्र भेजे हैं। विडंबना हैं कि पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी केवल जांच चल रही है का रटा रटाया जवाब दे रहे हैं। बीते २६ मार्च को एसडीओपी से मुलाकात और चर्चा के बाद मैं डर गया। आज मुझे उन हमलावरों से ज्यादा पुलिस प्रशासन से डर लगने लगा है। मुझे आशंका है कि न्याय देने के बजाय पुलिस मुझे ही किसी झूठे केस में ना फंसा दे। मैं शासन प्रशासन से मांग करता हूँ कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हो दोषियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए और कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों पर भी दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

खुशियों के घर बरपा काल का कहर, शादी समारोह के दौरान लगी भीषण आग

येरवाघाट में शादी के मंडप और मकान को आग ने किया राख, किसान को लाखों का नुकसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। रामपायली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम येरवाघाट में बीती रात एक शादी समारोह उस समय मातम और अफरा.तफरी में बदल गया। जब अचानक लगी भीषण आग ने ना केवल विवाह पंडाल बल्कि एक पड़ोसी के आशियाने को भी जलाकर खाक कर दिया। इस हृदयविदारक घटना में पीड़ित परिवार को करीब दो लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है।

वरमाला के बाद अचानक भड़की लपटें

प्राप्त जानकारी के अनुसार येरवाघाट निवासी देवकरण कातरे की सुपुत्री का विवाह समारोह आयोजित था। बारात खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम चुटिया से नगपुरे परिवार की आई हुई थी। रात्रि में वरमाला का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। बाराती और घराती सभी खुशियों में मग्न थे लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। वरमाला के कुछ समय बाद विवाह पंडाल के समीप स्थित नोकलाल डहारे के मकान से अचानक धुआं निकलता देखा गया। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

मची भगदड़ देखते ही देखते सब राख

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उन्होंने चंद मिनटों में ही नोकलाल डहारे के पूरे मकान और उसके सामने सजे भव्य विवाह पंडाल को अपनी जद में ले लिया। अचानक हुई इस आगजनी से समारोह में भगदड़ मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगे। स्थानीय ग्रामीणों और उपस्थित जनों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन आग की तीव्रता के सामने सारे प्रयास बौने साबित हुए।

लाखों की संपत्ति खाक परिवार सड़क पर

इस भीषण अग्निकांड में नोकलाल डहारे का परिवार पूरी तरह टूट गया है। इस आग में घर में रखा समस्त गृहस्थी का सामानए कपड़, खेती.किसानी के महत्वपूर्ण उपकरण,भविष्य के लिए संचित किया गया अनाज और अन्य कीमती वस्तुएं जल कर रख हो गयी। प्रारंभिक आकलन के अनुसार इस घटना में नोकलाल को २ लाख रुपये से अधिक की आर्थिक क्षति हुई है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई अन्यथा परिणाम और भी भयावह हो सकते थे।

आग का कारण अब भी रहस्य

हालांकि आग किन कारणों से लगी इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि शॉर्ट सर्किट या आतिशबाजी की कोई चिंगारी इस हादसे की वजह हो सकती है। लेकिन वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। फिलहाल पीड़ित परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा हैं।

भारती हाई स्कूल का बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारती हाई स्कूल रामपायली ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि यहाँ की शिक्षा प्रणाली ना केवल नगर में अपितु पूरे प्रदेश में मिसाल है। कक्षा १० वीं की हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत १०० रहा है। अंग्रेजी माध्यम में अव्वल अवनी दमाहे ९६ प्रतिशत,श्रुति पालेवार ९५प्रतिशत,मानवी पटले ९५ प्रतिशत,अलवीरा कुरैशी ९२.६ प्रतिशत, ओमनी कुंजाम ९१.४ प्रतिशत,वेदिका पंचेश्वर ९१.४,विशु खोबरागड़े ९२.२ वहीं हिंदी माध्यम में सरयू पालेवार ९१.८ ,समीक्षा राहंगडाले ८९,आयुष राहंगडाले ८६,आर्य धर्मेंद्र भिवगडे ८३,नैतिक राजत ८२ प्रतिशत रहा। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह विद्यालय गौरव का प्रतीक है और भविष्य में भी पूरे देश को कुशल एवं योग्य नागरिक देता रहेगा। वहीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामपायली का वर्ष २०२६ की बोर्ड परीक्षा का परीक्षा परिणाम विगत वर्षों की तुलना में नए आयाम और कीर्तिमान स्थापित करते हुए रामपायली नगर में प्रशंसा का केंद्र बना है। इस वर्ष २०२६ में कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम ९५.५ तथा कक्षा १२ वीं का भी ९० प्रतिश रहा है।

नवोदय विद्यालय का कक्षा १०वीं का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सीबीएसई दसवीं की बोर्ड परीक्षा में पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी को शत प्रतिशत कामयाबी मिली है। विद्यालय का यह २८ वाँ बैच था जिसमें अध्ययनरत ८२ छात्र.छात्राएँ आइडियल पब्लिक स्कूल चंदौरी परीक्षा केंद्र में सम्मिलित हुए थे। जिसमें ९८.८० प्रतिशत अंक अर्जित कर जलज रिनायत सर्वोच्च शिखर पर तथा शौर्य नेमा ९८.४० प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे पायदान पर रहे। ९८.२० प्रतिशत अंक प्राप्त कर मुस्कान बैस तृतीय स्थान पाने में कामयाब रहीं। ८२ छात्र छात्राओं में से ७२ परीक्षार्थियों ने ७५ तथा उससे अधिकतम प्रतिशत अंक अर्जित कर विशेष योग्यता हासिल की और एक विद्यार्थी को छोड़कर सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विद्यालय का विषय औसत परीक्षाफल ८१.९ प्रतिशत अंक रहा। इतना ही नहीं विज्ञान में मुस्कान बैस ने १०० में से पूरे १०० अंक प्राप्त किए है। वहीं सामाजिक विज्ञान में ५ विद्यार्थियों में जलज रिनायत, आरोही पारधी, कनक नेवारे, तक्ष कुमार ठाकरे और विधि भरने ने तथा पीएटी में १६ विद्यार्थियों.जिसमें जलज रिनायत, शौर्य नेमा, आरोही पारधी, लव्य पटले, सेलिना यादव, सुयश बिसेन, यक्षनी उइके, केयूर नगपुरे, रूपल ठाकरे, ग्रेसी पंद्रे, अभय कुमार डोनाडकर, शुभम लिल्हारे, तक्ष कुमार ठाकरे, श्वेता बनकर, शुभम भिवगड़े, रौनक सिंह उइके ने शत.प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालयए नगर जिले और भोपाल संभाग का नाम पूरे देश में रोशन किया हैं।

सीबीएसई के द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम के अनुसार हिन्दी में ९८ अंग्रेजी में ९८, गणित में ९८ विज्ञान में १०० सामाजिक विज्ञान में १०० और पीएटी में १०० अंक उच्चतम अंक रहा। इस शानदार सफलता पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रणबीर सिंह सहित समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सांदीपनि विद्यालय खैरलांजी का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा आयोजित हायर सेकंडरी और हाई स्कूल परीक्षा परिणाम वर्ष २०२६ शासकीय सांदीपनि विद्यालय हायर सेकंडरी और हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा है। प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार सहारे ने बताया कि संस्था का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा है जिसके लिए छात्र छात्राएं बधाई के पात्र है। भविष्य में छात्र छात्राएं इससे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें इसके लिए हर संभव प्रयास जारी है। संस्था में दसवीं और बारहवीं के टॉप २५ छात्र छात्राएं इस प्रकार है। जिसमें कक्षा १२ वी में ७५ प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियो में रुचिता धनेन्द्र लिल्हारे कला ९१.२ प्रतिशत, खुशी जगदीश बिसेन बायो ९० प्रतिशत,साक्षी जितेन्द्र बोहरे बायो ८९.४ प्रतिशत, रूची राधेश्याम तुरकर गणित ८८.६, प्रचाली लालाजी गोन्दुड़े बायो ८८ प्रतिशत,कविता अत्तरलाल बागड़े गणित ८८ प्रतिशत,रूपेश धन्नुलाल नगपूरे बायो ८७.४ , खुशी महेश नगपूरे बायो ८६.२,अजय सेगन गणित ८५,खुशी उपवंशी गणित ८४.८, रीना शेण्डे कला ८४.६,आदित्य माहुले कला ८४.४, स्वीटी दरवड़े गणित ८३.२, वैशाली माहुले कला ८३, रिहा नागोसे कला ८३,पल्लवी चौधरी गणित ८२.६, वीना पुसाम गणित ८२.२, आरुषी सुलाखे कला ८१.६, कशिश लिल्हारे कला ८०.८, खुशबु पटले गणित ८०.६,शिवानी बारेवार गणित ८०.६, सुरूची पटले बायो ७८.८, मोना राहंगडाले गणित ७८.८, खुशबु उपवंशी ७७.८, कला विजयवार कला ७७.६, असीम मेश्राम गणित ७६.४,कल्पना दमाहे कला ७५.८,दिव्या माहुले गणित ७५.२ प्रतिशत है। इसी प्रकार कक्षा १० वीं में ७५ प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियो के नाम इस प्रकार है रमिता वाघाड़े ९४, हर्शिका बिसेन ९३.४,राशी बण्डे ९३,अंकिता विजयवार ८६.८,मिनाली पर्वत ८६.८, शैलेष हेडाउ ८६.२, दिव्यांनी दमाहे ८५.६,नैतिक कुम्भलवार ८५.४, रागिनी गहे ८४.६, प्राची बानेवार ८४, आयुषी लिल्हारे ८३.४,आर्यन गोले ८२.२, अक्षरा खरोले ८१.४, दिपेश दशहरे८१.४ प्रतिशत रहा। प्राचार्य और शाला परिवार के द्वारा सभी बच्चों को बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गई है।

महिला विधेयक बिल के पास ना होने के कई कारण

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओं से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं ऐ सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया।

मर्यादा पुरषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैं जो पुरुष होते हैं उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है, जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है। मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं। देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला, सत्यव्रती, दृ? प्रतिज्ञ, सदाचार से युक्त, सबका हितैषी ,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय,क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है। ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं। राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी। प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य, अधर्म, अन्याय, अत्याचार, आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था। पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार करते रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था। सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और ह्रदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे। इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है। वे शासक नहीं परिपालक हैं। राम और हिन्दुस्तान का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन गई है। श्री राम के चरित्र को देखकर कोई भी व्यक्ति या समूह अपना चरित सुधार सकता है। राम आदर्श गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का निर्माण ही उनका उद्देश्य है। श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों और एपिक महाकाव्य रामायण में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा, न्यायप्रिय, सामरिक कुशल, प्रेमी पति, सदभक्त, धर्म का पालन करने वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है।इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे, नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान। इसी इस बात से समझ सकते हैं भगवान राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे रावण को जो अधर्मी था और घमंड और सर्वशक्तिमान समझता था इसलिए भगवान राम को धर्म और मानवता को बचाने के लिए एक लम्बी लड़ाई रावण से लड़नी थी।

अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक- भगवान् श्री परशुराम

प्रेम से रीते अपने जनों को पुन: प्रेम पात्र बनाने, और प्रेम राज्य की स्थापना हेतु भगवान् श्रीहरि विष्णु जहां अपनी संपूर्ण कलाओं से युक्त सगुण रूप धारण कर युग युग में प्रकट होते हैं, और अपनी दिव्य लीलाओं के माध्यम से संपूर्ण जगत् में प्रेम सरिता प्रवाहित कर अपने प्रेमी जनों को आनन्द अमृत से ओतप्रोत कर देते हैं, वहीं अंशावतार के रूप में वे पृथ्वी पर व्याप्त अन्याय,अत्याचार, अहंकार एवं दमनकारी वृत्तियों का सर्वथा नाश करते हुए गौ और ब्राह्मणों को अभय भी प्रदान करते हैं।

त्रैता युग के उस महावैभवशाली समय में जब परात्पर ब्रह्म के श्रीराम रुप में अवतरित होने पर संपूर्ण सृष्टि अलौकिक आनन्द वैभव से ओतप्रोत थी, और सब तरफ सात्विक भावों की प्रधानता थी, किंतु ऐसे ऊर्जा वान स्वर्णिम समय में भी मदोन्मत्त क्षत्रिय सत्ताधीशों के अन्याय, आतंक, अत्याचार एवं उनकी दमनकारी कुत्सित मनोवृत्ति के चलते हिंसा, भय और अशांति का वातावरण निर्मित हो गया था, तब युग के उस भीषण काल में भगवान् परशुराम का अभ्युदय हुआ, जिन्होंने सभी पाशविक वृत्तियों को पराभूत कर पृथ्वी पर अहिंसा, शांति और सद्भाव की स्थापना की।

रक्तरंजित एवं विप्लवकारी कालखंड के उस विकराल दौर में जब क्षत्रिय वंश के दुष्ट एवं अत्याचारी क्षत्रिय सत्ताधीशों का बाहुल्य था, और उनके द्वारा ऋषि मुनि, गौ और ब्राह्मणों को असह्य व्यथा पहुंचाई जाने लगी थी, तब उन विषम परिस्थितियों में सर्वशक्तिमान विश्वात्मा भगवान् श्रीहरि ने भृगुवंशियों में परशुराम के रूप में अवतार ग्रहण किया। श्री परशुराम ने शिव प्रदत्त अपने अमोघ, विकराल परशू से आतंक की जड़ पर महाभीषण प्रहार करते हुए पृथ्वी के भारभूत राजाओं का नाश कर पृथ्वी का भार उतार दिया। भगवान् परशुराम शस्त्रधारियों में श्रेष्ठ और अपराजेय योद्धा थे, जिन्होंने भय और आतंक का नाश कर प्रेम, सौहार्द और शांति की स्थापना की, इसीलिए आज भी उनके महान् यश का सारे संसार में गुणगान किया जाता है।

त्रैता कालीन उस चुनौती पूर्ण भीषण दौर में जब क्षत्रिय राजाओं के आतंक से ऋषि मुनि, गौ एवं एवं ब्राह्मण व्यथित थे, और वह व्यथा उस वक्त अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच गई थी, जब ऐसे ही दुष्ट राजाओं में से एक सहस्त्रार्जुन ने भगवान् परशुराम के पिता जमदग्नि ऋषि की हत्या कर दी, तब वह व्यथा अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच गई थी, और पौराणिक काल की उस विकराल, वीभत्स एवं हृदयविदारक घटना

के बाद दुष्ट राजा सहस्त्रबाहु अर्जुन के वध से शुरू हुआ दमनकारी राजाओं के वध का सिलसिला तब रुका जब क्षत्रियों का सर्वनाश हो गया। भगवान् परशुराम ने इक्कीस बार पृथ्वी को क्षत्रिय राजाओं से रहित कर संपूर्ण रुप से पृथ्वी का भार उतार दिया। आरंभ में इन राजाओं ने उनके क्रोधावेग को केवल एक ब्राहमण वेशधारी साधु का प्रलाप मानकर नजर अंदाज कर दिया था, किंतु जब क्षत्रियों पर उनका भीषण कुठार चला तो अंततः वे समूल नाश को प्राप्त हो गए।

श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार परशुराम स्वयं भगवान् विष्णु के अंशावतार हैं, और इनकी गणना दशावतारों में होती है। वे वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि, अर्थात् अक्षय तृतीया को पुनर्वसु नक्षत्र में रात्रि के प्रथम प्रहर, प्रदोषकालीन महावेला में जमदग्नि ऋषि के पुत्र के रूप में माता रेणुका के गर्भ से प्रादुर्भूत हुए थे। इस तरह हैहयवंश का अंत करने हेतु स्वयं भगवान् विष्णु ने परशुराम के रूप में अंशावतार ग्रहण कर दुष्ट राजाओं का नाश किया, और ऋषि मुनियों, गौ और ब्राह्मणों को अभयत्व प्रदान किया। उनकी गणना भगवान् श्रीहरि के प्रिय भक्त के रूप में की जाती है।

श्री परशुराम अजर अमर कहे गए हैं, और सात चिरजीवियों में इनकी गणना होती है। वे आज भी महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं।

श्रीमद्भागवत महापुराण में भगवान् श्री शुकदेवजी महाराज कहते हैं, परीक्षित! जमदग्निनंदन भगवान् परशुराम किसी को किसी प्रकार का दंड नहीं देते हुए आज भी शान्त चित्त से महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं, जहां सिद्ध, गन्धर्व और चारण उनके चरित्र का गुणगान किया करते हैं। आगामी मन्वन्तर में वे सप्तऋषियों के मंडल में रहकर वेदों का विस्तार करेंगे।

भगवान् परशुराम के अवतार का उद्देश्य जहां अत्याचारी राजाओं का समूल नाश था, वहीं दूसरी तरफ शार्ङ्गधनुष की रक्षा भी थी, जिसे त्रैता युग में भगवान् विष्णु के ही अवतार श्री राम को सौंपा जाना था। विश्वकर्मा द्वारा भगवान् विष्णु के लिए निर्मित यह शार्ङ्गधनुष भगवान विष्णु का अत्यंत शक्तिशाली दिव्यास्त्र माना जाता है, जो स्वयं अविनाशी होते हुए भी शत्रुओं के लिए कालरुप था। यही शार्ङ्गधनुष भगवान् परशुराम के समक्ष एक चुनौती के रूप में मौजूद था, जिसे मनुष्य रूप में पृथ्वी पर विचरण कर रहे ब्रह्म को सौंपा जाना था, इसी चिंता से भगवान् परशुराम ब्रह्म का अनुसंधान करने लगे, और जब शिव धनुष भंग होने पर वे राजा जनक की सभा में पहुंचे, तो वहां उनका क्रोधावेश वस्तुत: उस परब्रह्म परमात्मा के अनुसंधान का ही एक प्रयास था, जिसके माध्यम से वे ब्रह्म का दर्शन कर शार्ङ्गधनुष रुपी धरोहर उन्हें लौटाना चाहते थे, और जब महाराज जनक की सभा में श्रीराम और लक्ष्मण के साथ हुए संवाद ने रहस्यात्मक दौर में प्रवेश किया, तब उनका वह अनुसंधान पूर्णता की ओर जा चुका था।

श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार भगवान् श्री राम परशुराम से बोले कि- ब्राह्मण वंश की ऐसी ही प्रभुता (महिमा) है कि जो आपसे डरता है, वह सबसे निर्भय हो जाता है, अथवा जो भयरहित होता है, वह भी आपसे डरता है।

गोस्वामी तुलसीदास आगे कहते हैं-

सुनि मृदु गूढ़ बचन रघुपति के,
उघरे पटल परसुधर मति के ।

अर्थात् भगवान् श्रीराम के इस रहस्यमय वचन को सुनकर श्री परशुराम की बुद्धि के बंद द्वार खुल गए।

प्रभु के रहस्यमय वचन सुनकर और मनुष्य रूप में विचरण कर रहे अपने स्वामी के परमात्म स्वरूप का अनुभव कर परशुराम यद्यपि निश्चिन्त हो चुके थे, तथापि संशय के समूल नाश हेतु उन्होंने भगवान् श्री राम से ही निवेदन किया।

पुराण संहिताओं के अनुसार ब्रह्म के अतिरिक्त अन्य कोई भी महापुरुष शार्ङ्गधनुष पर प्रत्यंचा नहीं चढ़ा सकता। श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास लिखते हैं कि अपने मन में ऐसा विचार कर श्री परशुराम ने भगवान् श्रीराम को दिव्य शार्ङ्गधनुष देते हुए निवेदन किया कि-

राम रमापति कर धनु लेहू,
खैंचहु मिटै मोर संदेहू ।
देत चापु आपुहिं चलि गयऊ,
परसुराम मन बिसमय भयऊ।

अर्थात है राम ! यह लक्ष्मीपति विष्णु का धनुष लीजिए और इसे खींचिये, अथवा यह कि- हे श्री राम! इस पर प्रत्यंचा चढ़ाइए, जिससे मेरा सन्देह मिट जाए। ऐसा कहकर जब परशुराम प्रभु श्रीराम को धनुष देने को उद्यत हुए तब बड़ी ही विस्मयकारी घटना हुई कि वह धनुष स्वयं ही अपने स्वामी श्री राम के पास चला गया। भगवान् श्रीराम का ऐसा अद्भुत और अलौकिक प्रभाव जानकर श्री परशुराम हर्षातिरेक से भर उठे, और प्रेम गद्गद् हृदय से भगवान् श्रीराम का गुणगान करने लगे। वे बारम्बार श्री राम जय राम जय जय राम का उद्घोष करते हुए उनकी जय-जयकार करने लगे।

- डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

(अक्षय तृतीया- 19 अप्रैल, 2026)

अक्षय तृतीया पर्व है लोक से लोकोत्तर की दिव्य यात्रा

- ललित गर्ग

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्त्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर-दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है 'समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता', जबकि तृतीया का अर्थ है 'चंद्रमा का तीसरा चरण'। इस त्यौहार के साथ-साथ एक अबूझ मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू-जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप-तप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्त्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर-भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की, भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय परम्परा को जन-जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

अक्षय तृतीया यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की उस अखंड धारा का प्रतीक है, जो जीवन को क्षणभंगुरता से उठाकर 'अक्षयता' की ओर ले जाती है। 'अक्षय' अर्थात् जो कभी क्षीण न हो, जो निरंतर प्रवहमान रहे, ऐसी ही भावना का यह पर्व है, जो हमारे लौकिक व्यवहार से लेकर लोकोत्तर साधना तक, हर स्तर पर गहन अर्थ रखता है। यह दिन केवल शुभारंभ का नहीं, बल्कि आत्मारंभ का भी दिन है। भारतीय परंपरा में अक्षय तृतीया को 'अबूझ मुहूर्त' कहा गया है-अर्थात् ऐसा समय, जिसमें किसी विशेष गणना या ज्योतिषीय विचार की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं ही शुभता का पर्याय है। यही कारण है कि इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, व्यापारारंभ जैसे अनेक मांगलिक कार्य बिना किसी संकोच के सम्पन्न किए जाते हैं। यह विश्वास केवल आस्था नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक अनुभव का परिणाम है, जिसने इस दिन को 'सर्वसिद्धिदायक' मान्यता प्रदान की है। लौकिक दृष्टि से देखें तो अक्षय तृतीया भारतीय अर्थव्यवस्था और श्रम-संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। यह दिन किसानों के लिए नई आशा का संदेश लेकर आता है। प्राचीन काल में राजाओं द्वारा श्रेष्ठ किसानों को बीज भेंट करने की परंपरा केवल सम्मान का प्रतीक नहीं थी, बल्कि कृषि को राष्ट्र की आत्मा मानने का सजीव प्रमाण थी। यह विश्वास कि इन बीजों से उत्पन्न अन्न कभी समाप्त नहीं होगा, दरअसल उस श्रम और प्रकृति के समन्वय पर आस्था थी, जो भारतीय जीवन का आधार है। कुम्हारों, शिल्पकारों, पशुपालकों-विशेषकर बैलों के लिए भी यह दिन विशेष महत्त्व रखता है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि सृजन, श्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ही समृद्धि का वास्तविक आधार है। किन्तु अक्षय तृतीया का वास्तविक सौंदर्य उसके लोकोत्तर आयाम में प्रकट होता है, जहाँ यह पर्व आत्मशुद्धि, तप और साधना का महापर्व बन जाता है। जैन परंपरा में यह दिन विशेष रूप से पूज्य है, क्योंकि इसका संबंध प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना से जुड़ा हुआ है। यह वह दिन है, जब दीर्घकालीन तपस्या के उपरांत उनका पारणा हुआ, एक ऐसा क्षण, जिसने तप को तृप्ति और साधना को पूर्णता प्रदान की। कथा के अनुसार, जब भगवान ऋषभदेव ने राजपाट त्यागकर संन्यास धारण किया, तब एक वर्ष से अधिक समय तक उन्हें उचित आहार नहीं मिला। यह केवल भौतिक अभाव नहीं था, बल्कि उस युग की सामाजिक अपरिपक्वता का द्योतक था, जहाँ लोग 'अहिंसक आहार' और 'संयमित जीवन' की अवधारणा से अनभिज्ञ थे। अंततः हस्तिनापुर में राजकुमार श्रेयांस ने उन्हें इक्षुरस अर्पित कर उनकी तपस्या का पारणा कराया। उस क्षण 'अहोदानम्, अहोदानम्' की ध्वनि गूंजी, यह केवल एक आह्लाद नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक चेतना का उद्घोष था, जिसने दान, संयम और साधना को एक नई दिशा दी। यही कारण है कि अक्षय तृतीया जैन साधकों के लिए 'वर्षीतप' जैसे महान तप-अनुष्ठानों का पूर्णाहुति दिवस है। एक वर्ष तक एकान्तर उपवास करने वाले साधक इस दिन पारणा करते हैं। यह तप केवल शरीर को कष्ट देने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा को निर्मल करने की प्रक्रिया है। यह हमें सिखाता है कि भोग से नहीं, त्याग से जीवन अक्षय बनता है। अक्षय तृतीया का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन है। यह हमें बताता है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल संसाधनों का संचय नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि है। भारतीय संस्कृति में 'आत्मा' को सर्वोपरि सत्य माना गया है, और उसकी खोज को जीवन की सर्वोच्च साधना। यह पर्व उसी खोज का निमंत्रण है, एक ऐसा निमंत्रण, जो हमें बाह्य जगत से भीतर की यात्रा पर ले जाता है। ऋषभदेव का जीवन इस संदर्भ में अत्यंत प्रेरणादायक है। 'ऋषभ' शब्द का एक अर्थ बैल भी है-जो श्रम, धैर्य और स्थिरता का प्रतीक है और दूसरा अर्थ है तीर्थंकर-जो आत्मोद्धार और लोकमंगल का मार्ग प्रशस्त करता है। इस प्रकार उनका जीवन भौतिक और आध्यात्मिक-दोनों आयामों का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने समाज को कृषि, शिल्प, व्यापार जैसी जीवनोपयोगी विधाएं दीं, और साथ ही आत्मा की मुक्ति का मार्ग भी दिखाया। यही समग्रता अक्षय तृतीया के दर्शन में भी झलकती है। आज के संदर्भ में यह पर्व और भी प्रासंगिक हो उठता है। जब मानव जीवन भौतिक उपलब्धियों की दौड़ में उलझा हुआ है, तब अक्षय तृतीया हमें संतुलन का पाठ पढ़ाती है। यह हमें याद दिलाती है कि केवल भौतिक समृद्धि से जीवन पूर्ण नहीं होता। यदि भीतर शांति नहीं, तो बाहरी वैभव भी निरर्थक है। और यदि भीतर संतोष है, तो सीमित साधनों में भी जीवन अक्षय बन सकता है। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि साधना केवल मठों और आश्रमों तक सीमित नहीं है। यह जीवन की प्रत्येक क्रिया में संभव है, यदि उसमें सजगता, संयम और समर्पण का भाव हो। एक किसान जब श्रद्धा से बीज बोता है, एक कुम्हार जब मिट्टी को आकार देता है, एक गृहस्थ जब ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करता हैकृतब वह भी एक प्रकार की साधना ही कर रहा होता है। अक्षय तृतीया का सांस्कृतिक महत्व भी अत्यंत व्यापक है। यह पर्व भारतीय जीवन की उस समन्वयकारी दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें भौतिकता और आध्यात्मिकता विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यहाँ अन्न का भी सम्मान है और आत्मा का भी। यहाँ श्रम का भी महत्व है और ध्यान का भी। यही संतुलन भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। व्यक्तिगत स्तर पर यह दिन आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में झांकें, क्या हमारा जीवन केवल उपभोग में व्यतीत हो रहा है, या उसमें कोई उच्च उद्देश्य भी है? क्या हम केवल संग्रह कर रहे हैं, या कुछ त्याग भी कर पा रहे हैं? क्या हम केवल बाहर की दुनिया को संवार रहे हैं, या भीतर की दुनिया को भी प्रकाशित कर रहे हैं?

अक्षय तृतीया हमें यह संदेश देती है कि यदि हम अपने जीवन में तप, संयम और सेवा को स्थान दें, तो हमारा जीवन भी 'अक्षय' बन सकता है। यह अक्षयता केवल धन या वस्तुओं की नहीं, बल्कि पुण्य, शांति और आत्मिक संतोष की होती है, जो कभी समाप्त नहीं होती। आज आवश्यकता है कि हम इस पर्व को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखें, बल्कि इसके गूढ़ संदेश को अपने जीवन में उतारें।

हमारी आस्था,संस्कृति की धारा, सद्भाव, समभाव समावेश की है

भारत अपनी बुनियादी नीव,एकता अखंडता सामाजिक उदारवाद, अलौकिक प्राकृतिक संसाधनों, धर्मनिरपेक्षता, अनेकता में एकता, सौहार्दपूर्ण वातावरण और शांतिप्रिय संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है।मैं एडवोकेट किशनसनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि वैश्विक स्तर पर इन सभी खूबियों की चर्चा कर तारीफ़ और उदाहरण पेश किया जाता है जो प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हम सुनते हुए देखते हैं, तो हम गर्व महसूस करते हैं कि हम ऐसे देश के नागरिक हैं जहां सभी जाति, धर्म, उपजाति, भाषाओं, उप भाषाओं के नागरिक खूबसूरती से एक साथ मिलजुल कर रह रहे हैं और देश के विकास में अपने अपने स्तर पर भरपूर योगदान दे रहे हैं। युवा राष्ट्र होने के नाते भारत अपने युवाओं, मूल्यवान संपत्तियों, संसाधनों, जग प्रसिद्ध बौद्धिक क्षमता का भरपूर उपयोग कर विश्व नेता बनने के सपने संजोए हुए हैं जिसके लिए विज़न 2047, 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था सहित अनेक विज़न पर कार्य शुरू है।

साथियों परंतु पिछले कुछ दिनों, महीनों से हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देश में कट्टरता, नफ़रत, बुलडोजर, हिजाब, पथरबाज़ी, लाउडस्पीकर, जुलूस पर पथराव, हेट स्पीच, धार्मिक बयानबाजी इत्यादि अनेक वाक्य टीवी चैनलों के माध्यम से, ग्राउंड रिपोर्टिंग के माध्यम से देख, सुन रहे हैं जिससे समाज को ऐसी क्षति होने की संभावना है जिसकी भरपाई करने में शायद हमारे समय, मूल्यवान संपत्ति, संसाधनों और युवा शक्ति का भारी नुकसान होने की संभावना से हम इनकार नहीं किया जा सकता जिसका उपयोग हम नए भारत के नए प्रस्तावित विजनों के लिए उपयोग कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत देश की बुनियाद की करें तो अमन-चैन, सौहार्दपूर्ण वातावरण, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता, त्योहारों के साझा उत्सव, विभिन्न अवस्थाओं में संबंधों के बीच अच्छे पड़ोसी वाले संबंध, युगों से हमारे समाज और देश के गौरव पूर्ण विशेषता रही है परंतु बीते कुछ दिनों से एक धार्मिक समुदाय के जुलूस पर मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात में पथराव और अब

कल दिल्ली में भी एक अन्य धार्मिक जुलूस पर पथराव की घटना से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कुछ संकीर्ण मानसिकता वाले तत्व, भारतीय समाज की नींव और राष्ट्रीयता की समग्र समावेशित समभाव विचारधारा, संस्कृति को कमजोर करने की पहल शुरू करने की तैयारियां हो रही है जिसे हम सब नागरिक एकता कर, आपसी भाईचारा कायम कर, विभिन्नता में एकता, सामाजिक उदारवाद, सौहार्दपूर्ण वातावरण तात्कालिक बनाए रखकर ऐसे तत्वों को पुरजोर जवाब देने के लिए सभी जाति, धर्म, समुदाय विशेष को एक साथ मिलकर उन तत्वों का मुकाबला कर भारत की गौरवशाली प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए तात्कालिक कदम उठाने होंगे जिससे आपसी विश्वास बिल्डिंग को मजबूत और अटूट बनाए रखा जा सकता है।

साथियों बातें कर हम 10 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में एक धार्मिक शोभायात्रा के अवसर पर हुई हिंसा का घाव अभी सूखा भी नहीं था कि राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी में दिनांक 16 अप्रैल 2022 शाम को धार्मिक शोभायात्रा यात्रा के अवसर पर टीवी चैनलों पर दिखाया गया जमकर हिंसा हुई। हिंसा और उपद्रव में कौन शामिल है, इसका पता नहीं चल पाया है, लेकिन राजधानी में तनाव पसर गया है।उपद्रवियों द्वारा कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी गई है और पुलिस कर्मी भी घायल हुए हैं, जिस समय धार्मिक पर्व पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी, तब ये हिंसा शुरू हुई और देखते ही देखते कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस पर भी हमला किया गया ऐसा मीडिया में बताया गया।

साथियों बात अगर हम विपक्ष के 13 नेताओं के संयुक्त बयान की करें तो उन्होंने अपने संयुक्त बयान में देश में हुई हालिया सांप्रदायिक हिंसा और घृणापूर्ण भाषण संबंधी घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जतायी और लोगों से शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। इसके साथ ही विपक्षी नेताओं ने इन मुद्दों को लेकर पीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाया हैजिस पर सत्ताधारी प्रवक्ता द्वारा आक्षेप लिया गया ऐसा टीवी चैनलों पर दिखाया गया है। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा एक कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, हमारी सभ्यता और संस्कृति ने हजारों वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाई है। हमारी आस्था, हमारी संस्कृति की धारा सद्भाव की है, समभाव की है, समावेश की है। इसलिए जब बुराई पर अच्छाई को स्थापित करने की बात आई तो प्रभु राम ने सक्षम होते हुए भी, खुद से सब कुछ करने का सामर्थ्यव होने के बावजूद भी उन्होंने सबका साथ लेने का, सबको जोड़ने का, समाज के हर तबके के लोगों को जोड़ने का, छोटे-बड़े जीवमात्र को, उनकी मदद लेने का और सबको जोड़ करके उन्होंडने इस काम को संपन्न किया। और यही तो है सबका साथ, सबका प्रयास। ये सबका साथ, सबका प्रयास का उत्तम प्रमाण प्रभु राम की ये जीवन लीला भी है, जिसके हनुमान जी बहुत अहम सूत्र रहे हैं। सबका प्रयास की इसी भावना से आज़ादी के अमृतकाल को हमें उज्जवल करना है, राष्ट्रीय संकल्पों की सिद्धि के लिए जुटना है।

उन्होंने बल देते हुए कहा कि यह हमारी आध्यात्मिक विरासत, संस्कृति और परंपरा की शक्ति है जिसने गुलामी के कठिन दौर में भी अलग-अलग हिस्सों को एकजुट रखा। इसके माध्यम से स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय प्रतिज्ञा के एकीकृत प्रयासों को मजबूत किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हजारों वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद, हमारी सभ्यता और संस्कृति ने भारत को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाई है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत की विविधता में एकता, सामाजिक उदारवाद, धर्मनिरपेक्षता बुनियादी नीव है जिसे बनाए रखना हम सबका कर्तव्यहमारी आस्था, संस्कृति की विचारधारा, सद्भाव, समभाव समावेश की है। भारत की विविधता में एकता, सामाजिक उदारवाद, धर्मनिरपेक्षता, बुनियादी नीव और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है जिसे बनाए रखना हम सब का कर्तव्य हैं।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मिलों की कमजोर लेवाली से शनिवार को भी तुअर में बाजार मंदी के रहे। चना 5500-5600 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार सुस्त रहे। किराना जिंसों में केसर बाजार मजबूत नज़र आये। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में मिलों की लेवाली अटकने से बाजार लगातार मंदी पर है। चना 5500-5600 रू. प्रति क्विंटल पर बना हुआ है। उधर, खाद्य तेलों में व्यापार सुस्त है। तिलहनों में बाजार बने रहे। वहीं, किराना जिंसों में केसर बाजार मजबूती पर नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4080-4170, खोपरा गोला 380-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसों दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1680-1700, मुम्बई 1700, राजकोट तेलिया 2640, सोया साल्वेंट 1415-1420, सोया रिफाइंड 1485-1490, कपास्या 1450-1460, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1640, मुम्बई पाम 1440, मुम्बई सोया 1540,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसों 7200-7300, रायड़ा 6200-6300, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5450-5575, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6500-6600, हल्की 6000-6100, महाराष्ट्र सफेद 6900-7100, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 249000, चाँदी (99) 248900, टंच 248000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 154200,

नए लेबर कोड के असर से इन-हैंड सैलरी घटी, भविष्य सुरक्षित!

नई दिल्ली। एजेंसी। 1 अप्रैल से लागू हुए नए लेबर कोड के बाद कर्मचारियों की मासिक इन-हैंड सैलरी में कमी आ सकती है। नए नियम के अनुसार, कर्मचारियों की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता (डीए) अब कुल वेतन का कम से कम 50 फीसदी होना अनिवार्य है। इससे दीर्घकालिक लाभ ब?ेंगे, भले ही तात्कालिक सैलरी कम दिखे। नए नियम के तहत किसी भी कर्मचारी का बेसिक वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) उसकी कुल सैलरी (सीटीसी) का कम से कम 50 फीसदी होना चाहिए, जबकि शेष 50 फीसदी हिस्सा अन्य भत्तों (जैसे एचआरए, ट्रैवल आदि) में शामिल होगा। इस बदलाव के कारण, कर्मचारियों का भविष्य निधि में योगदान बढ़ जाएगा, जिससे उनकी मासिक इन-हैंड सैलरी में कमी आएगी। यह नियम उन कर्मचारियों पर लागू है जिनकी बेसिक सैलरी 15,000 रुपये से अधिक है, कम बेसिक वाले कर्मचारियों की इन-हैंड सैलरी पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भू-राजनीतिक तनाव और तेज रिकवरी से शेयर बाजार का सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहा

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और बदलती वैश्विक उम्मीदों के बीच एक रोलर-कोस्टर यात्रा की। अमेरिका-ईरान वार्ता की विफलता से शुरू हुई भारी गिरावट ने निवेशकों को हिला दिया, लेकिन सप्ताह के मध्य में शांति वार्ता की नई उम्मीदों ने बाजार को जोरदार वापसी करने का मौका दिया। हालांकि, मुनाफावसूली और अस्थिरता ने सप्ताह के बाकी दिनों में अपनी छाप छोड़ी, जिससे यह एक घटनापूर्ण और अप्रत्याशित कारोबारी सप्ताह साबित हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को अमेरिकी-ईरान वार्ता की विफलता की खबर के साथ हुई, जिसने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ घरेलू शेयर बाजार को भी भारी झटका दिया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,600 अंक तक गिरकर 75,939 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 23,600 के नीचे आ गया। बैंकिंग और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आइशर मोटर्स और मारुति

के शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। दिन के अंत तक, सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 77,882.59 पर बंद हुआ और रुपया डॉलर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 93.39 पर आ गया। बाजार की अस्थिरता का सूचकांक वीआईएक्स 13 फीसदी से अधिक बढ़कर 21 के ऊपर पहुंच गया, जो निवेशकों में बढ़ती घबराहट को दर्शाता है। मंगलवार को डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहा, जिसने निवेशकों को भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को पचाने का समय दिया। एक दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को बाजार में जोरदार वापसी देखने को मिली। ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता की नई उम्मीदों समेत कई अन्य कारकों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। सेंसेक्स 1,350 अंक से अधिक की तेजी के साथ खुला और अंततः 1,263.67 अंक बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 भी लगभग 388.65 अंक की छलांग लगाकर 24,231.30 पर पहुंच गया। इस उछाल से बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई, जो लगभग 458 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बैंक और रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया।

एलपीजी संकट होगा खत्म, भारत बिछाएगा 2,500 किमी लंबी पाइपलाइन

नई दिल्ली। एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक रसोई गैस (एलपीजी) और पेट्रोलियम आपूर्ति में संभावित बाधाओं के बीच, भारत सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने देश भर में 2,500 किलोमीटर लंबी चार नई एलपीजी पाइपलाइन बिछाने के लिए 12,500 करोड़ के एक महत्वाकांक्षी मेगा प्रोजेक्ट के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह परियोजना एलपीजी की आपूर्ति को सुरक्षित, सस्ता और अधिक विश्वसनीय बनाने का लक्ष्य रखती है। वर्तमान में एलपीजी को रिफाइनरियों से बॉटलिंग प्लांट तक ट्रकों और टैंकरों के माध्यम से ले जाया जाता है, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम अधिक होता है और लॉजिस्टिक्स लागत भी बढ़ जाती है। पाइपलाइन बिछने के बाद, सड़क हादसों का डर खत्म होगा, गैस की ढुलाई का खर्च कम होगा और ट्रकों से होने वाले उत्सर्जन में कमी आने से पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। इन चार रणनीतिक पाइपलाइन मार्गों में चेरलापल्ली से नागपुर, शिवरापुर ढ्ढ हुबली से गोवा, पारादीप से रायपुर और झांसी से सितारगंज शामिल हैं। ये पाइपलाइनें न केवल वितरण प्रणाली को बेहतर बनाएंगी, बल्कि भंडारण की सुविधा भी प्रदान करेंगी। युद्ध या किसी अन्य वैश्विक संकट की स्थिति में, जब विदेशी आपूर्ति बाधित हो सकती है, इन पाइपलाइनों में मौजूद गैस देश की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह पहल भारत को एलपीजी आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनाने और उसकी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

सरकार ने ओसीआई नियम बदले, 6 महीने रहने की शर्त खत्म, प्रक्रिया हुई डिजिटल

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत सरकार ने विदेशी भारतीय नागरिकता (ओसीआई) कार्ड धारकों और इसके लिए आवेदन करने वाले प्रवासी भारतीयों के लिए नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी ये नए नियम ओसीआई प्रक्रिया को बेहद आसान और पूरी तरह डिजिटल बना देंगे, जिससे कागजी कार्रवाई कम होगी और आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन करने हेतु भारत में 6 महीने रहने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। नए नियमों के तहत, 8 अप्रैल 2026 से विदेशी नागरिकों को ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन करने से पहले भारत में कम से कम 6 महीने तक रहने की शर्त से मुक्ति मिल गई है। अब पात्र व्यक्ति भारत पहुंचते ही आवेदन कर सकेंगे, बशर्ते उनके पास वैध वीजा और सभी आवश्यक दस्तावेज हों। इसके साथ ही, ओसीआई कार्डधारकों के लिए अब यात्रा से पहले एक डिजिटल ई-अराइवल कार्ड ऑनलाइन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि पीआईओ कार्ड को अब यात्रा दस्तावेज के रूप में पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। सरकार ने विभिन्न ओसीआई सेवाओं के लिए नया शुल्क ढांचा भी निर्धारित किया है- भारत में नया आवेदन- 15,000 रुपए, विदेश में नया आवेदन- 275 यूएसडी। कार्ड खोने या खराब होने पर 100 यूएसडी (लगभग 8,300 रुपए)। 20 साल की उम्र के बाद जानकारी अपडेट या री-इश्यू- 25 यूएसडी (लगभग 2,100 रुपए)। देरी से पासपोर्ट अपडेट करने पर- 25 यूएसडी विलंब शुल्क। बच्चों और जीवनसाथियों के लिए भी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है। अब बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र का अपोस्टिल होना आवश्यक है, लेकिन माता-पिता की सहमति से उन्हें सत्यापन के लिए बार-बार वीएफएस सेंटर नहीं जाना होगा। वहीं, यदि कोई भारतीय नागरिक या ओएीआई कार्डधारक का विदेशी जीवनसाथी है, तो पासपोर्ट रिन्यू होने पर नई फोटो और विवाह घोषणा (मैरिज डिक्लेरेशन) ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा।

आज का राशिफल

मेष- आज सतर्कता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। आमदनी बढ़ने से खुशी मिलेगी, लेकिन हर कदम सोच-समझकर उठाना होगा। पिताजी से काम को लेकर अहम बातचीत होगी। मां की सेहत थोड़ी चिंता बढ़ा सकती है। मन की कोई खास इच्छा पूरी होगी और घर में पूजा-पाठ का माहौल बनेगा। संतान से किया वादा निभाना आज बेहद जरूरी है।

वृषभ- आज का दिन मौके और सीख दोनों लेकर आया है। प्रमोशन की खबर दिल खुश कर सकती है। संतान की इच्छाएं पूरी करेंगे और नया वाहन लेने की योजना भी बनेगी। बस ध्यान रखें। अहंकार को अपने पास भी न फटकने दें, नहीं तो बाद में यही परेशानी का कारण बनेगा। भूमि, भवन या लंबे निवेश के संकेत हैं, कामकाजी चर्चाएं लाभ दे सकती हैं, यात्रा बन सकती है, लेनदेन में साफगोई रखें और जल्दबाजी से बचें।

मिथुन- आज आपकी प्रतिभा चमकेगी और लोग आपकी काबिलियत की तारीफ करेंगे। लेकिन कार्यक्षेत्र में सतर्क रहना होगा। कोई आपके खिलाफ चाल चल सकता है। वैवाहिक जीवन में हल्की तकरार हो सकती है, जिसे समझदारी से सुलझाना बेहतर रहेगा। पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को खुश करेगी, लेकिन किसी सहयोगी से बहस भी हो सकती है। आज नेटवर्किंग और प्रोफेशनल सफलता का दिन है, पद-प्रतिष्ठा बढ़ सकती है, आपकी प्रतिभा लोगों को प्रभावित करेगी, टीमवर्क से बड़ा लाभ मिलेगा।

कर्क- आज आपकी इनकम में बढ़ोतरी के संकेत हैं। दिनभर भागदौड़ रहेगी, लेकिन कुछ खास लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी। मन की इच्छा पूरी होगी और पूजा-पाठ में मन लगेगा। खोई हुई कोई चीज भी वापस मिल सकती है। अच्छा खाना और अपनों के साथ मेल-मिलाप दिन को खास बना देगा। वरिष्ठों का साथ मिलेगा, प्रबंधन क्षमता चमकेगी, पैतृक मामलों में भी प्रगति संभव है।

सिंह- आज सहयोग और समझदारी का दिन है। सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी। पड़ोस में चल रहा विवाद बढ़ सकता है, इसलिए चुप रहना ही समझदारी है। परिवार में किसी बुजुर्ग की सेहत चिंता दे सकती है। संतान से किया वादा निभाकर आप उनका दिल जीत लेंगे।

कन्या- आज आपको चौकन्ना रहना होगा। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, लेकिन सहकर्मियों का साथ आपको मजबूत बनाएगा। यात्रा करनी पड़े तो पूरी सावधानी रखें। किसी परेशानी का हल पिताजी की सलाह से मिल सकता है। बिजनेस में बदलाव आपके लिए फायदेमंद रहेगा, लेकिन आंख बंद करके भरोसा करना नुकसान दे सकता है।

तुला- आज नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता आपको आगे बढ़ाएगी। जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करेंगे और किसी मनोरंजन कार्यक्रम का आनंद भी लेंगे। लेकिन खर्चों पर लगाम जरूरी है, नहीं तो बाद में आर्थिक दबाव महसूस होगा।

वृश्चिक- आज राहत का दिन है। पुरानी समस्याएं खत्म होने लगेंगी। भाई-बहनों से रिश्ते सुधरेंगे। संतान को नौकरी के लिए बाहर से बुलावा आ सकता है। नए घर का सपना भी आकार ले सकता है। लेकिन जल्दबाजी में लिया गया फैसला गड़बड़ी कर सकता है, इसलिए सोच-समझकर आगे बढ़ें।

धनु- आज का दिन आपके लिए फायदे का है, बस आलस्य से बचें। काम टालेंगे तो आगे चलकर परेशानी बढ़ेगी। बिजनेस के लिए लोन लेने का विचार बन सकता है। प्रॉपर्टी डील में सावधानी रखें और किसी को उधार देने से बचें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

मकर- आज अचानक लाभ मिलने के संकेत हैं। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। रुकी हुई डील फाइनल हो सकती है, लेकिन सोच-समझकर। प्रॉपर्टी खरीदने का अच्छा समय है और परिवार के बुजुर्गों के साथ समय बिताकर मन को शांति मिलेगी।

कुंभ- आज सेहत आपका ध्यान मांग रही है। उतार-चढ़ाव के कारण थोड़ा परेशान रह सकते हैं। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती का प्लान बनेगा, लेकिन अपनी हेल्थ का ध्यान रखना जरूरी है। वैवाहिक जीवन में तालमेल बनाए रखें। घूमने के दौरान कोई अहम जानकारी मिल सकती है और विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के रास्ते खुलेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए लाभकारी है। व्यापार में मीठी वाणी से ही सफलता मिलेगी। परिवार में किसी से कहासुनी हो सकती है, इसलिए शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में जुड़े लोगों को नए अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी की भावनाओं को समझेंगे तो रिश्ते में और मिठास बढ़ेगी। सहयोग की भावना आपको हर जगह आगे ले जाएगी।

शब्दजाल - 8233

जु	श	मु	म	स्ती	त	हो	प	न	र	द
र्म	क्रि	ल	ना	द	म	जा	अं	दा	ज	क
य	के	दो	हे	नि	इ	ना	न	व	टि	रू
ई	ट	स्ती	न	शा	वा	न्सा	क	ले	ज	की
प	दा	सा	भा	ने	तो	हो	न	गो	खा	त
व	जि	त	प	ग	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	प	ब्दा	न	जी	म	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	क	प	क्श	प	भा	र	चो	आ	ख
र	व	त	म	रा	भी	त	ग	अ	न	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
मुं	ब	ई	से	आ	या	मे	रा	दो	स्त	न

शब्दजाल में लारा दत्ता की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

भागमभाग, जुर्म, मस्ती, अंदाज, दोस्ती, आन, इन्साफ, खाकी, मुंबई से आया मेरा दोस्त, जिन्दा.

शब्दजाल - 8232 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7177

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२

३. 'ये प्यार था क्या है' गीत वाली फिल्म-३

६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३

८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२

९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३

१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३

११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३

१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३

१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३

१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२

१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३

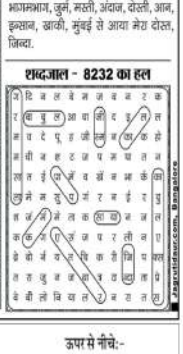

१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२

२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२

२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३

२४. 'रुकी रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२

२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३

२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३

२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३

३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३

३१. विनोद, हेमा, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३

३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३

२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२

४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३,२

५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३

६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४

७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५

१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३

१५. 'हम अब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२

१७. देवानंद, गीता बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४

१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३

१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली बिश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३

२०. मनोजकुमार, नंदा की 'कहते हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४

२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४

२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३

२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२

२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7176

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 109 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि द्वितीया 10.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 07.10 बजे तदनन्तर कृत्तिका 04.35 बजे प्रातः को समाप्त।
योग आयुष्मान 20.02 बजे को समाप्त।
करण कौलव 10.50 बजे तदनन्तर तैतिल 21.08 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 1.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 06'
सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872684
जूलियन दिन 2461149.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद तारीख 01
विशेष अक्षय तृतीया, वर्षी तप पारणा, परशुराम जयंती, त्रेता युग दिवस।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	मेष में
मंगल	मीन में
बुध	मीन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	05.21 बजे से
वृष	07.05 बजे से
मिथुन	09.03 बजे से
कर्क	11.17 बजे से
सिंह	13.33 बजे से
कन्या	15.45 बजे से
तुला	17.55 बजे से
वृश्चिक	20.10 ब.से
धनु	22.26 बजे से
मकर	00.31 बजे से
कुंभ	02.18 बजे से
मीन	03.51 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर [illegible] Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अनमोल धन

एक विचारक थे। वे नास्तिक थे। न ईश्वर को मानते थे और न आत्मा को, सिर्फवर्तमान क्षण में विश्वास रखते थे। अपने शिष्यों के साथ वे नगर से बाहर एक बगिया में रहते थे। एक दिन सम्राट की इच्छा हुई कि इस विचारक से मिला जाए, वह उनकी बगिया में पहुंचा। उसने देखा कि वातावरण बेहद शांत है। सब अपने-अपने काम में मगन हैं। खुश और आनंदित। लेकिन भौतिक सुविधाओं का अभाव है-न बैठने की जगह, न सर ढंकने के लिए छत, न पानी के लिए कोई कुआं। रसोई की जगह लगभग फाकाकशी के हालात। फिर भी संत आनंदित थे। सम्राट हैरान हुआ और प्रभावित भी। उसने विचारक से कहा, 'मैं आपको कुछ भेंट भेजना चाहता हूं। बताइए क्या मंगा दूं, जिस चीज की भी आपको जरूरत हो।' यह सुनते ही विचारक के माथे पर बल पड़ गए। उसने मानो दुखी हो कर कहा, 'आपने तो हमें चिंता में डाल दिया, क्योंकि हम भविष्य का तो कोई विचार ही नहीं करते। अभी पास जो है, उसी का आनंद लेते हैं। जो नहीं है, वह आ जाए तो भला हो जाए, उस तरह सोचते ही नहीं। अब आपने दुविधा में डाल दिया है। विचार करना पड़ेगा, सोचना होगा कि आपसे क्या मांगें।' फिर बोले, 'हां एक रास्ता है। आज ही हमारी इस बगिया में एक नया शिष्य आया है। वह अभी तक यहां के वातावरण में घुल-मिल नहीं पाया है। उससे पूछ लेते हैं, शायद उसे किसी चीज की जरूरत हो।' शिष्य से पूछा गया। वह थोड़ी देर सोचता रहा, फिर बोला, 'कुछ भेंट ही करना चाहते हैं तो थोड़ा मक्खन भेंट कर दें। यहां रोटियां बिना मक्खन के बनती हैं।' सम्राट स्वयं मक्खन लेकर आया। उसने देखा कि उसका वहां ऐसा स्वागत हुआ, मानो स्वर्ग उतर आया हो। मक्खन खा कर सभी नाचे और आनंदित हुए। सम्राट को तब यह अहसास हुआ कि मेरे पास इतना सब कुछ है, फिर भी मैं आनंद नहीं मनाता। शायद मैंने संतुष्ट होना ही नहीं सीखा।

सूडोकु नवताल- 7486

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7485 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

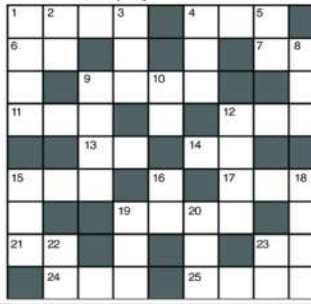

शब्द पहेली - 8701

बाएँ से दाएँ

1. रमण योग्य-4
4. साल, वर्ष-3
6. बांया-2
7. राय, वोट-2
9. तकरार, कहासुनी-4
11. अंधकार, अंधेरा-3
12. सरल, आसान-3
13. चील, ईगल-2
14. देवदास की प्रेमिका-2
15. सूली, क्रूस-3
17. कारण-3
19. मन को हरने वाला-4
21. कार्य, काज-2
23. बाण, तीर-2
24. दबाना, कुचलना-3
25. हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. परंपरा, रीति-रिवाज-4
2. संस्कृत में 'मेरा'-2
3. भरोसा, विश्वास-3
4. दीदी, भगिनी-3
5. समान, एक जैसा-2
8. अंधेरा, अंधकार-3
9. बोरिया बिस्तर-4
10. रिहा-2
12. तालाब, जलाशय-4
15. तमीज, शिष्टता-3
16. मछली, एक राशि-2
18. ज्वरताप-4
19. चिंतन, विचार-3
20. रनिवास (उर्दू-3)
22. नशा, अभिमान-2
23. पार्थिव देह, लाश-2

शब्द पहेली -8700 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

तेज रफ्तार मोटर साइकिल किलोमीटर पत्थर से टकराई एक की मौत एक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत ग्राम मिरीया में घटित हुये एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई तथा दुसरा गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार महेन्द्र पिता दुर्योधन सोनवाने उम्र 25 वर्ष निवासी चंगेरा थाना रामपायली जो कि अपने भतीजे लोकेश पिता धनलाल वाघारे उम्र 18 वर्ष के साथ अपनी ससुराल मिरीया आये हुये थे। 18 अप्रैल को दोपहर करीब 3 से 4 बजे के बीच कारंडा बाजार सामग्री क्रय करने गये थे, वापस अपने ग्राम मिरीया अपनी मोटर सायकल एमपी 50 जेडसी 8205 से आ रहे थे तभी मिरीया के पास सड़क किनारे स्थापित किलोमीटर अंकित मील के पत्थर से मोटर सायकल जा टकराई, हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही मोटर सायकल में सवार लोकेश पिता धनलाल वाघारे की घटना स्थल पर मृत्यू होना बताया गया तथा महेन्द्र सोनवाने गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को देखते ही स्थानीय लोगो के द्वारा 108 एंबुलेंस एवं डायल 112 पुलिस वाहन को सूचित किया गया मौके पर डायल 112 के पुलिस पंहुचकर घायल महेन्द्र सोनवाने को तत्काल लाकर भर्ती करवाकर उपचार करवाया गया जहां घायल के पैर में गंभीर चोट होने के चलते गोंदिया रिफर किया गया, वहीं मृतक लोकेश के शव को बहेला पुलिस के द्वारा सामुदायिक अस्पताल बहेला ले जाकर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है साथ ही पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर घटना को विवेचना में लिया गया है।

आज अक्षय तृतीया पर कलश भरने के साथ होंगे अनेक शुभकार्य

पद्मेश न्यूज। लांजी। वैशाख मास शुक्ल पक्ष की तृतीया को अक्षय तृतीया आखातीज भी कहते हैं। अक्षय का अर्थ होता है जो कभी खत्म ना हो और इसलिए ऐसा कहा जाता है कि अक्षय तृतीया वह तिथि है जिसमें सौभाग्य व शुभफल का कभी क्षय नही होता। इस होने वाले कार्य मनुष्य के जीवन को कभी न खत्म होने वाले शुभ फल प्रदान करते है। नगर व क्षेत्र में परंपरा अनुसार इस दिन अपने पितरों की याद में कलशा भरा जाता है एवं तरह-तरह के व्यंजन बनाकर उन्हें भोग लगाया जाता है। पौराणिक दृष्टि से मान्यता है कि इसी दिन से त्रेता युग का आरंभ और भगवान परशुराम का अवतार हुआ था। इस दिन गंगा स्नान का विशेष महत्व है और भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। अक्षय तृतीया को स्वयं सिद्ध मुहूर्त माना गया है। किसी भी कार्य को करने के लिए पंचांग देखने या मुहुर्त निकलवाने की आवश्यकता नहीं होती। इस बार अक्षय तृतीया पर की गई खरीदारी भी विशेष रूप से समृद्धि देने वाली होगी। अपने नाम के अनुरूप इस दिन किए गए कार्य का कभी क्षय नहीं होता। इसीलिए शुभ और मंगल कार्यों के लिए अक्षय तृतीया का दिन बहुत शुभ है। इस दिन रिश्ता रोकना, वाग्दान संस्कार, विवाह संस्कार आदि कार्य होते हैं। व्यापार आरम्भ,

नींव पूजन, गृह प्रवेश, वाहन खरीदना, कोई नई वस्तु खरीदना आदि कार्य किए जा सकते हैं। अक्षय तृतीया के दिन स्वर्ण खरीदना शुभ माना गया है। अगर सोना नहीं खरीद रहे हैं तो इस दिन किसी भी नई वस्तु की खरीदारी कर सकते हैं। इस दिन किया गया दान अक्षय रहता है, इसीलिए अक्षय तृतीया के दिन अपनी सामर्थ्य के अनुरूप निर्धनों, ब्राह्मणों और धार्मिक स्थलों में दान अवश्य करना चाहिए।

बहेला शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल 10वीं - 12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम सराहनीय

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल के द्वारा सत्र 2025-26 कक्षा

दसवी एवं बारहवी का परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल को घोषित किया गया। जिसमें शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल बहेला से कक्षा 10 वीं के 91.67 प्रतिशत एवं 12 वी के 88.96 प्रतिशत छात्र सफल रहे। प्रथम स्थान महिमा वाल्दे 94.6 प्रतिशत, द्वितीय दिप्ती डाहरे 94.2 प्रतिशत, तृतीय भविष्य उरकुड़े 94 प्रतिशत ने प्राप्त किया।इसी प्रकार कक्षा 12 वीं में 88.96 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए जिसमें तुषार नगपुरे 93.6 प्रतिशत प्रथम , कावेरी पटले 92.6 प्रतिशत द्वितीय, आस्था मस्करे 91.4 प्रतिशत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष भी कक्षा 10 वीं में आठ

छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए जबकि पिछले वर्ष बारह छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किया था। छात्रों की इस उपलब्धि तथा वार्षिक परीक्षा परिणाम पर संस्था के प्राचार्य गणेश फरदे द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाई दी। ज्ञात हो कि कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के व्यावसायिक परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। इसके लिए व्यावसायिक प्रशिक्षक चन्द्र प्रकाश लिल्हारे एवं प्रेमानंद लिल्हारे बधाई के पात्र हैं। प्राचार्य ने असफल छात्रों को अवगत कराया कि अगले महीने होने वाली द्वितीय परीक्षा की तैयारी करें एवं नियमित रूप से शाला में शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त करें। छात्रों को इस उपलब्धि पर संस्था के सभी शिक्षकों,पालक शिक्षक संघ एवं शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवं समस्त सदस्यों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

दो कारों की आमने सामने जबरदस्त भिड़ंत, तीन लोग गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी दुलापुर मार्ग पर नवीन पेट्रोल पंप के सामने 17 अप्रैल की मध्य रात्रि में एक भीषण सड़क हादसा घटित हुआ जिसमें दो कारें आमने सामने टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कारों में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल होना बताया गया है। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 एवं 18 अप्रैल की दरम्यानि रात्रि करीब 12:30 बजे अर्टिगा वाहन एमपी 50 जेड सी 3931 जो कि साडरा से घोटी घुसमारा जा रहे थे वहीं दुसरी ओर ग्राम गुलवा भानेगांव से डस्टन एम एच 14 एफ जी 9779 ग्राम कटंगी जा रहे थे जैसे ही दोनो वाहन लांजी दुलापुर नवीन पेट्रोल पंप के सामने पंहुचे तो दोनो कारो में आमने सामने जबरदस्त भीडंत हो गई। अर्टिगा कार टक्कर मारते ही बीच रोड़ पलट गई चारो चक्के उपर हो गये जिसमें करीब 5 लोग सवार थे। वहीं डस्टन कार में भी 4 से 5 लोग सवार थे। हादसे मे डस्टन कार मे सवार शैलेष पिता दीपक शिंदेकर उम्र 31 वर्ष निवासी पारसिवनी जिला नागपुर महाराष्ट्र, तथा रजनी पति बेनीशंकर उमरे निवासी कटंगी सहित एक और को अधिक चोटे आई है। घटना की जानकारी लगते ही लांजी पुलिस मौके पर पंहुचकर डायल 112 से घायलों को सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती किया गया। वहीं घटना कारित करने वाले वाहन अर्टिगा में सवार लोग को भी मामूली चोटे आना बताया गया है जो कि अन्य वाहनो से अपने गंतव्यो पर जाना बताया गया। लांजी पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

अम्बेडकर जयंती पर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सुनील मेश्राम को किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। किरनापुर/बालाघाट। सुदूर वनांचल आदिवासी क्षेत्र में डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर जयंती बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। इस पावन अवसर पर शील, दीप, बुद्ध विहार पल्हेरा, द्वारा धम्म पेंटिंग प्रदान करके अपने उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाने वाले राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक सुनील मेश्राम को बुद्धिष्ट सोसायटी पल्हेरा द्वारा सार्वजनिक स्तर पर सम्मानित किया गया। बताया

गया कि सुनील मेश्राम जी द्वारा बुद्धिष्ट सोसायटी पल्हेरा की स्थापना, बाबा साहेब के मंच का निर्माण कार्य एवं बाद में बुद्ध विहार पल्हेरा की शुरुआत करवाई गयी थी । सुदूर जनजातिय क्षेत्रों में गांव-गांव घूमकर फूले-अम्बेडकर के विचारों की सामाजिक क्रांति और शिक्षा को बढ़ाने का कार्य किया गया, समाज में सामाजिक एकता, समानता और स्वतंत्रता के लिए कार्य करते रहें। सुनील मेश्राम ने कुओ से पानी भरने की समस्या एवं अंधविश्वास और सामाजिक कुरुतियों के खिलाफ संघर्ष किया एवं छुआछूत के शिकार भी हुये। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में कार्य करते हुये गांव-गांव संगोष्ठियों के माध्यम से शैक्षणिक कार्यक्रमों को संचालित करते हुये शिक्षा का प्रचार प्रसार किया। 135 वी जयंति के अवसर पर समाज द्वारा रैली निकाली गयी। उपस्थित विकासखंड अधिकारी नरेन्द्र वैद्य जी एवं वक्ताओं ने अपने विचारों में भारतीय संविधान, भारत की अखंडता और शिक्षा पर अपने विचारों से अवगत करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य जी.एस. कामड़े, एवं आभार प्रदर्शन बाबूलाल वैद्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सविता वैद्य, शकुन घरड़े, कुसपता मेश्राम, प्रियंका धुर्वे, बेबी मेश्राम, कंचना घरड़, प्रमिला बंसोड, सुशीला वासनिक, चंद्रशिला बंसोड़ का विशेष सहयोग रहा ।

झंडे उठाने वाले, झंडे गाड़ नहीं सकते -संजय अश्क समतपुरी में कवि सम्मेलन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। नांदी। कटंगी मुख्यालय से 9 किमी दूर ग्राम समतपुरी में महात्मा फुले और बाबा साहेब आम्बेडकर की संयुक्त जयंती 17 अप्रैल को बड़े धुम-धाम से मनाई गई। ग्राम में शाम को रेली निकालकर मंचीय उद्घोषन दिया गया। फिर रात्रि 9.30 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां जिले की नामचीन हस्तियों ने शिरकत कर एक शाम बाबा साहेब के नाम कार्यक्रम को यादगार बना दिया । स्थानीय कवि गोंविदा गावडी के संयोजन और राष्ट्रीय कवि शैलेश शैल के बेहतरीन संचालन में रात 1 बजे तक श्रोताओं ने कविताओं का आनंद लिया।स्व टीवी फेम लता शबनम की सुमधुर आवाज में बुद्ध वंदना की गई। तत्पश्चात पुलपुट्टा के युवा कवि की कविताओं से मंच की शानदार शुरुआत की गई। उनकी पंक्तियां दुम हिलाने वाले शेर सा दहाड़ नहीं सकते, तूफानों से डरने वाले बन पहाड़ नहीं सकते। इसके उसके पिछे ही घुमते रह जायेंगे, झंडे उठाने वाले, झंडे गाड़ नहीं सकते।खूब पसंद की गई। उसके बाद मनोज रामटेके के मुक्तक पर खूब तालियां मिली। बालाघाट की कवयित्री लता शबनम की

पंक्तियां मेरा शत् शत् नमन है देश के उस युग प्रणेता को हमे हक दे गया उस शेरे दिल जांबाज नेता को ,हमारे पांवों से जूल्मो की बेड़ी तोड़ दि जिसने नमन प्रज्ञा प्रकाशी धन्य उस भिमाई माता को।पर खूब वाहवाही मिली।अंतू इकास के हास्य पर खूब ठहाके लगे। उनका भीम गीत बहुत पसंद किया गया। गोंविदा गावडी के गीत कानों में मिश्री की तरह घुल गये।अंत में शानदार संचालन करते देश के मशहूर कवि शैलेश शैल की कविताओं ने शमां बांध दिया। उनकी पंक्तियां आसमां से ऊँचे काम जिसके है,दुनिया में चर्चे सरेआम उसके है। दासता से मुक्ति दिलाकर बतला दिया भीम ने ,हम है मी के मालिक गुलाम किसके है।ने सबका दिल जीत लिया।अंत में सभी कवियों का आभार समिति ने व्यक्त किया।

श्रीमती शांताबाई खुशाल चुटे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम कारंजा निवासी पूर्व सरपंच धर्मेंद्र बाडा भाऊ चुटे की माताजी श्रीमती शांताबाई खुशाल चुटे का 17 अप्रैल को रात्रि 9 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र धर्मेन्द्र बाड़ा चुटे व दिलीप चुटे एवं एक पुत्री का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गई। शांताबाई एक सरल, सज्जन और धार्मिक स्वभाव की महिला थीं। उन्होंने अपने जीवन में परिवार और समाज के प्रति हमेशा समर्पण और सेवा का भाव रखा। उनका स्नेह, मार्गदर्शन और अपनापन हमेशा हम सबके दिलों में जीवित रहेगा। जिनका अंतिम संस्कार 18 अप्रैल को दोपहर 12 बजे कारंजा की छोटी बाघ नदी के किनारे किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में इष्टमित्र, रिश्तेदार, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने शामिल होकर उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की तथा इस दुख की घड़ी में ईश्वर से परिवार को शक्ति प्रदान करने तथा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

दो दिवसीय कपिदेलदेव प्रीमियर लीग का सफल आयोजन, छात्रों ने दिखाया खेल कौशल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड़-बारासिवनी में 15 एवं 16 अप्रैल 2026 को दो दिवसीय कपिदेलदेव प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष से लेकर चतुर्थ वर्ष तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रीमियर लीग का आयोजन डॉ. सुनील कुमार रजक एवं डॉ. पूजा गोस्वामी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन की खास बात यह रही कि विद्यार्थियों के साथ-साथ महाविद्यालय के स्टाफ ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे प्रतियोगिता का माहौल और अधिक रोचक एवं ऊर्जावान बन गया। प्रतियोगिता में थर्ड ईयर बॉयज टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम की। वहीं छात्राओं एवं स्टाफ के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में छात्राओं ने विजय प्राप्त कर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट परिचय दिया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. धनश्याम देशमुख की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करता है। इस सफल आयोजन में स्टाफ सदस्य डॉ. शैलेन्द्र भलावे, डॉ. रमेश अमूले, श्रीमती बरखा मेश्राम, कमलेश्वर गौतम, अनिल उराड़े एवं संदीप डेकाते की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को बधाई दी गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

निगम-मंडल और प्राधिकरणों के नाम तय!

दिल्ली से मिली हरी झंडी...राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी में सरकार

भोपाल। मप्र में निगम मंडल, प्राधिकरणों के नाम लगभग तय हो गए हैं। दिल्ली से नामों को हरी झंडी मिल गई है। सत्ता और संगठन के बीच अधिकांश नामों पर सहमति बना ली है और इन्हें केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी भी मिल चुकी है। माना जा रहा है कि जल्द ही आधिकारिक आदेश जारी कर दिए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, प्रमुख विकास प्राधिकरणों के लिए नाम लगभग तय हो चुके हैं। भोपाल विकास प्राधिकरण में चेतन सिंह का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है, जबकि इंदौर विकास प्राधिकरण के लिए हरिनारायण यादव पर सहमति बन चुकी है। इसी तरह देवास विकास प्राधिकरण में बहादुर मुकाती को जिम्मेदारी मिल सकती है। जबलपुर में भी संदीप जैन का नाम चर्चा में बना हुआ है।

हालांकि ग्वालियर और उज्जैन विकास प्राधिकरण को लेकर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है। इन दोनों शहरों के लिए नामों पर विचार-विमर्श जारी है, लेकिन संकेत हैं कि यहां भी जल्द सहमति बन जाएगी। निगमों और आयोगों के पदों के लिए भी कई नाम तय कर लिए गए हैं। अनुसूचित जाति आयोग में कैलाश जाटव और अनुसूचित जनजाति आयोग में भात सिंह नेताम को जिम्मेदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है। वहीं युवा आयोग के लिए प्रवीण शर्मा का नाम सामने आ रहा है। इसके अलावा सहकारी क्षेत्र और अन्य संस्थाओं में भी नियुक्तियों की तैयारी है। अपैक्स बैंक से जुड़े महेंद्र सिंह यादव को सहकारी संस्था में अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। लघु उद्योग निगम में विनोद गोटिया का नाम सामने आया है, जबकि मध्यप्रदेश हाउसिंग कॉर्पोरेशन में संजय नगाइच को मौका दिए जाने की चर्चा है। वित्त विकास निगम के लिए दीपक सक्सेना

और खेल प्राधिकरण के लिए रामलाल रौतेल के नाम भी प्रमुखता से लिए जा रहे हैं। वहीं कटनी और ओरछा विकास प्राधिकरण के लिए भी नामों पर सहमति बन चुकी है। कुल मिलाकर, सभी प्रमुख पदों के लिए नाम तय होने के बाद अब औपचारिक घोषणा का इंतजार है। इन नियुक्तियों के बाद लंबे समय से खाली पड़े पदों पर कामकाज फिर से गति पकड़ने की उम्मीद है।

इनको भी मिल सकता है मौका

पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया,पूर्व मंत्री रामनिवास रावत, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, पूर्व मंत्री कमल पटेल, पूर्व मंत्री रामपाल सिंह, पूर्व मंत्री इमरती देवी, अंचल सोनकर, संजय शुक्ला, अलकेश आर्य, कलसिंह भाबर शामिल हैं।

रेस में कई विधायकों का भी नाम

विधायक अजय बिश्नोई, शैलेंद्र जैन, प्रदीप लारिया, पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह, अभिलाष पांडे और आशीष शर्मा शामिल हैं।

राप्रसे के 13 अफसर बनेंगे आईएएस

- गैर-राप्रसे अधिकारियों को फिर नहीं मिला मौका

भोपाल। मध्य प्रदेश में जल्द ही 13 राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) अधिकारियों को आईएएस पद पर पदोन्नति मिल सकती है। इस बार भी गैर-राप्रसे अधिकारियों को मौका नहीं मिलेगा, जिससे मामला चर्चा में है। मध्य प्रदेश में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसके लिए जल्द ही विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित होगी, जिसमें 13 पदों पर चयन किया जाएगा। हर साल की तरह इस बार भी गैर-राप्रसे अधिकारियों को पदोन्नति का मौका नहीं मिलेगा। राप्रसे संघ के विरोध के चलते यह प्रक्रिया केवल एसएएस अधिकारियों तक ही सीमित रखी गई है। जानकारी के अनुसार, 13 पदों के लिए कुल 39 अधिकारियों के नामों पर विचार किया जाएगा। नियम के अनुसार, एक पद के लिए तीन नामों को 'जोन ऑफ कंसिडरेशन' में रखा जाता है। इसी आधार पर सूची तैयार कर आगे की प्रक्रिया के लिए भेजी गई है। संभावित नामों में डॉ. इच्छित गढ़पाले, जयेंद्र कुमार विजयावत, डॉ. अभय सिंह खरारी, रजनीश कसेरा, एकता जायसवाल, हृदयेश कुमार श्रीवास्तव, लता शरणागत, महीप किशोर तेजस्वी, मिलिंद कुमार नागदेवे, राज कुमार खत्री, कृष्ण कुमार रावत, प्रियंका गोयल, अभिषेक दुबे, नरोत्तम प्रसाद भार्गव, निधि सिंह राजपूत, निमिषा जायसवाल, संदीप कुमार सोनी, रिंकिश कुमार वैश्य, माया अवस्थी, भूपेंद्र कुमार गोयल, मनोज मालवीय, कमल चंद्र नगर, मिनिषा पांडेय, इला तिवारी, सपना एम. लोवंशी, नीता राठौर, शैलेंद्र सिंह सोलंकी, रानी पासी, रंजना देवड़ा, माधवी नागेंद्र, वर्षा सोलंकी,विवेक कुमार रघुवंशी, प्रदीप जैन, अखिलेश कुमार जैन, विशाल चौहान, मेहताब सिंह गुर्जर, अतेंद्र सिंह गुर्जर सुरभि तिवारी,वंदना मेहरा का नाम शामिल है। वर्तमान में सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है और जल्द ही इसे संबंधित प्राधिकरण को भेजा जाएगा। अब सभी की नजरें डीपीसी बैठक पर टिकी हैं, जहां तय होगा कि इन 39 नामों में से किन 13 अधिकारियों को आईएएस बनने का अवसर मिलेगा।

स्कूल शिक्षा और पंचायत विभाग में अनुकंपा के सबसे अधिक मामले लंबित

भोपाल। प्रदेश की सरकार हमेशा दावे करती है कि वह कर्मचारियों और उनके परिवारों के बड़ी हितैषी है। उनके हर दुख दर्द में सरकार सदैव साथ खड़े रहती है। इसी प्रकार अनुकंपा नियुक्ति को लेकर भी बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन अनुकंपा नियुक्ति के लिए आश्रितों को परेशान होना पड़ रहा है। आश्रित परेशान होकर दफ्तर,अफसर और मंत्री के चक्कर लगा-लगाकर अधेड़ हो जाता है लेकिन उसे अनुकम्पा नियुक्ति नहीं मिलती। सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी शासकीय विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का समय पर समाधान नहीं हो पा रहा है। हर विभाग में लंबी अवधि गुजरने के बाद भी दिवंगतों के आश्रितों को सेवा में नहीं लिया गया है। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव का कहना है कि अनुकंपा नियमों में शिथिलीकरण जरूरी है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखा गया है। चीफ सेक्रेटरी के समक्ष भी मुलाकात में इस मुद्दे को रखा गया है। नियमों की जटिलता से प्रकरण उलझे हैं।

जानकारी के अनुसार, स्कूल शिक्षा और पंचायत विभाग में सबसे अधिक मामले लंबित पड़े हैं। अनुकंपा प्रकरणों का समाधान करने विभागवार अभियान चलाने के निर्देश सीएम दे चुके हैं, लेकिन किसी भी विभाग में इसका गंभीरता से पालन नहीं हो रहा है। पंचायत विभाग में पांच सौ प्रकरण अनुकंपा के लंबित पड़े हैं। साल 2011 से एक भी प्रकरण का विभाग में समाधान नहीं हो पाया है। पूर्व और मौजूदा विभागीय मंत्री और प्रमुख सचिव को भी दिवंगतों के आश्रित अपनी पीड़ा बता चुके हैं। स्कूल शिक्षा विभाग में सात सौ प्रकरण लंबित पड़े हैं।

10वीं-12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों को द्वितीय अवसर परीक्षा का मिलेगा मौका - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व और स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारों के परिणामस्वरूप प्रदेश के बच्चों ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। शासकीय स्तर पर की गई पहल के साथ-साथ यह उपलब्धि विद्यार्थियों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत का प्रमाण भी है। इस वर्ष किसी भी छात्र का परीक्षाफल पूरक घोषित नहीं किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अब विद्यार्थियों के लिए द्वितीय परीक्षा आयोजित की जा रही है। जो विद्यार्थी अनुपस्थित रहे, अनुत्तीर्ण हुए या अंक सुधारना चाहते हैं, वे निराश न हों, सरकार उनके साथ खड़ी है। द्वितीय अवसर परीक्षा 7 से 25 मई तक आयोजित होगी। राज्य सरकार द्वारा विद्यार्थियों को पिछली बार से अधिक परिश्रम और बेहतर करने के लिए एक मौका और दिया गया है। अनुत्तीर्ण हुए बच्चों के माता-पिता को ऐसे मौके पर अपने बच्चे के साथ खड़े होने और उन्हें हौसला देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि आज की असफलता से निराश होने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है। जीवन की राह में छोटी-मोटी असफलताएं हमें और अधिक मजबूत बनाने के लिए आती है। गिरकर संभलने वाला ही असली विजेता कहलाता है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जा रही द्वितीय अवसर परीक्षा में ऐसे छात्र जो मंडल की प्रथम परीक्षा में एक या अधिक विषयों में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण रहे हों, सम्मिलित हो सकेंगे। ऐसे परीक्षार्थी जो किसी विषय में उत्तीर्ण हो गए हों, वे भी अंक सुधारने के लिए द्वितीय अवसर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। परीक्षार्थियों का प्रथम एवं द्वितीय अवसर में से जो भी श्रेष्ठ परिणाम होगा, वह अंतिम रूप से मान्य रहेगा। प्रायोगिक विषयों में किसी छात्र को प्रायोगिक और आंतरिक परीक्षा के केवल अनुत्तीर्ण भाग में शामिल होने की पात्रता होगी। द्वितीय अवसर परीक्षा में परीक्षार्थी को विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। द्वितीय अवसर परीक्षा में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन 22 अप्रैल रात 12 बजे तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भरे जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने वाले देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में प्राइमरी स्तर पर ड्रॉप आउट रेट शून्य (द्गडस्) हो गया है। प्रदेश में 369 सर्वसुविधायुक्त सांदीपनी विद्यालय और 730 पीएम श्री स्कूल, शालेय शिक्षा की गुणवत्ता में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं। शिक्षा के लिए बजट में 36 हजार 730 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो पिछले वर्ष से 11त्र अधिक है। यह निवेश अगली पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए है।

खंडवा विधायक के जाति प्रमाण-पत्र का मामला

हाईकोर्ट ने कांग्रेस प्रत्याशी के दस्तावेज अमान्य किए; अब दो हेडमास्टर देंगे गवाही

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर खंडवा विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर दायर चुनाव याचिका में गुरुवार को महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। यह याचिका कांग्रेस प्रत्याशी रहे कुंदन मालवीय ने भाजपा विधायक कंचन तनवे के खिलाफ दायर की है। दरअसल, याचिकाकर्ता मालवीय ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि विधायक तनवे का जाति प्रमाण पत्र नियमों के अनुरूप नहीं है। उनका कहना है कि जाति प्रमाण पत्र में पिता का नाम होना चाहिए, जबकि संबंधित प्रमाण पत्र पति के नाम से जारी किया गया है। इसी आधार पर उन्होंने चुनाव को शून्य घोषित करने की मांग की थी।

सुनवाई के दौरान डिफेंस विटनेस की जिरह पूरी हुई। इसी दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कुछ दस्तावेज अदालत में प्रस्तुत कर उन्हें साक्ष्य के रूप में दर्ज करने का अनुरोध किया गया। इस पर हाईकोर्ट ने प्रस्तुत दस्तावेजों को साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने पाया कि ये दस्तावेज आरटीआई के तहत सहायक लोक सूचना अधिकारी द्वारा जारी प्रमाणित प्रतियां हैं, जो प्राथमिक साक्ष्य नहीं मानी जा सकतीं। साथ ही, इन्हें द्वितीयक साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने के लिए न तो कोई औपचारिक आवेदन दिया गया और न ही मौखिक अनुरोध किया गया। इसके चलते एसडीओ द्वारा 29 नवंबर 2007 को जारी जाति प्रमाण पत्र और तनवे का जिला पंचायत चुनाव का नामांकन पत्र को एग्जिबिट के रूप में चिन्हित नहीं किया गया और कोर्ट ने इन्हें साक्ष्य के रूप में पढ़ने से भी इंकार कर दिया।

अब दो हेडमास्टर देंगे हाईकोर्ट में गवाही

कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई के लिए दो शासकीय स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को गवाह के रूप में तलब करने के निर्देश दिए हैं। इनमें प्राइमरी स्कूल पालसूद माल और मिडिल स्कूल खैगांव के हेडमास्टर शामिल हैं। इन स्कूलों से विधायक ने शिक्षा प्राप्त की थी। इन्हें 6 और 7 मई 2026 को अदालत में उपस्थित होने के लिए समन जारी किए जाएंगे। अगली सुनवाई 6 मई को तय की गई है।

जाति प्रमाण पत्र में पिता की जगह पति का नाम

जानकारी के अनुसार, कंचन मुकेश तनवे जब जिला पंचायत का चुनाव लड़ रही थीं, तब रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें नोटिस दिया था। बताया गया था कि जाति प्रमाण पत्र प्रॉपर नहीं है। तब उन्होंने शपथ-पत्र दिया। इसमें समय नहीं होने का हवाला दिया। इसे स्वीकार करते हुए चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई, उसके बाद वह जिला पंचायत अध्यक्ष बन गईं। इसके बाद जब कंचन तनवे ने विधानसभा चुनाव लड़ा, तो उन्होंने दोबारा वही जाति प्रमाण-पत्र पेश किया। इसके बाद जांच में सामने आया कि यदि महिला विवाहित भी है, तब भी उनकी जाति प्रमाण-पत्र पर पिता के बजाय पति का नाम होना गलत है। जाति प्रमाण-पत्र और पेन कार्ड पर पिता का ही नाम आता है। इस मामले में कांग्रेस प्रत्याशी कुंदन मालवीय ने चुनाव आयोग को शिकायत भी की थी। जनवरी 2024 में जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। इसमें चुनाव को शून्य करने की मांग की गई है।

पॉक्सो प्रकरण का ट्रायल पूरा होने में लग रहा एक साल से अधिक का समय

भोपाल। मध्य प्रदेश में पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले गंभीर स्तर पर हैं, जहां 10 हजार से अधिक पीड़ितों को न्याय का इंतजार है। मामलों की लंबित संख्या 14 हजार से ऊपर पहुंच गई है, जिससे राज्य देश में लंबित मामलों में चौथे स्थान पर है। इन मामलों में ट्रायल पूरा होने में औसतन 380 दिन लग रहे हैं, जबकि सजा की दर सिर्फ 20.11 प्रतिशत है, जो चिंता का विषय है।

एमपी स्टेट बार काउंसिल के निवर्तमान चेयरमैन राधेलाल गुप्ता ने बताया कि हाई कोर्ट ने बढ़ते मामलों और लंबित अपीलों पर स्वतः संज्ञान लिया है। मामलों की गंभीरता को देखते हुए सुनवाई में द्रुतगति के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य सरकार कानून के प्रति जागरूकता अभियान चला रही है। प्रदेश में 18 वर्ष से कम उम्र के पीड़ितों के यौन शोषण के मामलों से निपटने के लिए पाक्सो अधिनियम, 2012 के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है।

यह कानून लड़के और लड़की दोनों पर समान रूप से लागू

दरअसल, पाक्सो एक्ट 2012 यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण, उत्पीडन् और अश्लीलता से बचाने वाला एक विशेष भारतीय कानून है। यह बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है और गंभीर मामलों में उम्रकैद तथा भारी जुर्माने का प्रविधान करता है, जिसमें जल्द जांच और फास्ट-ट्रैक कोर्ट की सुनवाई शामिल है। पाक्सो एक्ट 2012 के मुख्य प्रविधान अंतर्गत मुख्य उद्देश्य 18 साल से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण, पोर्नोग्राफी और छेड़छाड़ से सुरक्षित रखना है। यह कानून लड़के और लड़की दोनों पर समान रूप से लागू होता है।

न्यूनतम 10 वर्ष से लेकर उम्रकैद तक की सजा

यौन उत्पीडन् सिद्ध होने पर तीन से पांच वर्ष की सजा और जुर्माना की सजा नियत है। गंभीर यौन उत्पीडन् के प्रकरणों में न्यूनतम 10 वर्ष से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। बच्चे का इस्तेमाल पोर्नोग्राफिक सामग्री के लिए करने पर सख्त सजा। मामलों की त्वरित सुनवाई (फास्ट-ट्रैक) के लिए विशेष अदालतें गठित की गई हैं। पीड़ित की पहचान उजागर करना कानूनन अपराध है। यौन अपराध की जानकारी होने पर पुलिस को सूचित न करना भी दंडनीय है। शिकायत मिलने पर तुरंत एफआइआर और 24 घंटे के भीतर मेडिकल जांच अनिवार्य है। 18 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ सहमति से किया गया यौन व्यवहार भी इस कानून के तहत अपराध है। बच्चों की सहायता के लिए गैर-सरकारी संगठनों और विशेषज्ञों की सहायता का प्रविधान है। पीड़ित को मुफ्त वकील उपलब्ध कराया जाता है।

सार्थक ऐप में फिर गड़बड़ी, हाजिरी लगाकर ड्यूटी से गायब

भोपाल। मध्य प्रदेश में सार्थक ऐप का उद्देश्य कर्मचारियों और अधिकारियों की नियमित और सही तरीके से अटेंडेंस लगाने के लिए लाया गया था। लेकिन इसका इस्तेमाल एकदम इसके उलट हो रहा है। सार्थक ऐप में एकबार फिर गड़बड़ी सामने आई है। राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा लागू सार्थक ऐप से अटेंडेंस लगाने में अनियमितता पाई गई है। कोई कर्मचारी घर बैठकर ही अटेंडेंस लगा रहा है तो कोई टहलते-घूमते मौज-मस्ती करते हुए अटेंडेंस लगा रहा है। इसमें अधिकारी भी पीछे नहीं हैं। सबसे खास बात ये है कि इस ऐप से लगाई गई अटेंडेंस से सभी को पूरी सैलरी भी मिल रही है।

रीवा संभाग के 6 जिलों रीवा, सतना, मैहर, मऊगंज, अनूपपुर और शहडोल में 3 महीने का परीक्षण किया गया था। इसमें पाया गया कि कर्मचारियों ने सार्थक ऐप से सही से अटेंडेंस नहीं लगाई थी। या तो अपने घर से अटेंडेंस लगाई या फिर कहीं दूर से बैठकर ही अटेंडेंस लगाई। जिन लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों की लिस्ट निकाली गई है। उसमें सतना में करुणेश तिवारी सहायक संचालक वरिष्ठ स्तर का पद भी शामिल है। वहीं मामला सामने आने के बाद मंडी बोर्ड के आयुक्त-सह-प्रबंध संचालक ने कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंडी बोर्ड ने आरोपी कर्मचारी और अधिकारियों को 7 दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। इसके साथ ही 10 दिन के अंदर कार्रवाई करने के आदेश जारी किया है।

कृषि उपज मंडी के सबसे ज्यादा गड़बड़ी

सार्थक ऐप के जरिए अटेंडेंस लगाने में अनियमितता के मामले में सबसे ज्यादा रीवा कृषि उपज मंडी के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। यहां ऐसे 18 अधिकारी और कर्मचारी पाए गए हैं, जिन्होंने सार्थक ऐप के जरिए अटेंडेंस लगाने में अनियमितता की है। जबकि इन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सैलरी मिली है। इस लिस्ट में नायबदार, सहायक उप निरीक्षक समेत अन्य कर्मचारियों और अधिकारियों का नाम शामिल है।

हजरत करामत अली रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स 21 को

63 वे सालाना उर्स मुबारक पर विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय के निकट ग्राम कोसमी ,वार्ड नंबर 7 स्थित दरगाह शरीफ में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी हजरत करामत अली रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जिसके तहत एक दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए हैं। जहां 63 वे सालाना उर्स मुबारक पर प्रतिवर्ष की भांति 21 अप्रैल मंगलवार शाम 7:00 बजे मगरिब की नमाज के बाद अकिदतमंदो द्वारा बाबा के आस्ताने में अकिदत के फूल व चादर पेश की जाएगी इसके बाद बालाघाट सहित पूरे मुल्क में अमन चैन शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं सामूहिक रूप से मांगी जाएगी तो वही अकिदतमंदो द्वारा लंगरे आम का आयोजन कर लंगर लुटाया जाएगा जहां लंगरे आम के फौरन बाद रात में शमा महफिल कव्वाली का आयोजन होगा जिसमें सद्दु कव्वाल बाबा की शान में अपने उम्दा कलाम पेश करेंगे जहां कुल शरीफ की फातिहा के बाद एक दिवसीय उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा इस अवसर पर उर्स कमेटी और दरगाह के खादिम सहित स्थानीय ग्रामीणों ने 21 अप्रैल को आयोजित इस 63 में सालाना उर्स मुबारक पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा का फैज हासिल करने की अपील की है।

16 से 30 अप्रैल तक चलेगा जनगणना का प्रथम चरण

नागरिकों से अपने एंड्रॉयड मोबाइल या इंटरनेट वेबपोर्टल पर सेल्फ इन्म्यूरेशन(स्व-गणना) करने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत स्व-गणना (Self Enumeration) प्रक्रिया 16 अप्रैल से शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया 30 अप्रैल तक चलेगी। इस अवधि में अधिक से अधिक लोगों से स्व-गणना करने की अपील की गई है।

आम जन से इस अवधि के दौरान अपने एंड्रॉयड मोबाइल या स्मार्टफोन से या वेबसाईट पर स्वयं जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं और अपने परिवार के सदस्यों का विवरण दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना के लिए भारत सरकार द्वारा विशेष ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध कराया गया है, जिसका लिंक है- द्धह्लह्लश्चह्य://ह्यद्ग.ष्द्गठ्ठह्यह्वह्य.द्द श1.द्बठ्ठ है। इस ऐतिहासिक चरण में 16 से 30 अप्रैल के बीच नागरिक 'स्व-गणना' प्रक्रिया के माध्यम से अपने परिवार और घर की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं।

स्व-गणना के तहत नागरिकों को ऑनलाइन फार्म भरकर एक विशिष्ट आईडी जनरेट करना होता है, जिसे बाद में आने वाले जनगणना कर्मचारी को दिखाना होगा। जिससे डेटा सत्यापन आसान हो जाएगा। यह पोर्टल 16 अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध है, ताकि लोग अपनी मातृभाषा में जानकारी साझा कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में मुख्य रूप से दो श्रेणियों में डेटा एकत्र किया जाएगा। मकान सूचीकरण के तहत घर के स्वामित्व, निर्माण सामग्री और उपलब्ध सुविधाओं का विवरण होगा तथा जनसंख्या विवरण के तहत परिवार के सदस्यों के नाम, उनकी आयु, शिक्षा और व्यवसाय की जानकारी शामिल होगी।

नागरिकों से अपील की गई है कि स्व-गणना के दौरान सही उत्तर देना धारा 8 के तहत अनिवार्य है। स्वगणना में सभी प्रश्नों का सही उत्तर दें। अंतिम सबमिशन से पहले, स्वगणना के माध्यम से दर्ज आंकों की पर्यवेक्षकों द्वारा फील्ड विजिट के दौरान जांच की जाएगी।

सेल्फ इन्म्यूरेशन (स्व-गणना) की प्रक्रिया बहुत आसान है और लगभग 05 मिनट में पूरी हो जाती है। प्रकिया पूरी होने पर एक आईडी जनरेट हो जाती है। इस आईडी को अपने पास सुरक्षित रखना है। 01 मई से जनगणना के दूसरे चरण में जब प्रगणक घर घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे तो उन्हें यह आईडी बताना है। प्रगणक द्वारा इस आईडी में भरी गई जानकारी का सत्यापन किया जाएगा। जिससे प्रगणक का काम आसान हो जाएगा। अतः जिले के नागरिकों से अपील की गई है कि 30 अप्रैल तक सेल्फ इन्म्यूरेशन स्व-गणना अवश्य कर लें और अपनी आईडी प्राप्त कर लें।

केंद्रीय कैबिनेट ने डीए में 2 प्रतिशत बढ़ोतरी को दी मंजूरी

50 लाख कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को सीधा लाभ

कर्मचारियों को अब मिलेगा 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता

भोपाल। केंद्र सरकार ने लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को नए साल का बड़ा तोहफा दे दिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 2 फीसदी की अतिरिक्त बढ़ोतरी पर मुहर लगा दी है। इस फैसले के बाद अब कर्मचारियों का कुल महंगाई भत्ता बढ़कर 60 फीसदी के स्तर पर पहुँच गया है। सरकार के इस फैसले का व्यापक असर देखने को मिलेगा। इससे देश के लगभग 50 लाख सरकारी कर्मचारियों और 65 लाख से ज्यादा पेंशनभोगियों की जेब में अब ज्यादा पैसा आएगा। वर्तमान में कर्मचारियों को 58 फीसदी की दर से डीए मिल रहा था, जो अब बढ़कर 60 फीसदी हो जाएगा। यह बढ़ोतरी बढ़ती महंगाई के बीच मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। महंगाई भत्ता (डीए) का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों और पेंशनरों की आय को महंगाई के प्रभाव से बचाना है। यह बेसिक सैलरी के प्रतिशत के रूप में तय किया जाता है और हर साल दो बार संशोधित किया जाता है। डीए की गणना औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर की जाती है, जिसे श्रम मंत्रालय के तहत लेबर ब्यूरो हर महीने जारी करता है।

8वें वेतन आयोग की मांग भी तेज

केंद्र सरकार साल में दो बार (जनवरी और जुलाई) औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर डीए में संशोधन करती है। लंबे समय से इस घोषणा का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के लिए यह खबर सुकून देने वाली है।

केकेआर के लिए गहराता संकट, रॉयल्स की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। छह मैचों के बाद भी एक भी जीत दर्ज न कर पाने वाली केकेआर को अब अपनी पिछली हार के 48 घंटे से भी कम समय में ऊर्जावान राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से भिड़ना है। केकेआर का अभियान कई मोर्चों पर पटरी से उतर गया है। सीजन शुरू होने से पहले ही मुख्य तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोट के कारण बाहर हो गए थे। मथीशा पथिराना के आने में देरी और अनिश्चितता ने संकट को और गहरा कर दिया है। कैमरून ग्रीन के गेंद के साथ केवल कभी-कभार ही योगदान देने के कारण, केकेआर के पास अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण है, जिसमें मारक क्षमता और धार दोनों की कमी साफ दिखती है। यह आश्चर्य की बात नहीं कि वे इस सीजन में सांख्यिकीय रूप से सबसे खराब तेज गेंदबाजी टीमों में से एक रहे हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) से मिली हार के बाद अजिंक्य रहाणे ने बेबाकी से कहा, जो खिलाड़ी पावरप्ले में गेंदबाजी कर रहे हैं, वे अनुभवहीन हैं। जब यह अनुभवहीन आक्रमण टूर्नामेंट की सबसे विनाशकारी सलामी जोड़ी के सामने आता है, तो केकेआर के पास योजना बनाने या कल्पना करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। केकेआर की चिंताएं केवल गेंदबाजी तक सीमित नहीं हैं। फिन एलन उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए और अब बेंच पर हैं, रिंकू सिंह पूरी तरह से फॉर्म से बाहर हैं, जबकि अजिंक्य रहाणे दबाव में दिख रहे हैं। केकेआर पावरप्ले में सबसे खराब बल्लेबाजी करने वाली टीमों में से भी है, जिसने छह मैचों में इस चरण में 12 विकेट गंवाए हैं, जबकि प्रति ओवर नौ रन से थोड़ा अधिक ही बना पाई है। रविवार को चुनौती यह भी होगी कि राजस्थान रॉयल्स पावरप्ले में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करने वाली टीम रही है। रॉयल्स अपने पिछले मैच में सनराइजर्स से मिली 57 रन की हार के बाद वापसी के लिए बेताब होंगे, जो चार प्रभावशाली जीत के बाद एक अप्रत्याशित घटना थी। इसे सुधारना उनकी प्राथमिकता होगी।

यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। सीजन की शुरुआत में कुछ बारिश के बाद, कोलकाता के अपने गर्म और आर्द्र गर्मी के मौसम में लौटने की उम्मीद है, जिसमें तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है। यह मैदान स्पिनरों के पक्ष में रहा है और गर्म धूप में सतह के पकने के साथ, धीमी गति के गेंदबाजों के लिए कुछ मदद मिल सकती है। आमने-सामने के मुकाबलों में, केकेआर कुल मिलाकर 16-14 से आगे है और ईडन गार्डन्स में मैचों में 7-4 से आगे है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कैमरून ग्रीन ने अहमदाबाद में जीटी के खिलाफ गेंदबाजी नहीं की थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने स्पष्ट किया कि ग्रीन ने ऐंठन के कारण गेंदबाजी नहीं की, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह गेंदबाजी के लिए उपलब्ध होंगे। मथीशा पथिराना अभी तक टीम में शामिल नहीं हुए हैं। वरुण चक्रवर्ती का आरआर के खिलाफ अनुकूल रिकॉर्ड रहा है, उन्होंने 10 मैचों में 18 के औसत से 13 विकेट लिए हैं। केकेआर अपने स्पिन जादूगर पर निर्भर रहेगी कि वह इस करो या मरो जैसे मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करें। राजस्थान रॉयल्स की ओर से कोई चोट की खबर नहीं है। आरआर के स्पिनरों ने इस सीजन में 15.85 के औसत से 14 विकेट लिए हैं और उनका संघर्षरत केकेआर बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ, खासकर स्पिन के खिलाफ उनकी लड़ाई निर्णायक हो सकती है।

टीमें इस प्रकार हैं-

राजस्थान रॉयल्स = यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई, तुषार देशपांडे

कोलकाता नाइट राइडर्स = टिम सिफर्ट, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरून ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रोवमैन पॉवेल, रिंकू सिंह, रामनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी.

वैभव सूर्यवंशी 'भविष्य में भारतीय क्रिकेट का चेहरा' – ललित मोदी

नई दिल्ली। पूर्व इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कमिश्नर ललित मोदी ने युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को 'भविष्य में भारतीय क्रिकेट का चेहरा' बताया है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के इस युवा ओपनर की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की, जो क्रिकेट प्रेमियों के बीच तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। 15 साल के सूर्यवंशी इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं और अपने डेब्यू सीजन की लय को बरकरार रखे हुए हैं। आईपीएल 2026 में वह फिलहाल ऑरेंज कैप की दौड़ में सातवें स्थान पर हैं, जो एक युवा खिलाड़ी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही, वह राजस्थान रॉयल्स के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं, जिसने उनकी टीम के लिए उनकी महत्ता को साबित किया है। उन्होंने पांच मैचों में 40.00 की औसत और 263.15 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से कुल 200 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो महत्वपूर्ण अर्धशतक भी लगाए हैं, जो उनकी निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता को दर्शाता है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 10 अप्रैल को वैभव सूर्यवंशी ने 26 गेंद में 78 रन की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उन्होंने आठ चौके और सात गगनचुंबी छक्के लगाए, जिससे दर्शकों का खूब मनोरंजन हुआ। उनका स्ट्राइक रेट 300.00 रहा, जो टी20 क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली माना जाता है। हालांकि, शतक से चूकने के कारण वह थोड़े निराश भी नजर आए, जो उनकी महत्वाकांक्षा और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। उनकी यह पारी खेल की दुनिया में उनकी क्षमता का एक स्पष्ट प्रमाण थी।

एक कार्यक्रम के दौरान माइकल वॉन से बात करते हुए, ललित मोदी ने बताया कि जब सूर्यवंशी ने 2025 में आईपीएल में डेब्यू किया था, तब उन्हें यकीन ही नहीं हुआ था कि यह खिलाड़ी सिर्फ 14 साल का है। मोदी ने अपनी हैरानी व्यक्त करते हुए कहा, 5मैं कह सकता हूं कि यह बच्चा आगे जाकर भारतीय क्रिकेट का चेहरा बनेगा। उसके चेहरे पर जो आत्मविश्वास है, वह देखिए। मेरा बेटा भी 14 साल का हैज मैंने जब इस बच्चे को बल्लेबाजी करते देखा, तो मुझे लगा- यह मुमकिन नहीं है, मैं सपना देख रहा हूं। क्या वाकई यह बच्चा 14 साल का है? सच में? मैंने गूगल किया, लोगों से पूछा, 'क्या ये सच है या कोई मजाक कर रहा है?

आईपीएल में आज अजेय पंजाब किंग्स के सामने पंत की लखनऊ सुपर जाइंट्स

नई दिल्ली। रविवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादविंदर सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स अपनी जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मैदान में उतरेगी। इस सीजन में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है और टीम ने जबरदस्त फॉर्म दिखाई है, जबकि लखनऊ सुपर जाइंट्स लगातार संघर्ष करती नजर आ रही है। कप्तान ऋषभ पंत की चोट ने लखनऊ की मुश्किलों को और भी बढ़ा दिया है, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन गया है।

पंजाब किंग्स ने इस सीजन में अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जहाँ टीम ने अपने शुरुआती मैचों में शानदार खेल दिखाते हुए अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी बल्लेबाजी में गहराई और गेंदबाजी में धार स्पष्ट रूप से दिखाई दी है, जो उन्हें इस मुकाबले में मजबूत दावेदार बनाती है। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए विशेष रूप से महारत हासिल की है, जहाँ उन्होंने हाल के मैचों में दबाव में भी संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाया है।

इसके विपरीत, लखनऊ सुपर जाइंट्स फिलहाल अंक तालिका में निचले पायदानों पर संघर्ष कर रही है और लगातार दो हार के बाद टीम पर दबाव साफ दिखाई दे रहा है। उनका प्रदर्शन इस सीजन में उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी प्रभावित हुआ है। पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत का महज तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो जाना, लखनऊ के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। हालांकि बाद में वह बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन उनकी कोहनी पर बंधी पट्टी उनकी फिटनेस को लेकर संशय बनाए हुए है, जो टीम के बल्लेबाजी क्रम को कमजोर कर सकता है। लखनऊ की बल्लेबाजी इस सीजन में उनकी कमजोर कड़ी साबित हुई है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ पिछले मुकाबले में टीम केवल 146 रन ही बना सकी थी, जहाँ मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम एक बड़ा स्कोर खड़ा करने में विफल रही। पूरे सीजन में टीम अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है, जो उनकी बल्लेबाजी की गहराई और आक्रमण में कमी को दर्शाता है। इसके विपरीत, पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी ने इस सीजन में अपनी ताकत दिखाई है, जहाँ उन्होंने कई बार 200 से अधिक रन बनाए हैं। प्रभसिमरन सिंह जैसे खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी काफी प्रभावशाली रहा है, जिससे टीम को तेजी से रन बनाने में मदद मिलती है।

लखनऊ की गेंदबाजी इकाई में प्रिंस यादव, आवेश खान जैसे गेंदबाज शामिल हैं, जिन्होंने कुछ विकेट चटकाए हैं। लेकिन टीम को और अधिक निरंतरता और प्रभावी प्रदर्शन की आवश्यकता होगी, खासकर तब जब पंजाब के बल्लेबाज अच्छी लय में हों। लखनऊ के मुकुल चौधरी, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और निकोलस पूरन जैसे बल्लेबाजों से उम्मीद होगी कि ये इस महत्वपूर्ण मुकाबले में बड़ी और आक्रामक पारियां खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में लाएं, ताकि टीम अपनी हार की लकीर को तोड़ सके और अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधार सके। यह मुकाबला पंजाब के लिए अपनी जीत की दौड़ जारी रखने का अवसर है, जबकि लखनऊ के लिए यह सीजन में वापसी करने का एक महत्वपूर्ण मौका है।

टीमें इस प्रकार हैं-

पंजाब किंग्स - प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, जेवियर बार्टलेट, विजयकुमार विशाक, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल

लखनऊ सुपर जायंट्स -

मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (विकेटकीपर/कप्तान), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अवेश खान, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव डेविड

चहल ने मानहानि का मुकदमा कर दिया, मेरा इरादा विवाद खड़ा करना नहीं था – तानिया चटर्जी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में छाए हुए हैं। यह मामला तब प्रकाश में आया जब अभिनेत्री तानिया चटर्जी ने सार्वजनिक रूप से यह दावा किया कि क्रिकेटर ने साल 2023 में उन्हें इंस्टाग्राम पर संदेश (मैसेज) भेजा था। उन्होंने पापाराजी (पैप्स) के सामने अपने फोन पर वह कथित संदेश दिखाया, जिसके बाद यह मामला तेजी से गरमा गया और सोशल मीडिया पर एक बड़ी बहस का विषय बन गया। पापाराजी का यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया, जिसने चहल और तानिया दोनों को चर्चा का केंद्र बना दिया। तानिया ने आरोप लगाया था कि युजवेंद्र चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था और उन्हें 'क्यूट' (प्यारी) कहा था। एक्ट्रेस ने अपने दावे के समर्थन में सबूत भी पेश किए थे, जिसके बाद उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि चहल की टीम की तरफ से उन पर यह वीडियो डिलीट करने का दबाव डाला जा रहा है, जिससे मामला और भी जटिल हो गया।

अब, तानिया चटर्जी ने पापाराजी को बताया है कि युजवेंद्र चहल ने उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा कर दिया है। एक्ट्रेस के मुताबिक, क्रिकेटर ने उन्हें इस संबंध में एक कानूनी नोटिस भेजा है। तानिया ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, मुझे आइडिया नहीं था कि ये वीडियो इतना ज्यादा वायरल हो जाएगा। लोग तो मुझे ही ट्रोल कर रहे हैं यार। मैं ही बदनाम हो रही हूं। उनके बयान से यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस मामले के इतने बड़े विवाद में बदलने की उम्मीद नहीं थी और अब वह खुद सार्वजनिक आलोचना का सामना कर रही हैं, जबकि उनका इरादा शायद इतना बड़ा विवाद खड़ा करना नहीं था। तानिया चटर्जी ने अपने आरोपों को फिर से दोहराया और युजवेंद्र चहल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, उनका (युजवेंद्र चहल का) तो ठीक है। कुछ हो ही नहीं रहा। डिफेमेशन का केस उन्होंने मेरे ऊपर भेजा। मुझे नहीं पता था कि ये इतना वायरल हो जाएगा। मैं ही ट्रोल्स का सामना कर रही हूं, मुझे ही बदनाम किया जा रहा है। उनके खिलाफ कोई कुछ नहीं कह रहा। उन्होंने मेरे ऊपर मानहानि का केस भेजा। उनके इस बयान से लगता है कि उन्हें इस बात का मलाल है कि विवाद का सारा भार उन पर आ गया है, जबकि चहल पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। यह स्थिति अक्सर ऐसे मामलों में देखने को मिलती है जहां सार्वजनिक हस्तियां और कम प्रसिद्ध व्यक्ति एक साथ विवादों में फंसते हैं। तानिया ने आरोप लगाया है कि क्रिकेटर ने उन्हें मानहानि का नोटिस भेजा है। वह कहती हैं कि उन्हें नहीं लगता है कि ये इतनी बड़ी बात है और उन्होंने मजाक-मजाक में वो बातें कही थीं। उनके अनुसार, इन बातों ने जरूरत से ज्यादा तूल पकड़ लिया है। तानिया के बयान से स्पष्ट होता है कि उन्हें लगा कि उनकी टिप्पणी हल्की-फुल्की और बेगुनाह थी, लेकिन अब यह एक गंभीर कानूनी लड़ाई का रूप ले चुकी है। इस पूरे मामले ने सोशल मीडिया और मुख्यधारा की मीडिया दोनों में काफी ध्यान आकर्षित किया है, जिससे युजवेंद्र चहल और तानिया चटर्जी दोनों के लिए व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्तर पर चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

जोस बटलर टी20 में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बल्ले से रन बनाने को तरस रहे गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक बड़ी और अनोखी उपलब्धि हासिल की। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस महत्वपूर्ण मैच में, इंग्लैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने कगिसो रबाडा की गेंद पर अंगक्रिश रघुवंशी का शानदार कैच लपका। रघुवंशी का यह कैच पकड़कर बटलर ने टी20 क्रिकेट में 300 कैच पूरे करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। यह एक विकेटकीपर के लिए असाधारण उपलब्धि है, जो उनकी फिटनेस, एकाग्रता और विकेटकीपिंग कौशल का प्रमाण है। उनसे पहले, क्रिकेट जगत में यह उल्लेखनीय उपलब्धि केवल तीन अन्य खिलाड़ियों वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड, साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर और साउथ अफ्रीका के ही क्विंटन डी कॉक ने हासिल की थी।

अंततः 25.20 करोड़ के भारी-भरकम ग्रीन का बल्ला चला, केकेआर की किस्मत चमकी

संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए ठोके 55 गेंदों में 79 रन

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की सबसे बड़ी अनसुलझी पहेली बन चुके कैमरन ग्रीन ने आखिरकार गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक धमाकेदार और मैच जिताऊ पारी खेलकर अपनी लय हासिल कर ली। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी के रूप में 25.20 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि में खरीदे गए ग्रीन पर अपनी कीमत को सही साबित करने का जबरदस्त दबाव था। इस ऐतिहासिक पारी से पहले उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था और वे टीम की सबसे कमजोर कड़ी नजर आ रहे थे। शुरुआती पांच पारियों में उनके बल्ले से केवल 56 रन निकले थे, जिससे उनके हर एक रन की कीमत लाखों में आंकी जा रही थी और आलोचक लगातार उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहे थे। कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी के दौरान कैमरन ग्रीन ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए 55 गेंदों में 79 रनों की एक बेहद जरूरी पारी खेली। एक समय केकेआर का स्कोर 15 ओवर में 148/5 था और टीम गहरे दबाव में नजर आ रही थी, जहां से एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचना मुश्किल लग रहा था। ऐसे में ग्रीन ने सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए न केवल लगातार विकेट गिरने के सिलसिले को रोका, बल्कि टीम को 200 के पार एक मजबूत और सम्मानजनक योग तक पहुंचाया। उनकी इस सधी हुई और आक्रामक पारी ने केकेआर को मैच में वापसी का महत्वपूर्ण अवसर दिया।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ इस मुकाबले में, कैमरन ग्रीन ने 55 गेंदों पर सात चौकों और चार गगनचुंबी छक्कों की मदद से 79 रन की बेहतरीन पारी खेली। इस पारी से उन्होंने न केवल टीम की उम्मीदों को फिर से जिंदा किया है, बल्कि अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है। केकेआर ने जिस भरोसे के साथ उन पर इतना बड़ा दांव खेला था, इस मैच से पहले वह भरोसा टूटता नजर आ रहा था क्योंकि उनके बल्ले और गेंद दोनों से उनका प्रभाव लगभग शून्य था। हालांकि, इस शानदार पारी ने ग्रीन को 'फ्लॉप शो' के टैग से सफलतापूर्वक बाहर निकाल दिया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कैमरन ग्रीन इस आत्मविश्वास और फॉर्म को आगामी मैचों में भी बरकरार रख पाते हैं और कोलकाता नाइट राइडर्स को इस सीजन में कहां तक पहुंचा पाते हैं। कैमरन ग्रीन की इस महत्वपूर्ण पारी का विश्लेषण किया जाए तो यह साफ होता है कि उन्होंने अपनी पारी को बेहद सधे हुए और रणनीतिबद्ध अंदाज में आगे बढ़ाया। शुरुआती 20 गेंदों में उन्होंने केवल 17 रन बनाकर खुद को क्रीज पर सेट किया और पिच का मिजाज समझा। लेकिन असली धमाका पारी की 31वीं से 40वीं गेंद के बीच देखने को मिला, जहां उन्होंने गियर बदलते हुए ताबड़तोड़ 35 रन कूट डाले। यह दर्शाता है कि ग्रीन दबाव में भी खुद को शांत रखते हुए बड़े शॉट खेलने की क्षमता रखते हैं। ग्रीन का दबदबा विशेष रूप से स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ साफ नजर आया, जिनके सामने उन्होंने 183.33 के शानदार स्ट्राइक रेट से 18 गेंदों में 33 रन बटोरे। वहीं, तेज गेंदबाजों के खिलाफ उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन तालमेल बिठाते हुए 37 गेंदों में 46 रनों का योगदान दिया, जो यह दर्शाता है कि वह दोनों प्रकार के आक्रमण के खिलाफ सहज हैं।

मैदान के चारों ओर रन बनाने के बजाय, इस पारी में ग्रीन ने 'ऑन साइड' को अपना मुख्य हथियार बनाया, जो उनकी रणनीति का हिस्सा था। उन्होंने अपनी पारी के कुल 64 रन (39 गेंद) केवल ऑन साइड की दिशा में ही बटोरे, जहां उनका स्ट्राइक रेट 164.1 का रहा। इसके विपरीत, ऑफ साइड में उन्होंने मात्र 14 रन बनाए और स्ट्रेट ज़ोन में केवल एक रन ही उनके खाते में आया, जो उनकी विशिष्ट रणनीति को दर्शाता है। उनकी इस मैच-जिताऊ पारी में कुल सात चौके और चार गगनचुंबी छक्के शामिल रहे, जिसने गुजरात के गेंदबाजों को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया और कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रशंसकों को झूमने का भरपूर मौका दिया। यह पारी कैमरन ग्रीन के करियर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है।

सरफराज अहमद बने टेस्ट टीम के नए हेड कोच, बांग्लादेश दौरे के लिए टीम घोषित

– पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा फेरबदल

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण फैसले में, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को टेस्ट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया है। बांग्लादेश दौरे से ठीक पहले यह बड़ा संगठनात्मक बदलाव पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए एक नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है। सरफराज अहमद का विशाल अनुभव और क्रिकेट की गहरी समझ टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहायक होगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है। इस बड़े बदलाव के साथ, चयनकर्ताओं ने बांग्लादेश दौरे के लिए 16 सदस्यीय टीम की भी घोषणा की है, जिसमें भविष्य को ध्यान में रखते हुए चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। इन युवा चेहरों में अब्दुल्ला फजल, आमद बट्ट, अजान अवैस और गाजी घोरी शामिल हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इन नए खिलाड़ियों का चयन टीम में युवा ऊर्जा और नए दृष्टिकोण को शामिल करने की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की रणनीति को दर्शाता है। हालांकि, इस टीम में कई अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता भी दिखाया गया है। अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद अब्बास, अबरार अहमद, कामरान गुलाम, रोहेल नजीर और आसिफ अफरीदी को टीम में जगह नहीं मिली है। यह फैसला टीम के प्रदर्शन, वर्तमान फॉर्म और रणनीतिक बदलावों के आधार पर लिया गया है, जो टीम में एक नई शुरुआत का संकेत है। सरफराज अहमद के साथ, कोचिंग स्टाफ में भी अहम बदलाव किए गए हैं। पूर्व क्रिकेटर असद शफीक को बल्लेबाजी कोच और उमर गुल को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नई तिकड़ी मिलकर टीम को मजबूत बनाने और खिलाड़ियों को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार करने का प्रयास करेगी, जिससे टीम में नई ऊर्जा और बेहतर मार्गदर्शन की उम्मीद है। पाकिस्तान टीम 27 अप्रैल को कराची में इकट्ठा होगी और 2 मई को बांग्लादेश के लिए रवाना होगी। इस दौरे पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी, जिसका पहला मुकाबला 8 मई से और दूसरा टेस्ट 16 मई से शुरू होगा। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के आगामी चक्र के लिए पाकिस्तान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरफराज अहमद का खुद का टेस्ट करियर काफी शानदार रहा है; उन्होंने 54 टेस्ट मैचों में 4 शतक और 21 अर्धशतक सहित 3031 रन बनाए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 13 टेस्ट मैचों में पाकिस्तान का नेतृत्व भी किया है। उनका यह अनुभव अब टीम को कोच के रूप में मिलेगा, जिससे खिलाड़ियों को उनकी विशेषज्ञता का सीधा लाभ होगा। पाकिस्तान वर्तमान में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में पांचवें स्थान पर है और उसे आगे वेस्टइंडीज और इंग्लैंड जैसे कठिन विदेशी दौरे करने हैं। इसके बाद श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज भी खेलनी है। ऐसे में, यह नया सेटअप टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ताकि वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अपनी स्थिति सुधार सकें।

आशीष नेहरा की अनूठी कोचिंग शैली के कायल हुए हरभजन सिंह

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा की कोचिंग शैली की जमकर तारीफ की है। हरभजन सिंह ने नेहरा के जोश, ऊर्जा और खिलाड़ियों के साथ उनके अनोखे जुड़ाव को टीम की सफलता का श्रेय दिया। उनके अनुसार, आशीष नेहरा की उपस्थिति मात्र से ही टीम का माहौल सकारात्मक और ऊर्जावान बना रहता है, जिससे खिलाड़ियों को मैदान पर खुलकर प्रदर्शन करने में मदद मिलती है। नेहरा का व्यक्तित्व और उनका खिलाड़ियों को सहज महसूस कराने का तरीका, गुजरात टाइटंस के लिए एक बड़ी ताकत बन चुका है। हरभजन सिंह ने आशीष नेहरा की तुलना एक फुटबॉल कोच से करते हुए कहा, आशीष नेहरा एक ऐसे कोच हैं जो कभी शांत नहीं बैठते। वह पूरे मैच के दौरान अपनी टीम के खिलाड़ियों से लगातार बात करते रहते हैं, उन्हें गाइड करते हैं और उनमें जोश भरते हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह टीम को एकजुट रखते हैं और हर खिलाड़ी को समान महत्व देते हुए उसे सहज महसूस कराते हैं। यह निरंतर सक्रियता और खिलाड़ियों के साथ सीधा संवाद ही नेहरा को अन्य कोचों से अलग करता है। उनका यह अनूठा अंदाज टीम में एक पारिवारिक माहौल बनाता है, जहाँ हर खिलाड़ी को अपनापन महसूस होता है।

हरभजन सिंह ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि टीम को एकजुट रखना ही नेहरा की सबसे बड़ी ताकत है। वह ड्रेसिंग रूम में एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जहाँ सभी खिलाड़ी एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और बेहतर तालमेल के साथ खेलते हैं। यह सकारात्मक माहौल टीम के प्रदर्शन में साफ झलकता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार कम बैक

ब्यूनस आयर्स। यहां खेली गई चार मैचों की श्रृंखला में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अद्भुत दृढ़ संकल्प और जुझारूपन का प्रदर्शन करते हुए मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज को 2-2 से बराबर कर लिया। शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने के बाद टीम इंडिया ने जिस तरह से वापसी की, वह उनके मानसिक मजबूती और आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए तैयार रहने का स्पष्ट संकेत है। यह प्रदर्शन न केवल टीम का आत्मविश्वास बढ़ाएगा, बल्कि भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए भी सकारात्मक संकेत देता है। श्रृंखला का आगाज भारत के लिए निराशाजनक रहा, जहां 13 अप्रैल को खेले गए पहले मैच में अर्जेंटीना ने अपनी आक्रामक रणनीति और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन करते हुए भारत को 4-2 से पराजित किया। भारत के लिए नवनीत कौर और अन्नु ने कुछ उम्मीदें जगाईं, लेकिन मेजबान टीम की फॉरवर्ड जूलिएटा जांकुनास ने दो गोल दागकर अपनी टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। दूसरा मैच भी भारत के हाथ से निकल गया, जब अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में भारत के लिए इशिका ने एकमात्र गोल किया, जबकि आगस्टिना गोर्जेलानी ने दो गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरी जीत दिलाते हुए सीरीज में 2-0 की बढ़त दिला दी। इन शुरुआती झटकों के बाद भारतीय टीम पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगा था।

जानापाव में आकार लेगा
भव्य श्री परशुराम लोक

भगवान श्री परशुराम का पावन प्रकटोत्सव

धर्म, शौर्य, ज्ञान और न्याय के दिव्य प्रतीक

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 अप्रैल 2026 | जानापाव कुटी, इंदौर

भगवान श्री परशुराम तप, शौर्य और न्याय परंपरा के प्रेरणास्रोत हैं। हम उनके आदर्शों को आत्मसात कर हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। जानापाव में 'श्री परशुराम लोक' का निर्माण हमारे सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का प्रयास है। निश्चित रूप से यह भव्य लोक भगवान श्री परशुराम की गौरवगाथा को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय माध्यम बनेगा।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP D11011/26

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

शादी समारोह में नाचने के दौरान विवाद- दो व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के ग्रामीण थाना नवेगांव अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा में एक शादी समारोह उस समय हिंसक हो गया। जब रिसेप्शन के दौरान नाचने को लेकर दो पक्षों में विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते यह झड़प मारपीट में बदल गई। जिसमें दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायल

जिनमें महेंद्र पिता बनवासी ठाकरे 45 वर्ष ग्राम जाम थानां लालबर्रा और खिलेंद्र आमाडारे 29 वर्ष ग्राम रानीटोला थाना लालबर्रा निवासी हैं। दोनों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महेंद्र ठाकरे अपने परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने परसवाड़ा पहुंचे थे। 17 अप्रैल की रात करीब 11 बजे रिसेप्शन के दौरान नाचने को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस दौरान परसवाड़ा निवासी रविशंकर सहारे के साथ धक्का-मुक्की होने लगी। विवाद बढ़ता देख पास में मौजूद महेंद्र ठाकरे और खिलेंद्र आमाडारे बीच-बचाव के लिए पहुंचे। लेकिन स्थिति और बिगड़ गई और परसवाड़ा के आधा दर्जन से अधिक युवकों ने दोनों पर हमला कर दिया। मारपीट में महेंद्र ठाकरे का पैर फ्रैक्चर हो गया, जबकि खिलेंद्र आमाडारे के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे वे खून से लथपथ हो गए। घटना के बाद परिजनों ने दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। वहीं जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने पीड़ितों के बयान दर्ज कर लिए हैं और डायरी संबंधित थाना को भेजी जा रही है। ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बे-नामी सम्पत्ति के मामले में इनकम टैक्स का छापा

भोपाल और जबलपुर की टीम ने वारासिवनी के ग्राम तुमाड़ी गांव में की कार्यवाही

आदिवासी सँयुक्त समाज संगठन ब्लाक अध्यक्ष गणेश कुमरे से की जा रही पूछताछ, कुमरे के साथियों से भी लें देन को लेकर पूछताछ शुरू, पिछले 2 दिनों से जारी है मामले की जांच , अधिकारियो ने मीडिया से बनाई दूरी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट जिले में जमीन की खरीदी-बिक्री से जुड़े मामलों में बड़ी कार्रवाई जारी है। भोपाल और जबलपुर से आई टीमें पिछले दो दिनों से जिले में डेरा डाले हुए हैं, लेकिन अब तक अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है, जिससे पारदर्शिता को लेकर सवाल उठने लगे हैं।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बालाघाट जिले में जमीन के लेन-देन से जुड़े मामलों में गड़बड़ियों की शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। भोपाल और जबलपुर से आई विशेष टीमें बीते दो दिनों से अलग-अलग स्थानों पर जांच-पड़ताल में जुटी हुई हैं। बताया जा रहा है कि टीमों द्वारा कई दस्तावेजों की जांच की जा रही है और कुछ संदिग्ध सौदों को खंगाला जा रहा है।

जमीनों के लेन देन में गड़बड़ी का आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार इनकम टैक्स की यह छापा थाना वारासिवनी के ग्राम तुमाड़ी स्थित आदिवासी नेता(आदिवासी सँयुक्त समाज संगठन ब्लाक अध्यक्ष) गणेश कुमरे के घर पड़ा है।जहां उनसे उनकी आय के स्रोत,उनका खर्च, जगह जगह खरीदी गई जमीने अन्य सम्पत्तियों सहित उसके बदले सरकार को कितना टैक्स भरा गया आदि बिंदुओं पर जांच जारी है।सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गणेश कुमरे द्वारा अपने अन्य साथियों की मदद से आदिवासी समाज की जमीनें खरीदी गई थी,उसी की खरीदी बिक्री व उसके एवज में टैक्स को

लेकर यह कार्यवाही की गई है।

पिछले 2 दिनों से खंगाले जा रहे दस्तावेज, फिलहाल निष्कर्ष पर नही पहुची टीम

जानकारी के मुताबिक भोपाल और जबलपुर की इनकम टैक्स की टीम ने 2 दिन पूर्व ही गणेश कुमरे के घर एक साथ दबिश दी थी। 17 अप्रैल की शाम करीब करीब 4 बजे भोपाल से निकली थी जो रात्रि में वारासिवनी पहुंची, और देर रात्रि गणेश कुमरे के घर छापामार कार्रवाई की गई।जिसकी अगली सुबह मामले की पूछताछ के लिए उन्हें बालाघाट आयकर कार्यालय लाया गया है।जहा कुमरे सहित बालाघाट के उनके कुछ व्यापारी साथियों के भी पैसो के ट्रांजेक्शन मिलने पर,नगर के कुछ प्रतिष्ठित व्यापारियों से भी टीम अलग अलग पूछताछ कर रही हैं।जहा इनकम छुपाने, टैक्स जमा ना करने और नामी सहित कई बे-नामी सम्पत्ति की खरीद फरोख्त को लेकर पिछले 2 दिनों से जारी यह कार्यवाही शनिवार 18 अप्रैल की रात तक चलती रही। हालाँकि मामले को लेकर पूछताछ जारी होने के चलते फिलहाल यह टीम कोई निष्कर्ष पर नही पहुच पायी है।

बंद कमरे में प्रॉपर्टी ब्रोकरों से पूछताछ, कई दस्तावेज जप्त

जांच का मुख्य आधार स्टाम्प ड्यूटी और पैन कार्ड के विवरण हैं। नियमों के अनुसार, एक लाख रुपए से अधिक की स्टाम्प ड्यूटी पर आयकर रिटर्न की जानकारी देना अनिवार्य है। करोड़ों के इस सौदे में रिटर्न दाखिल न होने के कारण आयकर विभाग ने इसे संदिग्ध माना और शुक्रवार से ही जिले में मोर्चा संभाल लिया। शनिवार को आयकर विभाग के अधिकारियों ने गणेश और इस मामले से जुड़े कई प्रॉपर्टी ब्रोकरों से बंद कमरे में लंबी पूछताछ की। टीम ने जमीन के सौदों से संबंधित कई अहम दस्तावेज जब्त किए हैं।

मीडिया से बनाई रखी दूरी, जानकारी साझा करने से टीम का इंकार

इस पूरे मामले की जानकारी मिलते ही जब मीडिया कर्मी बालाघाट रेलवे स्टेशन रोड स्थित आयकर विभाग कार्यालय पहुंचे तो विभाग की टीम के अधिकारियों ने मीडिया से दूरी बना ली और उन्हें इस मामले की कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया अधिकारियों के साथ मौजूद कर्मचारियों ने स्पष्ट कर दिया कि फिलहाल मामले में पूछता जारी है जब तक पूछताछ पूरी नहीं हो जाती और कोई निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जाता, तब तक उक्त मामले की कोई भी जानकारी मीडिया में साझा नहीं की जाएगी।

मोटरसाइकिल न देने पर भाइयों ने बहन से की मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थानांतर्गत ग्राम खैरा में मोटरसाइकिल चलाने के लिए न देने पर दो भाइयों ने अपनी बहन के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। लामता पुलिस ने दोनों आरोपी भाई राजेन्द्र परते और महेंश परते के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त के अनुसार 30 वर्षीय राजवंती मड़ावी ग्राम खैरा की निवासी है और नागपुर में मजदूरी करती है। उसका अपने भाइयों राजेंद्र परते और महेश परते से पुराना विवाद चल रहा है।11 अप्रैल को राजवंती अपने साथ काम करने वाले वैभव काप्से के साथ मोटरसाइकिल से गांव आई थी। भाइयों से विवाद के चलते वह अपने घर न जाकर बुआ नानी बाई भलावी के घर रुकी थी।17 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे राजेंद्र और महेश किसी काम से लामता जाने वाले थे। दोनों ने वैभव काप्से से मोटरसाइकिल मांगी, लेकिन वैभव ने मोटरसाइकिल देने से मना कर दिया। इसी बात पर दोनों भाई वैभव को गालियां देने लगे। वहीं मौजूद राजवंती ने भाइयों को गाली देने से मना किया। इस पर राजेंद्र और महेश आगबूला हो गए। हमें मोटरसाइकिल चलाने नहीं दे रही कहते हुए दोनों ने राजवंती के साथ मारपीट शुरू कर दी।जब वैभव काप्से बीच-बचाव करने आया तो आरोपियों ने उसे भी पीटा। मारपीट के दौरान दोनों ने धमकी दी कि मोटरसाइकिल न देने पर जान से मार देंगे। घटना की सूचना पर डायल-112 मौके पर पहुंची और घायल राजवंती व वैभव काप्से को लामता अस्पताल ले जाया गया।राजवंती की रिपोर्ट पर लामता पुलिस ने आरोपी राजेंद्र परते और महेश परते, निवासी ग्राम खैरा, के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मजदूरी मांगने पर मकान मालिक के बेटे ने दो मजदूरों को डंडे से पीटा- दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थानांतर्गत ग्राम मंगोली कला में मकान निर्माण की मजदूरी मांगना दो मजदूरों को भारी पड़ गया। जब मकान मालिक के बेटे ने लकड़ी के डंडे से दोनों की बेरहमी से पिटाई कर दी और दोबारा पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। किरनापुर पुलिस ने आरोपी आशीष पारधी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मंगोली कला निवासी जितेंद्र चित्रिव राज मिस्त्री का काम करता है। गांव के ही चमरू लाल पारधी का मकान निर्माण कार्य जितेंद्र अपने साथी गीताराम कावरे और जितेंद्र गुर्जर के साथ ठेके पर कर रहे हैं।16 अप्रैल को रजेगांव में साप्ताहिक बाजार होने के कारण शाम करीब 5:45 बजे जितेंद्र, गीताराम कावरे के साथ पूर्व में किए गए काम की मजदूरी लेने चमरू लाल पारधी के घर पहुंचे। दोनों चमरू लाल से बकाया भुगतान को लेकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान चमरू लाल का बेटा आशीष पारधी वहां आ गया और दोनों मजदूरों को अश्लील गालियां देने लगा। गीताराम कावरे ने गाली देने से मना किया तो आशीष आवेश में आ गया और लकड़ी के डंडे से गीताराम पर हमला कर दिया।बीच-बचाव करने आए जितेंद्र चित्रिव को भी आशीष ने डंडे से मारपीट कर दिया। मारपीट में जितेंद्र और गीताराम दोनों घायल हो गए। इसके बाद आशीष पारधी ने धमकी दी कि दोबारा मजदूरी मांगने घर आए तो जान से खत्म करने की धमकी दे दी। घायल जितेंद्र चित्रिव और गीताराम कावरे रिपोर्ट दर्ज कराने किरनापुर थाने पहुंचे। पुलिस ने दोनों का मेडिकल परीक्षण स्थानीय अस्पताल में कराया।जितेंद्र चित्रिव की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने आरोपी आशीष पारधी निवासी ग्राम मंगोली कला, के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है।

बीच-बचाव करने पर युवक से मारपीट जातिगत गालियां देकर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाने के ग्राम ग्राम चमनटोला भोंडवा में मामूली विवाद में बीच-बचाव करना एक अनुसूचित जनजाति युवक को भारी पड़ गया। दो लोगों ने जातिगत अपशब्द कहते हुए उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दे डाली। लामता पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़ित जलज मरकाम, पिता किशन मरकाम उम्र 22 वर्ष ग्राम चमनटोला भोंडवा का निवासी है और मजदूरी करता है।16 अप्रैल की रात करीब 10:30 बजे जलज के घर के पास मोहल्ले के ही गोलू उर्फ नारायण विश्वकर्मा और शाहरुख खान मोहल्ले के जागेश्वर दुबे उर्फ पंजी के साथ रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद कर रहे थे। दोनों जागेश्वर को गाली-गलौज कर रहे थे। उसी दौरान वहां मौजूद जलज मरकाम ने शाहरुख खान से पूछा, चाचा क्या हो गया है आप लोग जागेश्वर दुबे को गाली-गलौज क्यों कर रहे हो यह सुनते ही गोलू उर्फ नारायण विश्वकर्मा और शाहरुख खान भड़क गए। दोनों ने जलज को जातिगत अपशब्द कहते हुए कहा बीच में बोलने वाला कौन होता है इसके बाद दोनों उसे हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी।आरोपियों ने जलज को सड़क पर पटक दिया और घसीट-घसीट कर पीटा। मारपीट के दौरान धमकी दी कि दोबारा बीच में बोलने पर जान से मारने की धमकी दे दी।घटना के बाद जलज मरकाम ने लामता थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी गोलू उर्फ नारायण विश्वकर्मा और शाहरुख खान, दोनों निवासी ग्राम चमनटोला, के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम कि संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।लामता पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट

बालाघाट, रविवार 19 अप्रैल 2026

रविवारीय

हिन्दी साप्ताहिक

पद्मेश न्यूज़

विचार
साहित्य
कला
संस्कृति की साप्ताहिकी

बालाघाट, वर्ष 16, अंक 47 वैशाख शुक्ल 02, विक्रम सम्वत 2083 पृष्ठ संख्या 4 मूल्य ₹ 0

padmeshnews@gmail.com

रखना है

दिल में कोई अरमान रखना है ,
हो दर्द भी तो मुस्कान रखना है ।

मर जाएंगे अपने वतन के लिए ।
हिन्दोस्तां की मगर शान रखना है ।।

धर्म अपना रहे, सदा इंसानियत ।
इक अपनी अलग पहचान रखना है ।।

माँ से मिला हमे यही संस्कार है ।
बड़ों का बुजुर्गों का सम्मान रखना है ।।

चलेंगे सदा हम, अमन के रास्ते ।
कदम के ऐसे निशान रखना है ।।

-किशोर छिपेश्वर 'सागर'
भटेरा चौकी बालाघाट

मुक्तक

चाहे शोर इधर से आये।
चाहे शोर उधर से आये।
शोर मचाना ही हो मक़सद-
चाहे शोर जिधर से आये।

निज भावों को शब्दों में कहना सीखा है।
कोरे-कोरे कागज़ को भरना सीखा है।
कोटि-कोटि है धन्यवाद उनको तो मेरा-
मैंने जिनको पढ़-पढ़कर लिखना सीखा है।।

इन बाहों को पाश बनाना छोड़ो भी।
अच्छों को बदमाश बनाना छोड़ो भी।
उपजाऊ है, वीरों की यह जननी है-
धरती को आकाश बनाना छोड़ो भी।।

भाऊराव महंत
ग्राम बटरमारा, पोस्ट खारा

संदर्भ : निराशा या हार के डर से अनुचित कदम ना उठाएं विद्यार्थी।

परीक्षा परिणाम : असफलता से सीखें जीत का मंत्र

"जिन्दगी के हर हिस्से में हमें अनेकों परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। इन परीक्षाओं में कभी हम सफल हो जाते है तो कभी-कभी असफलताएं हमें विचलित कर देती हैं। सफलता या असफलता सिक्के के दो पहलू हैं। सफलता, हमारे लक्ष्य को और भी बेहतर तरीके से पूर्ण करने के लिये प्रेरणा देती हैं तो असफलता गलतियों या कमियों से सबक लेकर फिर से हमें आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करती है। और वैसे भी यदि असफल होने का डर नहीं होता तो हम कामयाब होने के लिये बेहतर व सार्थक मेहनत कैसे कर पाते।"

पिछले दिनों 15 अप्रैल को दसवीं और बारहवीं एमपी बोर्ड का रिजल्ट घोषित हुआ। घोषित किए गए परीक्षा परिणाम में कई विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त हुई तो कई विद्यार्थी असफल भी हुए। वैसे विद्यार्थी जीवन में कक्षा दसवीं और बारहवीं एक महत्वपूर्ण सीढ़ी की तरह है, जिसके माध्यम से हम अपने लक्ष्य-पथ की ओर बढ़ते चले जाते हैं किंतु इसका मतलब यह भी नहीं है कि जो विद्यार्थी इन बोर्ड परीक्षाओं में असफल या फिर संतोषजनक परिणाम प्राप्त नहीं कर पाएं है, उन्हें निराश होने की आवश्यकता है। असलियत में चाहे विद्यालयीन परीक्षाएं हो या फिर जीवन में होने वाली परीक्षाएं; कभी हमें यह उदासी या निराशा से भर देती है तो कई मौकों पर यह हम हमारे उत्साह को बढ़ाती भी है। सफलता और असफलता एक चक्र की भांति है। देखिए! हम और आप, जिन्दगी में कई बार असफल होते है। कई अवसरों पर कठिन परिश्रम के बावजूद भी हमें बेहतर नतीजे नहीं मिल पाते है। यह आवश्यक भी नही हैं कि हर बार हमारी 'प्लानिंग' के हिसाब से ही सारा सिस्टम संचालित हो जाये, कहीं न कहीं एक छोटी-सी चुक भी हमारी सारी उम्मीदों पर पानी फेर सकती हैं। हम अपने 'लक्ष्य' को प्राप्त करने के लिये ढेर सारे प्रयास, अथक परिश्रम या सभी तरह के हथकण्डे भी अपनाते है किन्तु फिर भी जब हम असफल हो जाते हैं तो निराशा हमें घेर लेती हैं। हमें लगता हैं कि हमारी किस्मत ही सही नहीं हैं। हमारे मन में नकारात्मकता के भाव इस तरह प्रवेश कर जाते हैं कि हमें सारी स्थितियां खराब लगने लगती हैं जबकि हमारे आस-पास ऐसे अनेकों उदाहरण देखने-सुनने को मिल जायेगें, जिन्होनें विषम परिस्थितियों का सामना करने के बाद भी बेहतर परिणाम हासिल किया। कई बार असफल होने के बावजूद भी जिन्होंने बिना निराश हुए अपने 'लक्ष्य' को ही दिमाग-मन में रखकर, उसी के लिये खुद को ढालकर; तैयार कर विपरित हालातों का सामना करते हुए भी 'उपलब्धियों' को प्राप्त किया। सफल व्यक्ति कभी भी मजबूरियों या हालातों से घबराते नहीं बल्कि जब-जब उनकी 'मंजिल' के रास्ते में रूकावटें आयी, वैसे-वैसे उन्होंने और भी अडिगता व समर्पित भाव से खुद को स्व-प्रेरणा देकर, अपनी कामयाबी का रास्ता तैयार किया तो फिर जीवन की छोटी-मोटी असफलताओं से क्या घबराना? और वैसे भी असफलता, किसी भी प्लान या अवसर के लिए अंतिम पायदान नहीं है।

सिर्फ एमपी बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम की बात नहीं है बल्कि कॉलेज, बड़े-बड़े इंस्टीट्यूट या फिर किसी कॉम्पिटेटिव एग्जाम्स के रिजल्ट्स या तैयारी की बात भी हो तो जीवन में ऐसे कई मौके आते हैं; जब हमें आशा अनुरूप परीक्षा परिणाम प्राप्त नहीं होते तो कई बार विद्यार्थी निराश होते है और हम कई बार यह देखते, पढ़ते या सुनते भी हैं कि विद्यार्थी (बच्चे) असफलता के कारण निराश या उदास होकर आत्महत्या जैसा गलत कदम भी उठा लेते है। विद्यार्थी यह ध्यान रखें कि जीवन में हारता वह है; जो असफलता को अंतिम सच या पायदान मान लेता है जबकि सच्चाई तो यह है की असफलता हमें प्रेरित करती है; हमें अपनी गलती से सीखने का अवसर प्रदान करती है इसलिए चाहे स्कूल वाली परीक्षाएं हो या फिर जीवन में आने वाले सुख-दु:ख की परीक्षाएं, यह आवश्यक है कि हम असफलता या हार की पीड़ा को अपनी कमजोरी ना बनाएं बल्कि इसे चुनौती मानकर मेहनत, लगन और साहस के साथ एक अच्छी तैयारी करें तो निश्चित रूप से न केवल परीक्षा परिणाम बेहतर प्राप्त होंगे बल्कि आप अपने सपने या लक्ष्य को भी हासिल कर पाएंगे।

विद्यार्थी यह ध्यान रखें कि जिंदगी में अनेकों मौकों पर उतार-चढ़ाव आते रहते हैं मगर एक बेहतर व कामयाब इंसान वही होता हैं; जो विपरित परिस्थितियों के बाद भी बिना निराश हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपनी जी-जान लगा देता हैं। आज भागमभागी के इस दौर में हर व्यक्ति सफलता का शार्टकट चाहता हैं। उसे लगता हैं कि कम मेहनत मे उसकी सारी आकांक्षाएं पूरी हो जाये किन्तु यह यथार्थ सत्य हैं कि बिना समर्पण, त्याग या कठिन श्रम के इच्छित सफलता प्राप्त नहीं हो सकती और वैसे भी सफलता का कोई शार्टकट बना ही नहीं, सफलता तो मेहनत व समर्पण से ही प्राप्त होती हैं। साथ ही स्कूली संस्थान, पेरेंट्स, इंस्टीट्यूट या कोचिंग संस्थान के ओनर या गार्जियन हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि असफलता या सफलता किसी भी विद्यार्थी को जज करने का फाइनल कॉन्सेप्ट नहीं है बल्कि यह तो एक माध्यम है जो विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए मोटिवेट करता है। पैरेंट्स भी एक बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि अपने बच्चों का किसी अन्य बच्चों के साथ कंपेयर ना करें, उन पर बेवजह दबाव न बनाएं बल्कि उन्हें उत्साहित करें।असफल होने या आशा अनुरूप परिणाम प्राप्त न होने पर भी उन्हें सही मार्गदर्शन दें; मोटिवेट करें और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। कई बार जाने-अनजाने में माता-पिता या फिर अन्य परिवार हितैषी, किसी अन्य बच्चों से कंपेयर करते हुए असफल बच्चों को डांट-फटकार कर देते हैं, जोकि बहुत ही अनुचित है। विशेषकर पालक ध्यान रखें कि एक मार्कशीट या डिग्री से बच्चों के सपनों आप नहीं आंक सकते...। बच्चे बहुत अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण हो या फिर उनका रिजल्ट स्कोर कम भी हो; तब तो भी आप उन्हें सपोर्ट करें... मोटिवेट करें। एक निश्चित समय या स्थिति में बच्चे तमाम तरह की उपलब्धियां जरूर हासिल कर लेंगे। विद्यार्थी ध्यान रखें कि लोग आपकी असफलता-सफलता पर क्या टिप्पणी कर रहे हैं? इन सब बातों से परे रहकर आप सिर्फ और सिर्फ अपने लक्ष्य पर निगाह टिकाकर रखें। धैर्य, विश्वास, साहस व दृढ़ संकल्प की भावना का मन-मस्तिष्क में संचार करें, आगे बढ़ने की लालसा, आपकों मंजिल तक पहुँचा ही देगी। यही सफलता का मूल मंत्र हैं।

-पूनम राउत 'पुष्प'
मोहगाँव (ध.), लालबर्रा

(19 अप्रैल जयंती पर विशेष)

भगवान परशुराम ने ही श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र उपलब्ध कराया था!

भगवान विष्णु के अवतार महान चिरंजीवी परशुराम को उनके पराक्रम के लिए याद किया जाता है।वे श्रीराम युग मे भी थे और श्रीकृष्ण के समय भी मौजूद रहे, आज भी उन्हें जीवित यानि चिरंजीवी माना जाता है।भगवान परशुराम ने ही भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र उपलब्ध कराया था। महेंद्रगिरि पर्वत भगवान परशुराम की तपस्या स्थली रहा है।कहते है कि एक बार भगवान गणेश ने परशुराम को शिव दर्शन करने से रोक दिया था, जिससे रुष्ट होकर परशुराम ने गणेश जी पर अपने फरसे से प्रहार किया, जिससे उनका एक दांत टूट गया था और वे एकदंत हो गए। त्रेतायुग में सीता स्वयंवर में शिव धनुष टूटने पर भी वे नाराज हो गए थे ,हालांकि बाद में उन्होंने श्रीराम का सम्मान भी किया था।

द्वापर युग में परशुराम ने असत्य वचन के लिए दंड स्वरूप कर्ण को सारी विद्या विस्मृत होने का श्राप दे दिया था।उन्होंने ही भीष्म, द्रोण व कर्ण को शस्त्र विद्या प्रदान की थी।भगवान परशुराम को

विष्णु का छठा अवतार माना जाता है।जबकि श्रीराम सातवें अवतार थे। भगवान परशुराम का जन्म 5142 वि.पू. वैशाख शुक्ल तृतीया के प्रथम प्रहर में हुआ था। इनका जन्म सतयुग और त्रेता का संधिकाल भी माना जाता है। भगवान परशुराम का जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग के समय में हुआ था।उनकी जन्म तिथि अक्षय तृतीया होने कारण इसी दिन परशुराम जयंती मनाई जाती है।

साहित्यकार शिवकुमार सिंह कौशिकेय द्वारा किये गए शोध के तहत परशुराम का जन्म वर्तमान बलिया के खैराडीह में बताया गया है। उत्तर प्रदेश के शासकीय बलिया गजेटियर में परशुराम का

चित्र सहित संपूर्ण विवरण उपलब्ध होना बताया गया है।

एक किंवदंती में मध्यप्रदेश के इंदौर के पास स्थित महू से कुछ ही दूरी पर स्थित जानापाव की पहाड़ी पर भगवान परशुराम का जन्म होना बताया गया है। यहां पर परशुराम के पिता ऋषि जमदग्नि का आश्रम है। कहते हैं कि प्रचीन काल में इंदौर के पास ही मुंडी गांव में स्थित रेणुका पर्वत पर माता रेणुका रहती थीं।

एक अन्य मान्यता में छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में घने जंगलों के बीच स्थित कलचा गांव में स्थित एक शतमहला है। जमदग्नि ऋषि की पत्नी रेणुका इसी महल में रहती थीं और भगवान परशुराम को उन्होंने यही जन्म दिया ।

वही शाहजहांपुर के जलालाबाद में जमदग्नि आश्रम से करीब दो किलोमीटर पूर्व दिशा में हजारों साल पुराने मन्दिर के अवशेष मिलते हैं जिसे भगवान परशुराम की जन्मस्थली कहा जाता है। महर्षि ऋचीक ने महर्षि अगस्त्य के अनुरोध पर जमदग्नि को महर्षि अगस्त्य के साथ दक्षिण में कोंकण प्रदेश मे धर्म प्रचार का कार्य करने लगे। कोंकण प्रदेश का राजा जमदग्नि की विद्वता पर इतना मोहित हुआ कि उसने अपनी पुत्री रेणुका का विवाह इनसे कर दिया। इन्ही रेणुका के पांचवें गर्भ से भगवान परशुराम का जन्म हुआ। जमदग्नि ने गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने के बाद धर्म प्रचार का कार्य बन्द कर दिया और राजा गाधि की स्वीकृति लेकर इन्होंने अपना जमदग्नि आश्रम स्थापित किया और अपनी पत्नी रेणुका के साथ वहीं रहने लगे। राजा गाधि ने वर्तमान जलालाबाद के निकट की भूमि जमदग्नि के आश्रम के लिए चुनी थी। जमदग्नि ने आश्रम के निकट ही रेणुका के लिए कुटी बनवाई थी आज उस कुटी के स्थान पर एक अति प्राचीन मन्दिर बना हुआ है जो आज ढकियाइन देवी के नाम से सुप्रसिद्ध है। भगवान परशुराम के लिए जहां अपने पिता की आज्ञा सर्वोपरि रही वही वे अपने क्रोध व शिव भक्ति के लिए भी जाने जाते है।कहा जाता है कि एक बार उन्होंने अपने पराक्रम से नदियों तक की दिशा मोड़ दी थी।ऐसे बलशाली और पराक्रमी भगवान परशुराम को उनकी जयंती पर नमन।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार)

जन्मोत्सव पर विशेष

जय जय श्री परशुराम भगवान

वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है । हिन्दू धर्म के सबसे बड़े धार्मिक महत्व के विशेष पर्वों में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। इस दिन किसी भी शुभ कार्यों को,, बिना पंचांग देखे किया जा सकता है । ऐसा माना जाता है कि, इस दिन किया गया दान, अनन्त काल तक फल दायी होता है। अक्षय तृतीया से त्रेता युग का आरंभ माना जाता है ,,,इसी दिन भगवान श्री परशुराम जी का भी जन्मोत्सव मनाया जाता है। इन्हें शस्त्र विद्या का महान गुरु माना जाता है! इनकेभक्त इस दिन व्रत रखते है, ऐसा माना जाता है कि, भगवान शिव नें इन्हें धरती पर बढ़ रहे अधर्म का नाश करने के लिए, भार्गवास्त्र या परशु नामक अस्त्र प्रदान किया था ! परशुराम जी नें भगवान शिव की घोर तपस्या की थी, भगवानश्री परशुराम को चिरंजीवी माना गया है, आजभी उनकी धरती पर उपस्थिती मानी जाती ?है ! अक्षय तीज के दिन ऋषि जमदग्नी और रेणुका के पुत्र के रुप में जन्म लिया!! इसी दिन भगवान् श्री परशुराम जी की जयंती मनाई जाती है। इन्हें भगवान् श्री विष्णु जी के छंटवे अवतार तथा आवेशावतार भी माना जाता है, इनका मूल नाम राम था, लेकिन भगवान् शिव जी ने इनकी तपस्या से प्रसन्न होकर, परशु नामक अस्त्र प्रदान किया,, तभी से इनका नाम परशुराम पड़ा। वे ब्राह्मण जाति के है! इनके अन्य नाम भार्गव, राम भद्र, भृगुपति, भृगुवंशी भी है। ये अपने माता पिता के पांचवे पुत्र थे । इन्हें वीरता का साक्षात? अवतार माना जाता है। रामायण व महाभारत में भी इनका विशेष उल्लेख है, रामायण में सीता स्वयंवर में श्री राम द्वारा, शिव जी का पिनाक धनुष तोड़ने पर, परशुराम जी सबसे अधिक क्रोधित हुए थे। विष्णु जी, भगवान् शिव को अपना गुरु मानते थे, इसी कारण श्री परशुराम भगवान् भी शिव भक्त थे। इन्होंने महाभारत के समय भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य व कर्ण को,, अस्त्र व शस्त्र ? चलाने की शिक्षा दी थी। , भगवान् श्री परशुराम जी का प्रमुख अस्त्र परशा, फरशा या कुल्हाड़ी है, तथा इनके धनुष कमान को विजया कहा जाता है। इन्हें यह शिव जी ने प्रदान किया था। भगवान् परशुराम जी के क्रोध से देवी, देवता गण भी थर थर कांपते थे। ऐसा कहा जाता है कि, वैदिक काल के अंत के दौरान वे योद्धा से सन्यासी बन गए और कठोर तपस्या की । उड़ीसा के महेन्द्र गिरी में इनकी आज भी उपस्थिति मानी जाती है। ऐसा भी माना जाता है कि, इनकी मृत्यु नहीं हुई है और वे अमर हैं । भगवान् श्री परशुराम जी के प्रमुख मंदिरों में अट्टीराला आंध्र प्रदेश, सलेम पुर उत्तर प्रदेश, अखनूर जम्मू कश्मीर, कुंभलगढ़ राजस्थान, महुगढ़ महाराष्ट्र, पितांबरा कुल्लु हिमाचल प्रदेश तथा जनपव हिल इंदौर मध्यप्रदेश में स्थित है । आप सभी को अक्षय तृतीया एवं भगवान् श्री परशुराम जी की जयंती की बहुत बहुत बधाइयाँ एवं शुभकामनाएं तथा श्री परशुराम जी के? पावन चरणों में शत् शत् नमन् । जन्मोत्सव पर अनेकों मंगलकामनाएं एवं शुभेच्छा! बनाए सबके बिगड़े काम,, भगवान श्री परशुराम

संजय जांगजुड़े संजू, दादाबाड़ी के पास, वारासिवनी

लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध : पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर

पूर्व प्रधानमन्त्री श्री चंद्रशेखर को याद करते हुए एक ऐसे राजनीतिक शख्सियत का चेहरा सामने आता हैं। जो बिना राजनीतिक नफा-नुकसान की परवाह किए, देशहित में दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखते हुए देश के सामने अपनी बेबाक राय रखने के लिए जाने जाते हैं। यारों के यार तो वे थे ही, अपने निजी सरोकारों के निभाने में भी उनका कोई जबाब नहीं था। चंद्रशेखर जी की विपरीत परिस्थितियों में साहसिक निर्णय लेने की परख उस वक्त भी देखने में आई, जब प्रथम खाड़ी युद्ध शुरू हुआ और देश के सामने विदेशी मुद्रा का भारी संकट था। ऐसी विकट परिस्थिति आ गई थी कि जरूरी वस्तुओं के आयात के लिए भी विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म होने के कगार पर पहुंच गया था।

कठिन समय का मुकाबला

जीवनरक्षक दवाओं के आयात के लिए भी एक हफ्ते का विदेशी मुद्रा शेष था। पेट्रोलियम पदार्थों के आयात के लिए भी विदेशी मुद्रा की लगभग वैसी ही स्थिति थी। तब केंद्र में चंद्रशेखर जी की अल्पसंख्यक सरकार कांग्रेस के सहयोग से चल रही थी। देश के सामने रिजर्व बैंक का सोना गिरवी रखकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से %लोन% लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। तत्कालीन आईएमएफ के चेयरमैन भारत पर कर्ज के एवज में मनमानी शर्तें थोपने पर आमादा थे। यह मानकर कि यह सरकार अल्पसंख्यक है और ज्यादा दिन चलेगी नहीं। आई एम एफ चेयरमैन ने बातचीत के सिलसिले में ही एक बार यहां तक हिदायत दे दिया कि, अगर हम कर्ज देने से मना कर दिए, तब आप क्या करेंगे? चन्द्रशेखर जी का सीधा जबाब था कि- एक तो शर्तों के मुताबिक आप ऐसा कर नहीं सकते, दूसरा अगर आप ऐसा करते हैं, तो मैं इस मीटिंग से उठकर सीधे आकाशवाणी जाऊंगा और देशवासियों से अपील करूंगा कि आईएमएफ से कर्ज मिलने की संभावनाएं खत्म हो चुकी है। देशवासियों आप आने वाले कठिन समय का मुकाबला करने के लिए तैयार रहें।

बेबाक जबाब

जब कभी बातचीत के दौरान चंद्रशेखर जी पूछा जाता था कि, देश का सोना गिरवी रखते हुए आपको यह नहीं लगता था कि इससे देश की बदनामी होगी? चंद्रशेखर जी का बेबाक जबाब

होता था कि- आखिर अपने घर की बहू-बेटियों के लिए सोने के गहने-जेवरात किस लिए दान दिए जाते हैं? उसके पीछे असली मकसद यहीं होता है कि- किसी विपरीत परिस्थिति में वे अपना गहना-जेवर गिरवी रखकर अपना जीवन निर्वाह करें। महज श्रृंगार के लिए ही गहने-जेवर नहीं होते हैं। यह एक ठेठ गवई मन के सोच का ही नतीजा है। जो प्रधानमंत्री बनने के बाद भी चंद्रशेखर जी के पूरे व्यक्तित्व में आजीवन बरकरार रहा।

सामाजिक परिवर्तन की राजनीति

वह हमेशा सत्ता की राजनीति का विरोध करते थे एवं लोकतांत्रिक मूल्यों तथा सामाजिक परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता की राजनीति को महत्व देते थे। आपातकाल के दौरान जेल में बिताये समय में उन्होंने हिंदी में एक डायरी लिखी थी जो बाद में 'मेरी जेल डायरी' के नाम से प्रकाशित हुई। 'सामाजिक परिवर्तन की गतिशीलता' उनके लेखन का एक प्रसिद्ध संकलन है। देश के लिए अपना सर्वस्व होम करने वाले चन्द्रशेखर का जन्म 17 अप्रैल 1927 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में स्थित इब्राहिमपत्ती गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। चन्द्रशेखर अपने छात्र जीवन से ही राजनीति की ओर आकर्षित थे। क्रांतिकारी जोश एवं गर्म स्वभाव वाले वाले आदर्शवादी के रूप में जाने जाते थे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में अपनी मास्टर डिग्री करने के बाद वे समाजवादी आंदोलन में शामिल हो गए। उन्हें आचार्य नरेंद्र देव के साथ बहुत निकट से जुड़े होने का सौभाग्य प्राप्त था। दुखद 10 नवम ?बर, 1990 से 21 जून, 1991 तक देश के 8 वें प्रधानमंत्री रहे चन्द्रशेखर ने मृत्यु 8 जुलाई, 2007 को अंतिम सांस ली। ऐसे महामना की जयंती पर विनम्र शब्दांजलि~!

हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार

बीते हुए अफसाने आए हैं रुलाने

आईआईटी के टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में अध्ययनरत तृतीय वर्ष की छात्रा प्रगति का शिमला के होटल में रूड़की आईआईटी में तीसरे साल के विद्यार्थी उसके बॉयफ्रेंड गौरव वर्मा ने कत्ल कर दिया। बाद में गौरव ने स्वीकारा कि उसने ही प्रगति की हत्या की है, क्योंकि प्रगति ने उसे बताया कि उसका इससे पहले भी किसी से संबंध था।

इस घटना ने एक बार फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वर्तमान रिश्तों को बचाने के लिए अतीत के रिश्तों को दफनाना ही चाहिए? दरअसल इसमें भी महिलाओं और पुरुषों का दृष्टिकोण अलग-अलग है। पुरुष अपने संबंधों को अब भी बड़े गर्व के साथ स्वीकारते हैं, लेकिन महिलाएँ स्वीकारते हुए ही हिचकिचाएँगी। हिन्दी फिल्मों में या कहानियों में उम्रदराज महिलाएँ अक्सर युवा लड़कियों को अपना अतीत छिपाने का सुझाव देती नजर आती हैं। दरअसल इस मामले में अनुभव और सिद्धांत अलग-अलग होते हैं। सिद्धांत कहते हैं कि स्वस्थ रिश्तों में आपसी विश्वास जरूरी है और इसके लिए किसी भी तरह का दुराव-छिपाव नहीं होना चाहिए। संक्षेप में सबकुछ एक-दूसरे को बता दिया जाना चाहिए, लेकिन अनुभव वह है जो शिमला में प्रगति के साथ हुआ। फिर भी इस दिनों युवाओं के सोच में बदलाव आया है।

सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर रूपल महेश्वरी इस मामले में कहती हैं कि पुरुष स्वभाव से ही पजेसिव होते हैं, यदि थोड़ा बाद में उन्हें पिछले रिश्ते के बारे में पता चले तो कहा नहीं जा सकता है कि वे किस तरह से प्रतिक्रिया दें। इसी तरह कम्प्यूटर व्यवसायी मुदित मल्होत्रा पुरुषों को सुझाव देते हैं कि यदि आपमें सच को सह पाने की क्षमता हो तो ही आप इस पचड़े में पड़ें। यदि नहीं है तो फिर अपने साथी का अतीत जानने की पहल कतई न करें। मनोचिकित्सक और काउंसलर डॉ. सुशील गोरे कहते हैं- एक रिश्ता विश्वास और ईमानदारी से मजबूत होता है। कहीं हम दोहरा चरित्र अख्तियार कर लेते हैं, हम सच कह तो सकते हैं, लेकिन सच को सह पाने का साहस नहीं जुटा पाते हैं। प्रगति ने सच कह पाने का साहस दिखाया, उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए, लेकिन उसका साथी उसे सह नहीं पाया। युवा आजकल टीवी शोज से सीख रहे हैं कि रिश्तों में किस तरह से षड्यंत्र किए जा सकते हैं। इसी तरह से होटल व्यवसायी शिमित आहूजा स्पष्ट कहते हैं कि मैं नहीं जानना चाहता कि मेरी गर्लफ्रेंड का पास्ट क्या है? मैं इस बारे में ज्यादा परेशान भी नहीं होता। यदि मैं उसका अतीत जानना चाहूँगा तो फिर वह भी मेरा अतीत जानना चाहेगी। फिर मैं हमेशा उसके पुराने रिश्ते से खुद को कंपेयर करूँगा और यह हमारे रिश्ते को ही बरबाद कर देगा। वह यदि मुझसे पूछेगी कि क्या पहले मेरा किसी से अफेयर था, तो मैं इंकार कर दूँगा।

एक तरफ जहाँ लड़कियाँ रिश्तों में ईमानदारी चाहती हैं, वहीं लड़के इस मामले में पलायनवादी हो जाते हैं। वे यह पचा नहीं पाते कि उनकी साथी का पहले भी कोई रिश्ता रहा होगा... अब कारण क्या है, इसके लिए अलग से विश्लेषण की जरूरत पड़ेगी।

बवाल न मचाए आपकी जूबान

कई बार हमारे द्वारा बिना सूझे-बूझें, जाने बिना ऐसा बोल दिया जाता है जिससे स्वंय की स्थिति खराब होने से कम अक्ल होने का लेबल तो लगता ही है, जरा-सी गलत बात संबंधों में खटास भी पैदा कर देती है।

बोलने से पहले न तौलने की आदत कई बार बोलने वाले को काफी हास्यास्पद स्थिति में डाल देती है, तो कई बार बेवजह का बवाल भी पैदा कर देती है। इसीलिए बोलने से पहले सोचने का अक्सर सुझाव दिया जाता है। कई बार बोलने वाले का मंतव्य बड़ा सीधा होता है, लेकिन उसका असर उल्टा पड़ जाता है। जैसा मेरी चचेरी बहन दिव्या के साथ हुआ। दिव्या की सास की मृत्यु हो गई सो तेरहवीं का कार्यक्रम था। काफी लोग आए हुए थे। सभी दु:खी-गमगीन बैठे हुए थे। अंत में कुछ इधर-उधर की बातें हुईं और सब उठकर जाने लगे तो एकाएक दिव्या बोली- 'इस जगह को अच्छे से देख लीजिएगा जिससे फिर कभी दोबारा आने में परेशानी न आए। काफी बड़ा हॉल है। सोच रही हूँ अपनी बेटी की शादी में लेडीज संगीत का कार्यक्रम इसी हॉल में कर दूँ अच्छा रहेगा।'

दिव्या का ऐसे माहौल में यह सब कहना सबको ही चौंका गया। खुद दिव्या को भी कहने के बाद अहसास हुआ कि यह गलत कह गई। शायद इस समय यह सब नहीं कहना चाहिए था, पर अब क्या किया जा सकता था? दिव्या की तरह ही कई लोग हैं, जो बिना सोचे-समझे कहीं भी कुछ भी बोल देते हैं। उनके दिल में कुछ गलत न होते हुए भी अन्य लोग उनके प्रति गलत धारणा बना लेते हैं और उनकी छवि गड़बड़ा जाती है। मेरी सहेली स्मिता की भी यही आदत है कि जो भी मन में आता है बिना देखे-भाले, जाने-समझे कह देती है। एक बार ऐसे ही वह अपनी सास से बोली, 'मम्मी आप हीरे का बढ़िया-सा सेट इस दिवाली ले ही लो, आपके साथ-साथ मेरा भी फायदा हो जाएगा। आपके लिए तो पैसे खर्च करने से राहुल मना नहीं करेंगे, जो भी आप पसंद करेंगी दिला ही देंगे। थोड़े दिन आप पहनना फिर आपके बाद तो मुझे पहनना है ही!' बस, यही बात को उनको इतनी चुभ गई कि आज तक उनके मन में स्मिता को लेकर एक खराश बनी हुई है। कई बार हमारे द्वारा बिना सूझे-बूझे आगे-पीछे जाने बिना ऐसा बोल दिया जाता है जिससे स्वयं की स्थिति खराब होने से कम पढ़े-लिखे, कम अक्ल और बेवकूफ होने का लेबल तो लगता ही है, साथ ही जरा-सी गलत बात संबंधों में खटास पैदा कर देती है। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप बोलें ही नहीं। बोलें लेकिन कब, कहाँ, कैसे और क्या बोलना है इस पर ध्यान दें। और हाँ, यदि कभी आपके साथ भी ऐसा हो जाए कि दूसरे आपकी कही बातों को गलत अंदाज में सोचें तो गलतफहमी से बचने के लिए जल्दी ही सामने वाले से स्पष्ट कर दें कि इसके पीछे ऐसा कोई मतलब नहीं था, न ही किसी तरह का कोई सार या तात्पर्य है जिससे किसी के दिल को ठेस पहुँचे या स्वयं मुझे ही भावनाहीन माना जाए, यकीन मानिए! यह सोचना कि मैंने तो ऐसा कुछ नहीं कह दिया कि दूसरे को बुरा लग जाए और फिर अहंकारवश अथवा ईगो के वशीभूत हो नजरें फेरकर चल देने से बहुत अच्छा यही रहेगा कि आप अपनी सफाई में जरूर कुछ कहें। इससे जहाँ एक ओर रिश्तों में मिठास बनी रहेगी वहीं दूसरी ओर आपकी साफगोई व स्पष्टवादिता भी औरों की नजरों में आपको प्रशंसा का पात्र बना देगी।

साबूदाना खिचड़ी

सामग्री :

1 कप साबूदाता, 1 आलू, 1 बड़ा चम्मच मूंगफली, 1 बड़ा चम्मच नारियल के टुकड़े, 1 छोटा चम्मच बारीक कटी हरी मिर्च, आवश्यकतानुसार तेल, स्वादानुसार सेंधा नमक, 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च पाऊडर, 1/2 छोटा चम्मच जीरा और 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला।

विधि :

साबूदाता घंटे भर के लिए भिगो दें। आलू छील कर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। कहाड़ी में तेल गर्म करके आलू ब्राऊन होने तक तलें। मूंगफली भी तल लें। साबूदाता पानी से निकाल कर निचाड़ लें। कड़ाही में तेल गर्म करें। जीरे का छौंक लगा कर साबूदाना पानी से निकाल कर निचोड़ लें। कड़ाही में तेल गर्म करें। जीरे का छौंक लगा कर साबूदाना डालें। साथ ही तले हुए

आलू, मूंगफली और नारियल के टुकड़े डालें। सेंधा नमक व काली मिर्च डाल कर मिलाएं। साबूदाना गल जाने पर नींबू निचाड़ें और सर्व करें।

ज्वेलरी टेंड्रस

- इस साल यलो और रोज गोल्ड में जड़े डायमंड का ट्रेंड रहेगा। खासतौर पर पेंडेंट में यें डिजाइन फिर से वापस आ रहें हैं।
- हार्टशेप के पेंडेंट का चलन फिर लौट है, लेकिन ब्राइडल ज्वेलरी में यह ज्यादा देखने को मिलेगा।
- चूंकि बहुत सारी ज्वेलरी एक साथ पहनने का फैशन नहीं रहा है, इसलिए बड़े और बोलंड पेंडेंट और नेकलेस का ट्रेंड रहेगा।
- सिंगल स्टोन और हैंगिंग पेंडेंट तथा मैचिंग इयररिंग्स का चलन रहेगा। नेकलेस में काफी वेरायटी रहेगी। बहुत बड़े और नाजुक दोनों ही तरह के नेकलेस फैशन में रहेंगे।
- क्लास्टिक कॉस्ट्यूम ज्वेलरी इस बार एक हॉट ट्रेंड के रीप में छाई रहेगी और ब्लू कलर सबसे अधिक पसंद किया जाएगा। ब्लू टोपाज या एक्वामेरिन ज्वेलरी के साथ एमराल्ड का मिक्स मैच होगा। ब्लू जेड, ब्लू ओपल सफायर आदि जेम स्टॉस विभिन्न तरह के आभूषणों में जड़े नजर आएंगे। ब्लू बीड्स भी पसंद किए जाएंगे।

- लेयर्स वाले नेकलेस, पेंडेंट और इयररिंग्स का इन दिनों चलन बढ़ा है। इनमें मोती का प्रयोग भी काफी होगा।
- मेटल टोन, सिल्वर टोन, गोल्ड, पर्ल और रोज गोल्ड हर तरह की मिक्स एंड मैच ज्वेलरी के अतिरिक्त अलग-अलग टोन में भी जड़ाऊ गहने ट्रेंड में रहेंगे।
- इस साल ब्लैक कलर भी आभूषणों में नजर आएगा। एंटीक लुक भी ज्वेलरी में देखने को मिलेगा।
- डायमंड के विकल्प के रूप में स्टरलिंग सिल्वर में जर्कन का काफी प्रयोग किया जायेगा। जो कामकाजी व युवा लड़कियों को खासतौर पर पंसद आएगा। इस तरह की ज्वेलरी एक क्लासिक लुक तो देती ही है, साथ ही इसके कीमत भी कम होती हैं।

एक्सरसाइज रखे तंदुरुस्त

खुद को ट्रिम एंड फिट रखने की चाहत हर महिला में होती है, पर घर व ऑफिस के काम में उलझी महिलाएं अपने हाथों अपनी सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं। तंदुरुस्ती के लिए एक्सरसाइज सबसे बढ़िया विकल्प है। एक्सरसाइज चाहे किसी भी उम्र में शुरु की जाए, वह हमेशा फायदेमंद होती है...

आज के दौर में महिलाएं घर के साथसाथ ऑफिस की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रही हैं। वे हर वक्त अपने कामों में उलझी रहती हैं, लेकिन उनकी यह व्यस्तता उनकी सेहत पर भारी पड़ रही है। इसका घातक असर उनके स्वास्थ्य पर नजर आ रहा है। ध्यान न दिए जाने पर छोटी-सी परेशानी भी गंभीर बीमारी का रूप धारण कर लेती है। ऐसे में रेगुलर एक्सरसाइज से इन परेशानियों से बचा जा सकता है। जिम में महिलाएं ग्रुप लासिस लगा सकती हैं। इनमें वे एरोबिक्स, एक्वूआ एरोबिक्स, ब्लोर कार्डियो, डांस, स्पीनिंग, किक बॉक्सिंग कर सकती हैं। इनसे सेहत तो ठीक रहती ही है, शरीर भी लचीला हो जाता है। कार्डियो एक्सरसाइज कार्डियो एक्सरसाइज हार्ट को मजबूत बनाती हैं और हार्ट अटैक का खतरा कम करती है। महिलाएं घर या जिम में ट्रेडमिल, साइकिल, क्रॉस ट्रेनर, स्टैपर्स, रोइंग मशीन पर

कार्डियो एक्सरसाइज : करके खुद को फिट रख सकती हैं। ट्रेडमिल पूरे शरीर की एक्सरसाइज है। जिन महिलाओं को कमर या डिस्क में दर्द हो, घुटनों या जोड़ों का दर्द हो, रिज्यूमबेंट बाइ स पर एक्सरसाइज करना उनके लिए बढ़िया रहता है। इस बाइक में पीछे कमर के लिए स्पोर्ट होती है। अन्य महिलाएं अप राइट बाइक्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। हिप्स और थाइज की एक्सरसाइज के लिए स्टैपर्स बेहतर ऑप्शन है। रोइंग मशीन बाजुओं, पैरों और पीठ पर असर डालती है और फैट को कम करती है। क्रॉस ट्रेनर महिलाओं के लिए खासतौर पर फायदेमंद है, क्योंकि यह कमर और लोअर पार्ट में जमा फैट घटाने में मददगार होता है। याद रखें ये सारी एक्सरसाइज 30-40 मिनट तक करने से ही फायदा मिलता है। अक्सर महिलाएं जोश में घंटों एक्सरसाइज करती हैं, इससे शरीर में दर्द व मोच आ जाती है।

स्ट्रैंथ ट्रेनिंग : महिलाओं की स्किन ज्यादा ढीली होती है। स्किन को टाइट करने के लिए स्ट्रैंथ ट्रेनिंग करनी चाहिए, ताकि बॉडी टोनअप होती रहे। स्ट्रैंथ ट्रेनिंग से मसल्स स्ट्रॉन्ग होते हैं, जिससे स्किन में कसाव आना शुरू हो जाता है। सैट्स लगाने के दौरान आधे मिनट से एक मिनट का रेस्ट लें। इसके बाद दोबारा सैट शुरू कर दें। स्ट्रैंथ ट्रेनिंग हफ्ते में चार दिन करें और तीस मिनट से ज्यादा न करें।

वेट ट्रेनिंग : वेट ट्रेनिंग से बॉडी शेप अप होती है, एनर्जी लैवल बढ़ता है, हड्डियां व मसल्स मजबूत होती हैं और रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। चैस्ट, अपर बैक, लोअर बैक, बाइसेप्स, ट्राइसप्स, हिप्स, कुआरिसेप्स, हैक्सरिंग और कॉल्व्स की एक्सरसाइज हो जाती हैं। ये सारी एक्सरसाइज एक ही दिन में नहीं करनी चाहिए। जैसे चैस्ट और अपर बैक की एक्सरसाइज एक दिन कर लें। फिर दूसरे दिन लोअर बैक, हेमस्ट्रिंग और कॉल्व्स का वर्कआउट कर लें। तीसरे दिन वेट ट्रेनिंग न करके कोई ग्रुप एक्सरसाइज करें। चौथे दिन कंधों, बाइसेप्स, ट्राइसेप्स का वर्कआउट कर सकती हैं। पांचवें दिन ए—डॉमिनल, वेस्ट, रिस्ट आदि का वर्कआउट करें। अगर इस तरह सिस्टेमैटिकली एक्सरसाइज की जाए, तो मसल्स पर दबाव नहीं पड़ेगा, शरीर हैल्दी रहेगा और वजन कम करने में भी मदद मिलेगी। वजन कम करने में मैटाबॉलिज्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मैटाबॉलिज्म जितना ज्यादा होगा, वजन भी उतनी तेजी से कम होगा। मैटाबॉलिज्म बढ़ाने में वेट ट्रैनिंग मदद करती है।

योगासन : योग शरीर को स्वस्थ बनाने के अलावा श्वास लेने की सही तकनीकों पर जोर देकर आपके दिमाग और भावनाओं पर गुणकारी असर डालता है। आप घर में भी योगासन कर सकती हैं, जिनमें प्राणायाम, आलोम-विलोम और सूर्य नमस्कार प्रमुख हैं। इनमें पूरा शरीर इन्वॉल्व होता है।

घर पर करें एक्सरसाइज

- सीधे खड़े होकर अपने दोनों हाथों में बॉल या हल्का डंबल पकड़ कर धीरे-धीरे बाएं से दाएं और दाएं से बाएं घूमें। ऐसा 2-3 मिनट करें। इससे कमर और पेट की फैट कम करने में मदद मिलती है।
- एक स्टिक को कंधों पर रख कर दोनों हाथ फैलाकर उसके ऊपर रख लें। फिर पहले दाईं तरफ झुकें, उसके बाद बाईं ओर। एक बार में 20-25 बार कर सकती हैं। उसके बाद 30 सैकेंड आराम करें। इसे 3 बार दोहराएं। ये दोनों कसरत हफ्ते में 4 दिन करें। इससे कमर की फैट कम होती है।

जरूर ध्यान दें : जिन महिलाओं को हाई/लो —लडप्रैशर, एपिलैप्सी, आर्थराइटिस, स्लीप एप्निया, डिस्क, थायरॉइड, अस्थमा, हार्ट, शुगर या सर्वाइकल की शिकायत हो, व एक्सरसाइज शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

हेल्थ प्लस

अस्थमा

आज की लाइफस्टाइल ने जहां कई सुख-सुविधांए और ऐशोआराम के साधन दिए हैं, वहीं कई बीमारियों को भी जन्म दिया है। इन्हीं बीमारियों में से एक है अस्थमा। इस बारे में हमने बात की मुंबई के आयुर्वेदिक कंसल्टेंट डॉक्टर श्याम शर्मा से।

क्या है अस्थमा ?

इस रोग में सांस नलिकाओं में सिकुड़न आ जाती है या कह सकते हैं कि वे संकरी हो जाती हैं। इस कारण मरीज को सांस लेने व छोड़ने में तकलीफ महसूस होती हैं। इस स्थिति में शरीर को ऑक्सीजन कम मिल पाती है, जो कि ब्लड प्यूरिफाई (रक्त शुद्धिकरण) करने के लिए जरूरी है। इसलिए मरीज जोर-जोर से सांस लेकर इस कमी को पूरा करने की कोशिश करता है। कहते हैं। यह एक आनुवांशिक बीमारी हैं।

कारण : कुछ लोगों को हमेशा अस्थमा की शिकायत बनी रहती है तो कुछ लोगों को कभी-कभी ही ऐसा होता है। इसके कई कारण हो सकते हैं। कफ बढ़ानेवाले भोजन से यह बीमारी बढ़ती हैं। सर्दी के मौसम में सर्दी बढ़ जाने से, कोहरा छा जाने से, गर्मी के मौसम में धूल उड़ने से भी अस्थमा के दौरे पड़ सकते हैं।

एलर्जी : अस्थमा का मुख्य कारण है एलर्जी। ऐसे कई खाद्य पदार्थ हैं, जिनसे एलर्जी होती है। कई लोगों को किसी खास खाद्य पदार्थ से एलर्जी होती है तो किसी को वातावरण में मौजूद धूल के कारण। इसके अलावा बकरी, कुत्ता और बिल्ली आदि पालतू जानवरों के संपर्क में आने से भी एलर्जी हो सकती हैं।

इंफेक्शन : वायरस व बैक्टीरिया के इंफेक्शन से सांस की नलिकाएं में सूजन आ जाती है, जिससे वे सिकुड़ जाती हैं। इसके कारण भी अस्थमा हो सकता है।

आनुवंशिकता : माता-पिता में भी यदि अस्थमा की बीमारी रही हो तो बच्चे में इसके होने की संभावना अधिक होती हैं। इसमें भी यदि पिता की जगह मां को अस्थमा हो तो बच्चे को अस्थमा होना करीब-करीब निश्चित ही होता है। आनेवाली पीढ़ियों में भी यह रोग हो सकता है।

सायकोलॉजिकल कारण : मानसिक रूप से परेशान या तनावग्रस्त होने पर भी अस्थमा हो सकता है।

अस्थमा दो तरह का होता है।

1. ब्रोंकाइल अस्थमा (लंग संबंधी)
2. कार्डियेक अस्थमा (हार्ट संबंधी)

सामान्यत : लोगों में ब्रोंकाइल अस्थमा देखने में आता हैं।

सामान्य लक्षण : हांफना, जोर से सांस लेना, सांस छोड़ने पर विशेष तरह की सीटी जैसी आवाज निकलना आदि इसके लक्षण होते हैं। यह आवाज सांस नलिकाओं के संकरे होने से उनमें जोर से हवा निकलने के कारण होती हैं।

इसके साथ खांसी, जुकाम व सायनस हो सकता है। छींक आना, सिर में भारीपन आदि इसके आम लक्षण हैं। यदि मरीज को इंफेक्शन है तो लक्षण पता नहीं चलते। इस रोग का दौरा प्राय: रात के अंतिम प्रहर में सोते समय होता हैं। मरीज को ऐसा लगता है जैसे उसका दम घुट रहा हो। लेटे-लेटे सांस नहीं आती। सांस लेने से ज्यादा सांस छोड़ने में परेशानी होती हैं। छाती फूली हुई रहती है। दौरे का वैग आधा घंटा, एक या दो घंटा रहकर स्वयं शांत हो जाता हैं।

डॉक्टर श्याम शर्मा कहते हैं, अस्थमा पुरूष, स्त्री या बच्चे किसी को भी कभी भी हो सकता है। कई लोगों को शहरी वातावरण के प्रदूषण के कारण अस्थमा होता है। ऐसे में जगह बदलने से यह ठीक भी हो जाता है तो कई लोगों को ताउम्र इसकी शिकायत बनी रहती है। लेकिन बच्चों को अस्थमा होने पर यदि उनका तुरंत इलाज किया जाए तो बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। कई बार तो लोगों को पता ही नहीं चलता कि बीमारी की शुरूआत उनके अपने घर से हो रही है। घर में गद्दे-तकियों में धूल जमी रहने से या घर के आस-पास धूल-मिट्टी का वातावरण बने रहने से भी अस्थमा हो जाता है। इसलिए सबसे पहले डॉक्टर को अपने रहने, काम करने के वातावरण व खान-पान के बारे में विस्तृत जानकारी दें।

उपाय : आपको किस चीज से एलर्जी है, यह ध्यान रखना चाहिए। डॉक्टर को अपनी केस हिस्ट्री स्पष्ट बताएं, ताकि डॉक्टर को ट्रीटमेंट करने में आसानी हो।

बचाव

- हल्की एक्सरसाइज करें, वॉक करें। इससे आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होगा।
- विटामिन 'ए' व 'डी' का सेवन करें।
- मानासिक तनाव से बचें।
- धुएं, धुल आदि से बचें।
- शरीर को गर्म होने के बाद सर्दी से बचाना चाहिए। गर्म पानी से नहाने के बाद ठंडे पानी, हवा व ठंडा पीने से बचना चाहिए। ठंडी जगहों पर व रहें।
- हरी सब्जियां खाएं और गर्म पानी पीएं। इससे कफ की शिकायत बी दूर होगी।

इलाज : मरीज की बीमारी की स्टेज को देखते हुए इलाज किया जाता है। इसमें दवाइयां, इनहेलर व रोटोहेलर आदि का प्रयोग बताया जाता है। यदि दवाइयों से आराम न मिले तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

बच्चों में अस्थमा : बच्चों को भी अस्थमा होता है। इसमें बच्चे के फेफड़े हायपर ऐक्टिव हो जाते हैं। खांसते समय तरल पदार्थ कफ के जरिए बाहर निकलता हैं। लेकिन कई बार उनमें अस्थमा टेम्प्रेरी होता है, जिसका कारण है रेसपिरेटरी इंफेक्शन, एलर्जी व प्रदूषण। लेकिन जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, उनका इम्यून सिस्टम विकसित होने लगता है और अस्थमा की बीमारी भी कम होती जाती है। यदि आनुवांशिकता के कारण आपके बच्चे को अस्थमा है तो डॉक्टर से फौरन जांच कराएं, ताकि जल्दी से जल्दी इस बीमारी को दूर किया जा सके।

सावधानियां

- बच्चों को जो भी खाने-पीने की चीज दें, वह ठंडी या फ्रिज में रखी हुई न हों। फ्रिज से निकाल थोड़ी देर उन्हें सामान्य तापमान में रखने के बाद ही बच्चों को खिलाएं।

- स्कूल में बच्चे के अस्थमा की बीमारी के बारे में शिक्षक को सूचित कर दें।
- बच्चे के स्कूल बैग में इमरजेंसी नंबर, दवाइयों व डॉक्टर के नंबर जरूर रखें।

अस्थमा के लिए कुछ घरेलू नुस्खे

- अस्थमा का तेज दौरा पड़ने पर एक पके केले को दीपक की लौ में या गैस चूल्हे की धीमी आंच पर गरम करें, फिर उसे छीलकर उस पर पिसी हुई कालीमिर्च बुरक दें और रोगी को खिलाएं। तुरंत आराम मिलेगा।
- रात को साने के पहले भूने चने खाकर ऊपर से थोड़ा गरम दूध पी लें। इससे सांस की नली साफ हो जाएगी।
- दमे को दबाने का रामबाण उपाय है- पुरानी हल्दी की गांठ को पीसकर पाउडर बना लें और आधा बड़ा चम्मच पाउडर दो बड़े चम्मच शहद में मिलाकर सेवन करें। शहद व हल्दी-दोनों जितना पुराना होगा, उतना ही लाभ होगा।
- यदि रोगी को प्रतिदिन 250 ग्राम आंवले का मुरब्बा, 50 ग्राम पीपल चूर्ण और 125 मिली। शहद का सेवन कराएं तो आश्चर्यजनक लाभ होता है।
- नींबू का रस अदरक के रस साथ लेने से दमा में लाभ पहुंचता हैं।
- पीपली को कूटकर दूध में उबाल लें और छानकर पहले पीपली खाएं और फिर ऊपर से दूध पी लें। पहले दिन एक पिपली, दूसरे दिन 2, तीसरे दिन 3, इस तरह 15 वें दिन तक 15 पिपली होने के बाद 16 वें दिन 14, 17 वें दिन 13. इसी क्रम में घटाते जाएं। इस तरह 29 वें दिन 1 पिपली का सेवन करने के बाद अस्थमा में आश्चर्यजनक फर्क देखने को मिलता हैं। इस प्रयोग को वर्धमान पिपली कहते हैं।

क्या आप जानते हैं, घर के मुख्यद्वार के सामने कौन से पेड हो कौनसे नहीं

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में छोटे-छोटे और कुछ विशेष पेड़ पौधों को लगाना अच्छा माना जाता है तुलसी और बेंबु, मनीप्लांट, अपराजिता, जैसे कई पौधे हैं जिन्हे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे पेड़ या पौधे भी होते है जिसे घर के सामने होना अच्छा नहीं माना जाता है। कई घरों के मुख्य द्वार के सामने कैक्टस के छोटे पौधे लगा देते हैं, चाँदनी बेल या मनीप्लांट लगा देते हैं, जिससे मुख्य द्वार में अवरोध पैदा हो जाता है।

इस प्रकार के घर में भी बाधा का कारण बनता है। मुख्य द्वार के सामने या अंदर की ओर कोई नुकीली चीज हो तो वहाँ रहने वालों को कोई न कोई बाधा आती रहेगी। इसी प्रकार यदि घर के सामने बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर लगा हो तो आपके यहाँ अच्छी ऊर्जा आने के बजाय निगेटिव ऊर्जा आएगी, जिसके कारण उस घर में रहने वाले लोगों को मानसिक तनाव होगा। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा।

पूर्व में पीपल का पेड नहीं होना चाहिए। अकारण भय व धन की हानि होती है। आग्नेय में अनार का पेड अति शुभ परिणाम देने वाला होता है। दक्षिण में गुलर का पेड शुभ रहेगा। नैऋत्य में इमली शुभ रहती है। दक्षिण नैऋत्य में जामुन और कदंब का पेड शुभ रहता है। उत्तर में पाकड का पेड लगाना ठीक रहेगा। ईशान में आँवला का पेड अति फलदायी रहता है। ईशान-पूर्व में आम का पेड शुभ रहता है। इस प्रकार हम पेड लगाकर शुभाशुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य द्वार के सामने कोई रास्ता द्वार की ओर जा रहा हो तब भी बाधा का कारण बनता है। ग्रह स्वामी की अकाल मृत्यु हो सकती है। घर के सामने बडा वृक्ष रहे तो वहाँ रहने वालों की प्रगति में बाधा का कारण बनता है। यदि उस वृक्ष की छाँव घर पर पडती हो तो नुकसानप्रद रहता है। जबकि उसकी छाया कहीं से भी मकान पर नहीं पडती हो तो हानि नहीं होगी। कई जगह बंगलों में या घरों के सामने लंबे अशोक वृक्ष लगा दिए जाते हैं, जिससे घर में आड सी हो जाती है। यहाँ भी घर में रहने वालों की प्रगति के मार्ग में बाधा का कारण बनता है। जहाँ तक हो सके मुख्य द्वार को बाधा से रहित ही रखना चाहिए।

जब किस्मत साथ न दे तो सुख सौभाग्य प्राप्ति को करें यह उपाय

घर में स्थापित देवी- देवताओं को रोज फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि फूल ताजे ही हो। सच्चे मन से देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।

घर को साफ-स्वच्छ रखें- प्रतिदिन सुबह झाड़ू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाड़ू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रुठ जाती हैं और साधक को आर्थिक हानि का सामना करना पड सकता है।

कोशिशों के बाद भी आप किसी काम में बार-बार असफल हो रहे हैं या मेहनत के अनुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किस्मत या भाग्य का साथ न होने की बात कही जाती है। ज्यादा धन या पैसा कमाने के लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरूरी है अन्यथा इस मनोकामना की पूर्ति होना असंभव सा ही है। ज्योतिष में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से दुर्भाग्य पीछा छोड देता है और भाग्य साथ देने लगता है। जब किस्मत साथ न दे तो करें यह उपाय इस छोटे से उपाय द्वारा बदकिस्मत लोगों की भी किस्मत साथ देने लगेगी ।

यदि आपको भी पूरी मेहनत के बाद उचित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो प्रतिदिन सुखे आटे में थोडी सी हल्दी मिलाकर गाय को खिलाएं। ऐसा नियमित रूप से प्रतिदिन करें। गाय को सभी शास्त्रों के अनुसार पूजनीय एवं पवित्र माना गया है। गाय में ही सभी देवी-देवताओं का वास है और इसकी पूजा करने से भक्त को भाग्य का साथ मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गौमाता को संतुष्ट करनेपरवे सेवक को सेवाके प्रतिफल में आशीर्वादस्वरूपसभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। गाय को सूखे आटे में हल्दी मिलाकर खिलाने से वे अतिप्रसन्न होती हैं। हमेशा अच्छे कर्म करो, अपने धर्म का पालन करो किस्मत के बारे मे तो मे हर मनुष्य थोडी बहुत जानकारी रखता है, कहते हैं जब हम कडे परिश्रम करने के बाद सफलता प्राप्त करते है तो वह हमारे कर्म है लेकिन जब हम बिना मेहनत के बावजूद सफलता प्राप्त करते हैं उसे किस्मत कहते है। ब्रहम बेला में उठ कर इश्वर का नाम, ध्यान, योग और पूजा करने से अकस्मात् लाभ होता है। सुर्योदय से पुर्व ब्रहमा बेला में उठे, और अपने दोनों हांथो की हथेली को रगरे और हथेली को देख कर अपने मुंह पर फेरे, क्योंकि :- शास्त्रों में कहा गया है की कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थिता गौरी, मंगलं करदर्शनम् ॥ हमारे हाथ के अग्र भाग में लक्ष्मी, तथा हाथ के मूल मे सरस्वती का वास है अर्थात भगवान ने हमारे हाथों में इतनी ताकत दे रखी है, जिसके बल पर हम धन अर्थात लक्ष्मी अर्जित करतें हैं। जिसके बल पर हम विद्या सरस्वती प्राप्त करतें हैं इतना हो नहीं सरस्वती तथा लक्ष्मी जो हम अर्जित करते हैं, उनका समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभू स्वयं हाथ के मध्य में बैठे हैं। ऐसे में क्यों न सुबह अपने हाथ के दर्शन कर प्रभू की दी हुई ताकत का लाभ उठायें।। भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी में से पहली रोटी गाय को दें। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का निवास माना गया है। अगर प्रतिदिन गाय को रोटी दी जाए तो सभी देवता प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूरी करते हैं। प्रतिदिन चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप कर्मों का क्षय होगा और पुण्य कर्म उदय होंगे। यही पुण्य कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

नवग्रहों की अद्भुत शक्तियां

नवग्रहों में अद्भुत शक्तियां है जिसके कारण इसे देवताओं के समान आदर दिया गया है। यह दवा की भांति व्यक्तियों को पीडा से उबारने में सक्षम होता है। इनमें कमजोर ग्रहों को बलवान बनाने की क्षमता होती है जिससे असंभव को भी संभव करने में भी राशि रत्न कारगर होते हैं।

पुखराज की ज्योतिषीय विशेषता

बृहस्पति ग्रह का रत्न पुखराज पीली आभा लिये होता है। यह गहरा पीला, हल्का पीला एवं सफेद भी होता है। छूने में ठोस, चिकना, चमकीला, दाग धब्बा रहित पुखराज उत्तम होता है। दूध में रात भर रखने से असली पुखराज क्षीण नहीं होता है और न ही इसका रंग फीका होता है। पुखराज धारण करने से पहले अच्छी तरह जांच परख लेना चाहिए कि रत्न दोष रहित हो।

पुखराज धारण करने से लाभ

जिस व्यक्ति की कुण्डली में बृहस्पति नीच का होता है अथवा कमजोर होता है उनके लिए पुखराज धारण करना लाभप्रद होता है। पुखराज अध्यात्म, सत्यता, लनशीलता और सज्जगता का प्रतीक होता है। प्रेमियो के लिए यह भाग्यशाली रत्न माना जाता है। मानसिक शांति एवं आत्मिक शांति के लिए भी यह रत्न लाभकारी होता है। इस रत्न को धारण करने से वाणी सम्बन्धी दोष एवं गले की पीडा से राहत मिलती है। प्राचीन यूनान में इसे अपोलो देवता द्वारा प्रदान किया गया माना जाता था जिसका उपयोग कई प्रकार के रोगों के ईलाज के लिए किया जाता था। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जिस कन्या की शादी में बार बार बाधा आ रही हो वह अगर पुखराज धारण करती हैं तो विवाह में बाधक तत्व का अंत होता है और जल्दी शादी होती है।

हीरा की ज्योतिषीय विशेषता हीरा संसार का सबसे कठोर रत्न है। इसे किसी भी अन्य रत्न से खरोंचा नहीं जा सकता। हीरा जितना कठोर व चमकीला होता है उतना ही अच्छा माना जाता है। यह मुख्यतः सफेद, पीला , लाल, गुलाबी और काला होता है। मान्यताओं के अनुसार संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं को हीरा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र इस मान्यता को नही स्वीकार करता है। ज्योतिषशास्त्र के नियमानुसार जो स्त्री त्रिकोण हीरा धारण करती हैं उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।

हीरा धारण करने से लाभ

हीरा शुक्र का रत्न है। तुला और वृषभ राशि वाले अगर इस रत्न को धारण करते हैं तो उनका शुक्र मजबूत होता है फलतः शुक्र से सम्बन्धित सभी क्षेत्रो में उन्हें लाभ मिलता है। जिनकी कुण्डली में शुक्र कमजोर अथवा मंदा है उन्हें भी हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। हीरा की विशेषता है कि इसे धारण करने वाला व्यक्ति साहसी, बुद्धिमान और उत्साही होता है। हीरा कई प्रकार के मानसिक रोगों में लाभकारी होता है। यह जहर काटने में भी सक्षम होता है। हीरा धारण करने वाले पर जादू टोने का प्रभाव नहीं होता है। रंग के अनुसार हीरा का अलग अलग प्रभाव होता है जैसे लाल और पीला हीरा राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित व्यक्तियो के लिए लाभप्रद होता है। सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुडे हुए लोगों के लिए सफेद हीरा उत्तम होता है।

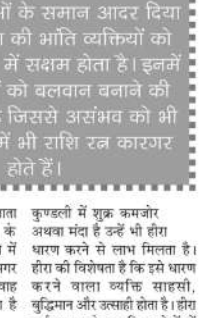

मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए कीजिए यह व्रत

मां ललिता

महाविद्याओं में से एक हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मां ललिता का व्रत किया जाता है। इस व्रत को उपांग ललिता व्रत कहा जाता है। यह व्रत करने पर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष उपांग ललिता व्रत 17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन है।

मां ललिता की उत्पतिः

उपांग ललिता मां शक्ति का स्वरूप हैं। मां ललिता की उत्पत्ति तब हुई जब ब्रहमा जी द्वारा छोडे गये चक्र से पाताल समाप्त होने लगा तब इस स्थिति से विचलित होकर ऋषि-मुनि भी परेशान हो गए और संपूर्ण पृथ्वी धीरे-धीरे जलमग्न होने लगी है। तब सभी ऋषि माता ललिता देवी की उपासना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी जी प्रकट होती हैं तथा इस विनाशकारी चक्र को थाम लेती हैं। सृष्टि पुनः नवजीवन को पाती है।

मां ललिता का स्वरूपः

कालिकापुराण के अनुसार देवी की दो भुजाएं हैं, यह गौर वर्ण की, रकिम कमल पर विराजित हैं। ललिता देवी की पूजा से समृद्धि की प्राप्त होती है। दक्षिणमार्गी शाक्तों के मतानुसार देवी ललिता को चण्डी का स्थान प्राप्त है। इनकी पूजा पद्धति देवीचण्डी के समान ही की जाती है।

व्रत का महत्वः

उपांग ललिता व्रत करने से मां उपांग ललिता का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक मान्यतानुसारइसदिन देवीललिता ने एक दानव लियाथा इसदिन भक्तगण षोडशोपचार विधि से मां ललिता का पूजन करते है। इस दिन मां ललिता के साथ साथ स्कंदमाता और शिव शंकर की भी शास्त्रानुसार पूजा की जाती है। ऐसे करें पूजनः शक्तिस्वरूपा देवी ललिता को समर्पित उपांग ललिता पंचमी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष को पंचम नवरात्र के दिन मनाई जाती है। इस शुभ दिन भक्तगण व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं, यह दिन उपांग ललिता व्रत के नाम से जाना जाता है।

क्यों लेना पडा भगवान विष्णु को वामन रूप में जन्म

दैत्यों का राजा बलि बडा पराक्रमी राजा था। उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसकी शक्ति के घबराकर सभी देवता भगवान वामन के पास पहुंचे तब भगवान विष्णु ने अदिति और कश्यप के यहाँ जन्म लिया। एक समय वामन रूप में विराजमान भगवान विष्णु राजा बलि के यहाँ पहुचे उस समय राजा बलि यज्ञ कर रहा थे। बलि से उन्होंने कहा राजा मुझे दान दीजिए। बलि ने कहा-मांग लीजिए। वामन ने कहा तीन पग मुझे आपसे धरती चाहिए। दैत्यगुरु भगवान की महिमा जान गए। उन्होंने बलि को दान का संकल्प लेने से मना कर दिया। लेकिन बलि ने कहा - गुरुजी ये क्या बात कर रहे हैं आप।

यदि ये भगवान हैं तो भी मैं इन्हें खाली हाथ नहीं जाने दे सकता। बलि ने संकल्प ले लिया। भगवान वामन ने अपने विराट स्वरूप से एक पग में बलि का राज्य नाप लिया, एक पैर से स्वर्ग का राज नाप लिया। बलि के पास कुछ भी नहीं बचा। तब भगवान ने कहा तीसरा पग कहां रखूं। बलि ने कहा- -मेरे मस्तक पर रख दीजिए। जैसे ही भगवान ने उसके ऊपर पग धरा राजा बलि पाताल में चले गए। भगवान ने बलि को पाताल का राजा बना दिया। सतयुग में दैत्यराज प्रहाद के पोत्र बलि ने स्वर्ग में अधिकार कर लिया था। सभी देवता इस विपत्ति से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु के पास गए।

तब भगवान विष्णु ने देवताओ से कहा की मैं स्वयं देवमाता अदिति के गर्भ से जन्म लेकर तुम्हे स्वर्ग का राज्य दिलाऊंगा। कुछ समय पश्चात भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में जन्म लिया। इधर दैत्यराज बलि ने अपने गुरु शुक्राचार्य और मुनियो के साथ दीर्घकाल तक चलने वाले यज्ञ का आयोजन किया।

बलि के इस महायज्ञ में ब्रहमचारी वामन जी भी गए। वे अपनी मुस्कान से सब लोगो के मन मोह लेते थे। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपो बल से वामन के रूप में अवतरित भगवान विष्णु को पहचान लिया। उन्होंने बलि को बताया की तुम्हारी राजलक्ष्मी का अपहरण करने भगवान विष्णु वामनरूपी अवतार में आये है। गुरुदेव की बातो को सुन कर राजा बलि ने कहा – हे गुरुदेव आप क्यों धर्म विरोधी वचन कह रहे है, भगवान विष्णु स्वयं मुझ से दान मांगने आये है इस से बडकर और क्या हो सकता है। मैं तो केवल भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए यह यज्ञ कर रहा हूँ। यदि भगवान विष्णु स्वयं पधारे है तो मैं कृतार्थ हो गया। तभी वामनजी बलि के यज्ञशाला में पधारे, उन्हें देख राजा बलि अपने दोनों हाथ जोड के उनके सामने खडे हो गए और कहा, हे प्रभु मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिये तब वामन भगवान ने उनसे तीन पग भूमि मांगी और कहा भूमिदान का महात्मय महान है।

राजा बलि के गुरु शुक्राचार्य भगवान विष्णु की लीला समझ गए और उन्होंने राजा बलि को दान देने से मना किया। लेकिन फिर भी बलि ने भूमि दान के संकल्प के लिए कलश उठाया परन्तु गुरु शुक्राचार्य उस कलश में घुस गए। भगवान विष्णु यह जान गए की गुरु शुक्राचार्य कलश में घुसकर जल की धारा को रोक रहे है .अतः उन्होंने कुश के अग्र भाग को कलश के मुख में घुसेड दिया जिसने गुरु शुक्राचार्य की एक आँख को नष्ट कर दिया। पीडा से व्याकुल होकर गुरु शुक्राचार्य उस कलश से बाहर निकले।

तब बलि ने तीन पग दान का संकल्प लिया। भगवान विष्णु ने विशाल रूप धारण कर पहले एक पग पूरी धरती को नाप लिया तथा अपने दूसरे पग में उन्होंने पूरे स्वर्गलोक को नापा। जब तीसरे पग के रखने के लिए कोई जगह नही बची तो बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। वामन भगवान ने उन्हें भय दिखाया की यदि तुमने अपना संकल्प पूरा नही किया तो ये अधर्म होगा। तब तीसरे पग के लिए अपने आप को समर्पित करते हुए राजा बलि ने अपना सर उनके पग के निचे रख लिया। वामन भगवान के तीसरा पग रखते ही बलि पाताललोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता को देख वामनरूप भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल का राजा बना दिया और इस तरह भगवान विष्णु ने इंद्र को स्वर्गलोक सोपा।

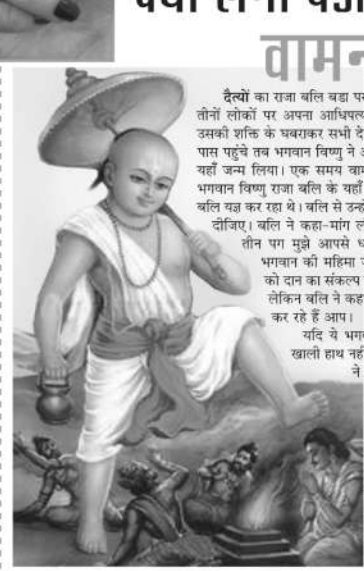

कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है।

धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुडी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय बिताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घडा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचमरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।

दिमाग की बत्ती

पृथ्वी घूमती है, हमें महसूस नहीं होता, क्यों ?

पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है और पृथ्वी अपने अक्ष पर भी घूमती है, लेकिन इसका अनुभव हमें नहीं होता, क्योंकि वह सारा समय एक-समान गति से घूमती है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे अगर हम बस, कार या रेलगाड़ी में सफर कर रहे हों और वह एक-समान गति से चल रही हो और हम खिड़की में से बाहर की चीजों को न देख रहे हों, तो हमें उसकी गति अनुभव नहीं होती। जब ट्रेन की गति कम या ज्यादा होती है या जब बस/कार टूटी-फूटी सड़क पर चलती हैं, तब हमें उनके चलने का अहसास होता है।

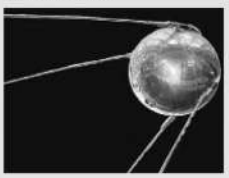

क्या आप जानते हैं?

- बिल्लियां मीठी चीजें टेस्ट नहीं कर सकतीं।
- स्नेल तीन साल तक सो सकता है।
- इंग्लैंड की सभी बतखें वहां की महारानी की संपति हैं।
- हाथी की सूंड में कोई हड्डी नहीं होती, लेकिन 40,000 मांसपेशियां होती हैं।
- श्रूंप का दिल उसके सिर में होता है।
- पांचवी मंजिल से गिरने के बाद भी चूहे को कोई चोट नहीं लगती।
- एंटईटर चींटियों की बजाय दीमक खाने को प्राथमिकता देते हैं।
- हाथी दांत का वजन 12 पाउंड तक हो सकता है।

नॉलेज बाइट

क्रिकेट का सीधा प्रसारण कैसे होता है ?

प्राकृतिक उपग्रहों की मदद से ही हम दूसरे देशों के कार्यक्रम देख पाते हैं और साथ ही विभिन्न मैचों का सीधा प्रसारण भी। प्राकृतिक उपग्रह वे अंतरिक्षयान हैं, जिन्हें इंसान द्वारा बनाया गया है। ये पृथ्वी के इर्द-गिर्द घूमते हैं। बहुत-से देशों के प्राकृतिक उपग्रह अंतरिक्ष में चक्कर काट रहे हैं। ये अलग-अलग आकारों के है जैसे, गेंद, हैट बॉक्स, टिन कैस या सिगार की डिब्बी जैसे। इनका इस्तेमाल वैज्ञानिक शोधों के लिए किया जाता है। इनमें से कुछ मौसम संबंधी जानकारी हमारे तक भेजते हैं। ये रेडियो व टीवी प्रसारणों को लंबी दूरी तक पहुंचाते है। इनमें से कुछ पृथ्वी से मात्र 1177 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, जबकि कुछ 35,500 कि.मी. से भी अधिक। संचार उपग्रहों के माध्यम से रेडियो और टैलिविजन सिग्नल एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप भेजे जाते हैं। संचार उपग्रहों में एंटीना तथा रिसीवर्स होते है। रिसीवर्स की सहायता से उपग्रह ग्राउंड स्टेशन से रेडियो और टीवी के सिग्नल प्राप्त करता है। इन प्रसारण सिग्नलों की शक्ति इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से बढ़ाई जाती है। फिर ट्रांसमीटर इन प्रसारणों को दूर स्थित ग्राउंड स्टेशनों को भेजते हैं, जो किसी अन्य महाद्वीप पर स्थित हो सकते हैं।

जन्मजात शत्रुता

नेवले में सांप पर आक्रमण करने की जन्मजात प्रवृति है। नेवले और सांप की लड़ाई में नेवले की अक्सर जीत होती है। सांप के जहर से नेवले की मौत हो सकती है, लेकिन वह इतनी चालाकी से सांप पर हमला करता है कि उसे डसने का मौका ही नहीं मिलता। अगर मौका मिल भी जाए, तो वह अपना विष दांत घुसा नहीं पाता, क्योंकि नेवला अपने शरीर के बालों को फुला कर सांप के डसने में रुकावट पैदा कर देता है, लेकिन अगर सांप नेवले को डसने में कामयाब हो जाए, तो नेवले की खैर नहीं।

संसार में कई तरह के पेड़ पाए जाते हैं। इनमें से कुछ बहुत लंबे, तो कुछ बहुत ही छोटे आकार के हैं। कुछ पेड़ ऐसे भी हैं, जिनके प कई मीटर लंबे होते हैं, तो कुछ ऐसे हैं जो परभक्षी हैं। पेड़ों से संबंधित रोचक तथ्य यहां आपके लिए...

पेड़ों की अजब दुनिया

पेड़ वातावरण के लिए बहुत जरूरी हैं, पर इन्हें कीमती लकड़ी के लिए काट दिया जाता है। इनकी कटाई के कारण हवा व पानी का प्रदूषण, भूमि कटाव, मलेरिया और वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है। पेड़ों के कम होने का मतलब है कम वर्षा, कम ऑक्सीजन और ग्लोबल वार्मिंग का बढ़ता खतरा।

सबसे लंबे पंजे

मैडागास्कर में एक ताड़ का पेड़ है, जिसे 'राफिया पाम' कहा जाता है। इसके पत्ते 12 मीटर से भी अधिक लंबे होते हैं और कुछ पेड़ ऐसे भी हैं, जिनके पत्ते 20 मीटर तक लंबे और दो मीटर चौड़े होते हैं। इनमें से कुछ छोटे पंखे की आकृति के पत्ते होते हैं, टालीयॉट पाम के।

सबसे पुराने पेड़

सबसे प्राचीन ज्ञात पेड़ है रेगिस्तानी क्रेओसोटे नामक पेड़। यह कैलिफोर्निया में है और एक अनुमान के अनुसार यह 11,700 साल से भी ज्यादा पुराना है। अमेरिका के ही नेवादा कैलिफोर्निया और एरिजोना में पाए जाने वाले ब्रिस्लकोन पाइन नामक पेड़ों के बारे में माना जाता है कि ये विश्व में सबसे प्राचीन हैं। सबसे पुराने जाने गए पेड़, जो अब भी जीवित पाए जाते हैं, वे लगभग 46,00 साल पुराने हैं।

तेजी से बढ़ने वाला पेड़

ऑस्ट्रेलिया का यूकलिप्टस (सफेदा) पेड़, जो एक साल में 10 मीटर तक बढ़ सकता है, दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला पेड़ है। सफेदा की 600 से भी अधिक किस्में हैं और उनमें विश्व के सबसे लंबे पेड़ भी शामिल हैं, जो 100 मीटर से अधिक ऊंचे होते हैं।

सबसे विषैली फफूंद

'डैथ कैप' या 'डैथ कप टोडस्टूल' संभवत: दुनिया की सबसे विषैली फफूंद है। इसका एक बहुत छोटा-सा टुकड़ा भी जान ले सकता है। इसे खाने के करीब 10 घंटे बाद व्यक्ति खुद को बीमार महसूस करना शुरू कर देता है, लेकिन डॉक्टर भी उसकी किसी प्रकार की मदद नहीं कर सकते हैं, क्योंकि इस विष का कोई उपचार नहीं है। 'डैथ कैप' सभी जानवरों के लिए भी विषैली होती है।

धीमी गति से बढ़ने वाला

'सायकाड' नामक पेड़, जिसका वैज्ञानिक नाम 'डिऊन एडूले' है, के नाम संभवत: स्नेल की रफ्तार से बढ़ने का रिकॉर्ड है। इसमें से एक पेड़ का 1981 से 1986 के बीच अध्ययन किया गया और प्रत्येक वर्ष इसमें 0.76 मिलीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। 120 साल का आयु का पेड़ मात्र 10 सैंटीमीटर तक बढ़ता है।

परभक्षी पौधे

कुछ पौधे ऐसे दलदली इलाकों में पाए जाते हैं, जहां उनके लिए भोजन की कमी होती है। ये अपने भोजन में कीड़ों को शामिल कर लेते हैं। अतिरिक्त पोषण प्राप्त करने के लिए ये अपने शिकार को हजम कर लेते हैं। 'सनड्यू' नामक पौधे की चिपचिपी स्पर्शिकाएं होती हैं। 'बटरवॉर्ट्स' के पत्ते चिपचिपे होते हैं। पिचर नामक पौधा कीड़ों को अपने मटके और फूल में फंसा लेता है। सबसे अधिक आकर्षक परभक्षी पौधा है, 'वीनस फ्लाई ट्रैप'। इसके प कांटों जैसे होते हैं। ये उस कीट के चारों ओर एक जबड़े की तरह बंद हो जाते हैं, जो उस पर बैठता है।

रोचक जानकारियां

- हर साल दुनिया से करीब 42 मिलियन एकड़ जंगल खत्म हो जाते हैं।
- बहुत कम पौधे आर्कटिक की कड़ी ठंड में जीवित रह सकते हैं। केवल दो पौधे ही ऐसे हैं, जो यहां की तेज बर्फीली हवाओं को सहकर भी जिंदा रह पाते हैं, ये हैं 'पैलो पॉपी' और 'आर्कटिक विल्लो'।
- अमेरिका के एरिजोना में गुलाब का एक इतना विशाल पौधा है, जिसे स्तंभों और पाइपों के सहारे खड़ा रखा गया है। इसके नीचे 150 लोग बैठ सकते हैं।
- सबसे ऊंचे सॉफ्ट वुड पेड़ों में से एक कैलिफोर्निया के विशाल रैडवुड सेकोइया, जनरल शर्मन है। जनरल शर्मन करीब 275 फुट (84 मीटर) ऊंचा है और इसक घेरा 25 फुट है। 2,000 टन वजनी इस पेड़ में पांच अरब दियासिलाई बनाने लायक पर्याप्त लकड़ी है।
- दुनिया का सबसे लंबा पेड़ कैलिफोर्निया में है। इसकी ऊंचाई 360 फुट है।
- ऑस्ट्रेलिया के 236 फुट ऊंचे 'अडा' पेड़ का घेरा 50 फुट है। इसकी जड़ें एक एकड़ से ज्यादा इलाके में फैली हुई हैं।
- माना जाता है कि दुनियाभर में पेड़ों की क़रीब एक लाख विभिन्न प्रजातियां हैं। इनमें सबसे अधिक विविधता ट्रॉपिकल फॉरेस्ट्स में पाई जाती है।
- अमेरिका में प्रयोग किए जाने वाले प्रत्येक चार फार्मास्यूटिकल ड्रॉडक्ट्स में से एक ट्रॉपिकल फॉरेस्ट के पौधों से बनता है।

विनाशकारी भूकंप के झटके

पृथ्वी पर रोजाना सैंकड़ों भूकंप आते हैं, हालांकि इनमें से ज्यादातर बहुत हल्के होते हैं और हम महसूस भी नहीं कर पाते। लेकिन हर साल इन भूकंपों के कारण दुनिया भर में करीब 10,000 लोगों की जानें जाती हैं। सबसे ज्यादा भूकंप जापान में आते हैं। यहां लगभग रोजाना भूकंप आते हैं। लेकिन इनमें से अधिकांश भूकंप बहुत छोटे होते हैं और ये कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। 1993 में टोक्यों में आए एक भूकंप में एक लाख लोग मारे गए थे। इसके कारण योकोहामा शहर नष्ट हो गया था।

सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाला भूकंप 1556 में मध्य चीन में आया था। इस इलाके में अधिकतर लोग नर्म चट्टानों को तराश कर बनाई गई गुफाओं में रहते थे। भूकंप के कारण ये गुफाएं ढह गईं, जिसके चलते लगभग आठ लाख तीस हजार लोग मौत के मुंह में चले गए।

1920 में चीन में आए भूकंप ने तीन सौ वर्ग मील क्षेत्र को प्रभावित किया था। इस भूकंप में करीब दो लाख लोगो ने अपने जाने गंवाई थीं। 1976 में चीन में तंगस्तान में आया भूकंप अढ़ाई लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण बना।

सबसे शक्तिशाली भूकंप चिली में 22 मई, 1960 को आया था। इसका मैग्नीट्यूड 9.5 था। रिकार्ड में दर्ज अमेरिका के सबसे बड़ा भूकंप मार्च 1964 को गुडफ्राइडे के दिन अलास्का में आया। इस भूकंप का मैग्नीट्यूड 9.2 था। इसके कारण प्रशांत महासागर में कई सुनामी आईं। लेकिन चूंकि अलास्का में जनसंख्या बहुत ज्यादा नहीं है, इसलिए केवल 114 लोगों की मौत हुई।

2005 में पाकिस्तान व भारत के कश्मीर क्षेत्र में आए भूकंप से हुई तबाही के कारण करीब एक लाख लोगों ने आपनी जानें गंवा दीं और कई गांवों का धरती से नामों निशान मिट गया।

यूरोप में आए सबसे भीषण भूकंप में से एक में 1755 में पुर्तगाल का लिस्वन शहर नष्ट हो गया था और 30 हजार लोग इसका ग्रास बन गए थे।

20वीं सदी के सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक उजरी अमेरिका के सान फ्रांसिस्को में 1906 में आया। इसका मैग्नीट्यूड 7.7 और 8.3 के बीच था। भूकंप के बाद भीषण अग्निकांड भड़क गए। इसके परिणाम स्वरूप 700 लोग मारे गए और 400 मिलियन डॉलर की संपति का नुकसान हुआ।

1811-1812 में मिसूरी के न्यू मैड्रिड नगर में अलग-अलग 1874 भूकंप आए। इनमें से कुछ के झटके 400 मील दूर तक महसूस किए गए। समुद्र के नीचे आने वाले भूकंप के कारण सुनामी आ सकती हैं, जो अपने अधिकेंद्र से काफी दूर तक जा सकती हैं। सुनामी की ऊंची लहरों के कारण तटवर्ती इलाकों में भारी तबाही होती है।

अंक पहेली

एक बार श्रीमती शर्मा के यहां बहुत चूहे हो गए। चूहों से बचने के लिए उनके पति श्रीमान शर्माजी एक साथ पांच बिल्लियां ले आए। ये पांचों बिल्लियां एक ही जैसी गति से चूहे पकड़ती हैं। पांचों बिल्लियां पांच मिनट में पांच चूहों का शिकार करती हैं। इस हिसाब से बताइए कि एक बिल्ली को एक चूहा पकड़ने में कितना समय लगता है ?

शिकार का अलग अंदाज

अंटार्कटिक महाद्वीप को छोड़कर ऑस्प्रे सभी महाद्वीपों में पाया जाता है। यह लगभग 60 सेंटीमीटर लंबा होता है और इसके पंखों का फैलाव सादे चार से छह फीट तक होता है। इनका वजन ढाई से चार पौंड तक होता है। इनकी पीठ गहरे भूरे रंग की होती है और पेट व छाती सफेद होती है। हालांकि यह चील व हॉक जैसा ही दिखता है, लेकिन कई मायनों में यह उनसे भिन्न है। चील और ऑस्प्रे में भोजन के लिए कई बार लड़ाई हो जाती है। चील अ सर इसे मुंह में पकड़ी हुई मछली गिराने पर मजबूर करती है और बीच हवा में ही उसे लपक लेती है। यह मछलियों को बड़े चाव से खाता है। यही कारण है कि ये तालाब, नदियों, झीलों और समुद्र के किनारे रहते हैं। इसे 'सी हॉक' भी कहा जाता है, क्योंकि मछली की तलाश में यह समुद्र के आस-पास ही मंडराता रहता है। यहां तक कि यह अपने घोंसले भी समुद्र के किनारे ही बनाता है। ऑस्प्रे अपने पैरों तथा पंजों की खास बनावट के कारण अलग अंदाज में अपना शिकार करता है। ऑस्प्रे के पैर में पांच अंगूठे होते हैं, जिनमें चार एक समान लंबाई के और एक अंगूठा बाहर की ओर उल्टी दिशा में होता है। इसके अलावा, इसके पंजे सुई की तरह नुकीले होते हैं, जो शिकार के शरीर पर मजबूत पकड़ बनाने में मदद करते हैं। ये 30-100 फीट की ऊंचाई से पानी की सतह पर शिकार करता है। ऑस्प्रे कभी- कभार खरगोश, कृन्तक, उभयचर, पक्षी और छोटे रेंगने वाले जानवरों का शिकार करता है, लेकिन अक्सर 25-35 सैंटीमीटर लंबी और 150-300 ग्राम वजन की मछलियों का शिकार करता है। जब कभी यह बड़ी मछलियों को

पकड़ता है, तो उनके अधिक वजन होने के कारण खुद समुद्र में डूब जाता है और तुरंत उसकी मौत हो जाती है।

हम बताएं, आप बनाएं

सैनिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नासा ने कई ऐसे सैटेलाइट भी अंतरिक्ष में स्थापित किए हैं, जो दूसरे देशों के सैनिक ठिकानों पर नजर रखते हैं...

नासा मिशन

अमेरिका ने पूर्व सोवियत संघ (रूस) के अंतरिक्ष कार्यक्रम का मुकाबला करने और अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए नैशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की स्थापना 29 जुलाई, 1958 को की थी। एक अक्टूबर, 1958 को इसने पूरी तरह से काम करना शुरू कर दिया था। नासा अंतरिक्ष प्रयोगों के साथ-साथ जनसुविधाओं और सेना के लिए भी काम करता है। नासा में 15 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं और इसका वार्षिक बजट 17.6 बिलियन डॉलर है। नासा का मख्यालय वॉशिंगटन में है। इसका प्रमुख (एडमिनिस्ट्रेटर) अमेरिका के राष्ट्रपति का अंतरिक्ष विज्ञान सलाहकार भी होता है। चार्ल्स फ्रैंक बोल्डन वर्तमान में नासा के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। नासा के प्रमुख अनुसंधान केंद्र वॉशिंगटन स्थित मुख्यालय के अलावा न्यूयॉर्क, ओहायो, वर्जीनिया और कैलिफोर्निया में भी हैं।

उपलब्धियां

नासा अब तक 100 से भी ज्यादा मानव सहित अंतरिक्ष मिशन पूरे कर चुका है। इनमें 'अपोलो' और 'कोलंबिया' ऐसे मानव सहित मिशन थे, जो असफल रहे और इस मिशन के दौरान अंतरिक्ष में कई यात्रियों की मौत हो गई। चंद्रमा मिशन के अलावा नासा विभिन्न ग्रहों और क्षुद्रग्रहों के लिए भी कई मिशन चला चुका है। नासा ने अपना पहला अंतरिक्ष प्रौजेक्ट 'मरकरी' के नाम से 1958 में शुरू किया। इसका मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना था कि मानव अंतरिक्ष में जीवित रह सकता है या नहीं। यह प्रौजे ट सफल रहा। इसके बाद नासा ने 'जैमिनी' के नाम से प्रौजेक्ट शुरू किया। इसका मुख्य उद्देश्य चंद्रमा पर मानव के साथ अंतरिक्ष यान उतरना था। इसी प्रौजे ट के तहत नासा ने अपना 'अपोलो' कार्यक्रम शुरू किया। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष यात्री लेकर जाना था, लेकिन अपोलो-1 सफल नहीं हो पाया और इसमें जाने वाले सभी अंतरिक्ष यात्री मारे गए।

29 जुलाई, 1969 को नासा ने वह कर दिया, जिसका सपना नासा ने अपनी शुरुआत से देखा था। अपोलो-11 पहली बार मानव को लेकर चंद्रमा पर उतरा और नील आर्मस्ट्रांग पहले मानव बने, जिन्होंने चंद्रमा पर कदम रखा। इसके बाद नासा ने अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन स्थापित करने का फैसला किया और 'स्काईलैब' से नाम से अंतरिक्ष में पहला स्टेशन शुरू किया। यह स्टेशन 1973 से लेकर 1979 तक कार्य करता रहा। इसके बाद नासा ने 'शटल' के नाम से नया प्रौजेक्ट शुरू किया, लेकिन पहला प्रयास सफल नहीं हो पाया, पर बाद में यह भी सफल रहा।

महत्वाकांक्षी योजनाएं

नासा की योजना चंद्रमा (मून) और मंगल (मार्स) पर अपने स्पेस स्टेशन स्थापित करने की है। मून और मार्स मिशन के सफल होने के बाद नासा ने अब इस पर काम करना शुरू कर दिया है। नासा की पूरी कोशिश है कि 2020 तक चंद्रमा पर स्पेस स्टेशन स्थापित हो जाए। इसके लिए नासा अन्य देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, के साथ मिल कर काम कर रहा है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्रीमती पदम बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन,वार्ड नं.9 गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक-श्रीमति पदम बागरेचा मो.नं.8319950138, रजि. नं.एम.पी.एच.आई.एन./2010/35109, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट